GOVT. NEHRU PG COLLEGE DONGARGARH

Extension activities are carried out in the neighborhood community, sensitizing students to social issues, for their holistic development, and impact thereof during the year

जल संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन में नेहरू युवा केंद्र राजनांदगांव युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के संयुक्त तत्वाधान 22 दिसम्बर को जल संरक्षण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई.

जिसमें महाविद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया. सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों को प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती द्वारा जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई एवं मुकेश साहू द्वारा जल संरक्षण की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 11 बजे से किया गया गया जिसमें कुल 60 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए.

विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस पर समूह चर्चा

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय में विगत दिनों कंप्यूटर विभाग द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में समूह चर्चा का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई व्ही रेवती व निर्णायक के रूप में भूगोल विभाग की डॉ नौशीन अंजुम तथा हिंदी विभाग की डॉ मेधाविनि तुरे उपस्थित रही. प्रतियोगिता का संचालन पीजीडीसीए की कु. पूजा डोंगरे ने किया.

सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात कंप्यूटर विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती ने प्रतियोगिता के नियम बताए, जिसमें इसमे 7-7 प्रतियोगी के 3 समूह बनाये गए जिन्हें समूह चर्चा के लिए अलग-अलग विषय प्रदान किये.तीनो समूहों में से 2 प्रतिभागियों के चयन कर अंतिम समूह का निर्माण कर उन्हें भी चर्चा के लिए विषय प्रदान किया गया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीजीडीसीए के छात्र अमन नामदेव व दूसरा स्थान बीकॉम अंतिम वर्ष के अंकुश उज्जवने ने प्राप्त किया. विजेताओं को अतिथियों के द्वारा प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया. अंत में सभी आमंत्रित अतिथियो ने इस प्रतियोगिता के महत्व को बताते हुए बताया कि ये आज के समय की मांग है और इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है.

रसायन का महत्व विषय पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा अंतर विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में रसायन विभाग की प्राध्यापिका उमा महोबिया द्वारा एमए भूगोल के छात्र छात्राओं को दैनिक जीवन में रसायन का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ उमा महोबिया के स्वागत के साथ हुआ व्याख्यान के प्रारंभ में महोबिया ने रसायन शब्द के अर्थ से अवगत कराया।

वाणिज्य विभाग में छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न विषयों का किया विश्लेषण

डोंगरगढ़ ([illegible] टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग में एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपने पाठ्यक्रम के अध्यायों को चयन कर प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसमें एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर से राजेश साहू ने अभिप्रेरणा विषय, त्रिलोक सिन्हा ने नेतृत्व, प्रहलाद ने प्रबंधन के कार्य, गंगाप्रसाद ने संगठन, मनोज ने संप्रेषण एवं एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर से ज्योति शर्मा ने सेबी, गायत्री नेताम ने मांग व

पूर्ति, दीपाली ने उत्पादन एवं फलन, लिसा सिंह ने समोत्पाद विश्लेषण विषय में प्रस्तुतिकरण दिया गया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही रेवती द्वारा बताया गया कि आज के बदलते परिवेश में परम्परागत तरीकों के साथ अध्ययन -अध्यापन के नवीन तकनीकों को भी अपनाना आवश्यक है। महाविद्यालय में 8 स्मार्ट क्लास रूम है, जिनका उपयोग प्राध्यापकों एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतिकरण द्वारा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना एवं भविष्य में अपनी बात को किसी भी मंच पर प्रस्तुत करने के लिए तैयार करना है।

विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय में विगत दिनों कंप्यूटर विभाग द्वारा विश्व कंप्युटर साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में समूह चर्चा का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई व्ही रेवती व निर्णायक के रूप में भूगोल विभाग की डॉ नौशीन अंजुम तथा हिंदी विभाग की डॉ मेधाविनि तुरे उपस्थित रही. प्रतियोगिता का संचालन पीजीडीसीए की कु. पूजा डोंगरे ने किया.

सर्वप्रथम मा सरस्वती की वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इसके पश्चात कंप्यूटर विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती ने प्रतियोगिता के नियम बताए जिसमें इसमे 7-7 प्रतियोगी के 3 समूह बनाये गए जिन्हें समूह चर्चा के लिए अलग-अलग विषय प्रदान किये. तीनो समूहों में से 2 प्रतिभागियों के चयन कर अंतिम समूह का निर्माण कर उन्हें भी चर्चा के लिए विषय प्रदान किया गया. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीजीडीसीए के छात्र अमन नामदेव व दूसरा स्थान बीकॉम अंतिम वर्ष के अंकुश उज्जवने ने प्राप्त किया.

विजेताओं को अतिथियों के द्वारा प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया. कार्यक्रम के अंत मे सभी आमंत्रित अतिथियो ने इस प्रतियोगिता के महत्व को बताते हुए बताया कि ये आज के समय की मांग है और इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है.

भौतिकी शास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 04 जनवरी को भौतिक शास्त्र विभाग में क्वांटम यांत्रिकी में सुरंगन प्रभाव विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रुप में साइंस कालेज दुर्ग के डॉ. पूर्णा बोस तथा डॉ अभिषेक कुमार मिश्रा उपस्थित थे.व्याख्यान का प्रारंभ डॉ. पूर्णा बोस तथा डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा के स्वागत से हुआ.

सर्वप्रथम डॉ. पूर्णा बोस व डॉ अभिषेक कुमार मिश्रा ने चिरसम्मत यांत्रिकी की सीमाएं बताई. साथ ही उन्होने सुरंगम प्रभाव को विस्तृत रूप से समझाया. कि कोई भी कण विभव प्राचीर के अंदर कब और किस परिस्थितियों में जाता है. डॉ अभिषेक कुमार मिश्रा व्याख्यान के अंत में एमएससी के छात्र - छात्राओं द्वारा डॉ पूर्णा बोस तथा डॉ अभिषेक कुमार मिश्रा से प्रश्न पूछे गये, जिसका निराकरण दोनों विषय विशेषज्ञो ने किया.

अंत में भौतिक शास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार तथा विक्रम देवांगन द्वारा विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया गया। इस व्याख्यान से भौतिकी विभाग के 40 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए.

यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी के लिए अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान संपन्न

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में बीते दिनो 30 अक्टूबर को प्राचार्य केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन में भौतिक शास्त्र विभाग में सीएसआइआर तथा यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी कैसे करें विषय पर अंतर विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में अंग्रेजी विभाग के अ.व्या. सुनील कुमार उपस्थित थे।

व्याख्यान का शुभारंभ सुनील सर के स्वागत के साथ हुआ तत्पश्चात मुख्य वक्ता द्वारा सीएसआइआर यूजीसी नेट तथा यूजीसी नेट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।सुनील सर द्वारा सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं को सीएसआइआर नेट तथा यूजीसी नेट में अंतर बताकर छात्र-छात्राओं की मन में जो भ्रम था उसे दूर किया गया। उसके बाद सुनील सर द्वारा परीक्षा की तैयारी कैसे करें, कहां से करें, पढ़ने का क्या तरीका क्या होना चाहिए, पाठ्यक्रम को कैसे पूर्ण करें एवं पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करने से हम कैसे तैयारी को मजबूत कर सकते हैं इत्यादि विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक शास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार साहू द्वारा मुख्य वक्ता सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया गया। इस अतिथि व्याख्यान से भौतिकी विभाग के 40 छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए।

भूगोल विभाग में वर्चुअल क्लास का आयोजन.

डोंगरगढ़. प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में भूगोल विभाग के डॉ. विजय लाल तिवारी एवं डॉ. नौशिन अंजुम ने ऑनलाइन इन्टेज[illegible]ल [illegible]के माध्यम से क[illegible]ल चक्रवर्ती निर्देशक [illegible]आइ[illegible]ईएआरआई कलकता द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में छात्र-छात्राओ का दिशा निर्देश किया गया. विद्यार्थियों ने आरएस एवं जीआईएस के बारे में विभिन्न स्लाइडो के द्वारा महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की. अंत में डॉ. विजय लाल तिवारी ने आभार व्यक्त किया.

मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम जरूरी

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा गत दिनों विश्व मृदा दिवस मनाया गया। भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु जागरूक करना तथा मृदा में लवणीकरण की रोकथाम हेतु संदेश देना था। जिसके अंतर्गत स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्राध्यापिका डॉ. नौशीन अंजुम द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं छात्र छात्राओं द्वारा मृदा संरक्षण स्लोगन, मृदा संरक्षण वार्ता में भाग लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. श्रीमती रेवती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आशा चौधरी, डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती उपस्थित थी। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारम्भ हुआ। अतिथियों का स्वागत भूगोल परिषद की अध्यक्ष कुमारी अंकिता वैष्णव, उपाध्यक्ष मेघनाथ सचिव कमलेश कुमार एवं यशोदा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा मिट्टी संरक्षण से संबंधित स्लोगन एवं वार्ता प्रस्तुत की गई, जिसमें बीए द्वितीय से आंचल रामटेके, तृतीय सेमेस्टर से कमलेश कुमार, बीए तृतीय से प्रीति साहू, एमए तृतीय सेमेस्टर से लालेन्द्र कुमार, बीए तृतीय से डोमेश्वर सिन्हा ने उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. रेवती ने बताया कि मृदा दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में मिट्टी के प्रकार एवं उनके प्रत्यक्ष नमूनों के माध्यम से एवं पीपीटी प्रस्तुतिकरण उपयोगी रहा एवं आगे भी ऐसे आयोजन की शुभकामना प्रेषित की। डॉ. आशा चौधरी ने विश्व स्तर पर मृदा के कटाव एवं महत्व समझाया। श्रीमती चक्रवर्ती ने प्लास्टिक जैसे अपशिष्ट के कारण होने वाले प्रभाव का उल्लेख किया कि किस प्रकार से मृदा प्रदूषित हो रही है तथा इसका संरक्षण कितना आवश्यक है। डॉ. नीता ठाकुर एवं डॉ. मेधाविनी तुरे ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में पुनरावृत्ति हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। भूगोल विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवसर पर स्थानीय स्तर की मिट्टी के नमूने भाठा, कन्हार एवं कछारी, मटासी मिट्टी एकत्रित कर बताया कि डोंगरगढ़ विकासखंड में सबसे अधिक 40.03 प्रतिशत कन्हार मिट्टी है और सबसे कम 1.42 प्रतिशत कछारी मिट्टी है। उक्त कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने मृदा संरक्षण हेतु संकल्प लिया एवं अध्यक्ष कुमारी अंकिता वैष्णव ने कार्यक्रम की समाप्ति के साथ धन्यवाद ज्ञापित किया।

महापरिनिर्वाण दिवस मना

भिलाई (सबेरा संकेत)। डॉक्टर अंबेडकर चौक पावर हाउस भिलाई में प्रातः 10 बजे से डॉक्टर अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस समारोह संस्था के अध्यक्ष सुनील रामटेके की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि बौद्ध समाज के वरिष्ठ अशोक धावले थे। अन्य विशिष्ट अतिथि पूर्व महाप्रबंधक एल उमाकांत, सुभाष बांसोडकर, विनोद वासनिक, अनिल गजभिए, आनंद रामटेके, महासचिव कोमल प्रसाद, सिद्धार्थ बोरकर, नरेंद्र खोबरागड़े, श्रीमती संगीता पटेल, श्रीमती भारती खांडेकर उपस्थित थे। उपस्थित उपासिकाओं ने डॉ बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष सुनील रामटेके ने कहा कि आज बाबा साहब द्वारा दिया गया संविधान विश्व का सर्वोपरि संविधान है, जो सभी वर्गों के लिए लागू होता है। श्री रामटेके ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा सौंदर्यीकरण का जो कार्य किया जा रहा है उसे शीघ्र करने की आवश्यकता है जिसके लिए उन्होंने ज्ञापन भी सौंपा और मांग की है कि शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाए।

शोध कार्य में आंकड़ों की महत्वपूर्ण होती है भूमिका : डा. नौशिन

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अतिथिव्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यवक्ता डा.नौशीन अंजुम द्वारा सामाजिक अनुसंधान में आंकड़ों का संकलन विषय पर व्याख्यान दिया।

डा.नौशिन ने छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि किसी भी शोध कार्य में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आंकड़ों आंकड़ों को संकलित करने की निशिचत प्रविधियां होती हैं। जिससे कि शोध का उत्कृष्ट निष्कर्ष प्राप्त हो सके। शोध कार्य में वैज्ञानिक निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए आंकड़ों को प्राविधिक रूप से एकत्रित करना तथा उसमें गुणात्मक एवं संख्यात्मक पहलुओं पर अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

वैज्ञानिक शोध के लिए आंकड़ों का विश्वासनीय होना आवश्यक है।आंकड़ों को संकलन विभिन्न प्रविधियों की सहायता से कैसे किया जाता है। आंकड़ों के प्रकार, आंकड़ों के स्त्रोत एवं गुण दोष के विस्तृत अध्ययन द्वारा छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया।

व्याख्यान को संबोधित करते हुई डा. नौशिन। • नईदुनिया

नेहरू महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा मनाया गया विश्व पर्वत दिवस

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में विश्व पर्वत दिवस मनाया गया। विश्व पर्वत दिवस पर आयोजित उक्त कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी एवं अतिथि के रूप में हिन्दी विभाग से डॉ. मेधावनी तुर्रे का स्वागत भूगोल परिषद के पदाधिकारियों कु. अंकिता एवं कमलेश कुमार द्वारा किया। पारिस्थितिकी तंत्र मैं संतुलन बनाए रखने एवं पृथ्वी के जलवायु सुधार में पर्वतों का संरक्षण बहुत आवश्यक है प्रतिवर्ष 11 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है।

पर्वत हमारी संस्कृति एवं जीवन शैली का अभिन्न अंग है। चाहे पर्यटन हो मनोरम सांस्कृतिक दृश्य की बात करें या जीव-जंतु पेड़ पौधों की शरण स्थली के बारे में सोचें पर्वतों का बहुत महत्व है किंतु वर्तमान में पर्वतों की जलवायु परिवर्तन की वजह से भौगोलिक स्थिति में लगातार बदलाव आ रहा है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक है। इस वर्ष विश्व पर्वत दिवस की थीम सतत पर्वतीय पर्यटन है।

हिन्दी विभाग में साहित्य के सिद्धांत एवं आलोचना शास्त्र पर विभागीय सेमिनार

भंडारपुर में लगा रासेयो शिविर

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं महिला इकाई से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में 7 दिवसीय शिविर खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम करेला भंडारपुर में 23 से 29 दिसम्बर तक आयोजित किया गया है। जिसकी थीम ग्रामीण विकास के लिए युवा शिविर रखी गयी है।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य विप्लव साहू, अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई. व्ही. रेवती तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य श्रीमती अनुसुइया नगपुरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मुढ़ीपार कोमल दास साहू, शा. उ. मा. वि. भंडारपुर प्राचार्य ललित मोहन दास, ग्राम पंचायत ग्राम भंडारपुर सरपंच लक्ष्मीकांत वर्मा, ग्राम पंचायत दैहान सरपंच श्रीमती दिनेश्वरी वर्मा, सरपंच ग्राम पंचायत करेला श्रीमती कौशल्या, देव लाल कंवर, पससाही सरपंच पलटू राम साहू, शाला विकास एवं प्रबंध समिति भंडारपुर अध्यक्ष जगन सेन, सदस्य अभिषेक जैन, ग्राम पटेल हेमंत सिन्हा, ग्राम प्रमुख घनश्याम ठाकुर, समाजसेवी संतोष जैन, तेजेश्वर बंदे, अशोक शर्मा जी उपस्थित थे। कार्यक्रम अधिकारी द्वारा समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत कर शिविर के उद्देश्य की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने भी शिविर में आये छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए देश सेवा, समाजसेवा के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे। आभार प्रदर्शन डॉ. आशा चौधरी ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर ग्राम छिपा में हुआ प्रारंभ

• नवभारत प्रतिनिधि • डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

ग्राम पंचायत छिपा में 22 दिसंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला - मुसरा व रेंगाकठेरा के संयुक्त तत्वधान में शिविर का शुभारंभ किया गया. उद्घाटन के मुख्य अतिथि ओमप्रकाश लिल्हारे सरपंच ग्राम पंचायत छिपा द्वारा स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया.

तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को स्वामी विवेकानंद के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया की शिक्षा द्वारा सम्मानित सेवा एवं समाज सेवा के द्वारा शिक्षक के लक्ष्य को हमारे गांव में रहकर प्राप्त करवाने साथ ही विद्यार्थी अपने समाज सेवा को कार्य द्वारा समर्पित का विकास का मूल सिद्धांत विद्यार्थी पूरा करेंगे. इस कैंप में सरपंच उपसरपंच सचिव रोजगार सहायक व समस्त पंचगन गांव के महिला कमांडो और पूरे गांव की स्व सहायता समूह महिला द्वारा और गांव के महिलाओं द्वारा बारी - बारी सहयोग प्रदान किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा भी शाम को मनोरंजन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाता है जिसने पूरे गांव वाले उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठाते हैं.

कार्यक्रम के दौरान गांव में स्वच्छता और शौचालय का उपयोग करने के लिए नाटक तथ्य के तहत समझाया जाता है. जिसको गांव वाले काफी ध्यान से देख कर समझ रहे हैं. सरपंच ओमप्रकाश लिल्हारे ने बताया कि हमारे गांव में ऐसा पहली बार कार्यक्रम हो रहा है जिसमें काफी अच्छी उत्साहित महसूस किया जा रहा है गांव वाले द्वारा भी और इस कार्यक्रम का समापन 28 दिसंबर को पूर्ण होगा.इसकी जानकारी सरपंच प्रतिनिधि रोहित लिल्हारे द्वारा दी गई है.

बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन से ग्राम भंडापुर (करेला) के शा. उ. मा. वि. भंडारपुर मे सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन 25 दिसंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मे बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक एस के पटेल एवं ग्राम के सरपंच लक्ष्मीकांत वर्मा उपस्थित थे।

जल संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन एवं नेहरू युवा केंद्र राजनांदगांव के सहयोग से जल संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। स्पर्धा में लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों को प्रभारी प्राचार्य डॉ. रेवती ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई। मुकेश साहू ने जल संरक्षण की महत्ता से अवगत कराया। प्रतियोगिता में 60 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम - पटेल

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बी आर सिवारे एवं महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉण् आशा चैधरी जी के मार्गदर्शन से ग्राम भंडारपुर मे सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन 25 दिसंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मे बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक एस.के. पटेल एवं ग्राम के सरपंच लक्ष्मीकांत वर्मा उपस्थित थे । श्री पटेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तथ्य पर संदेह नहीं किया जा सकता कि एक युवा ही है जो देश के भविष्य को आकार देता है। यदि यह युवा मेहनती और परिश्रमी है तो वह राष्ट्र की प्रगति के लिए बाध्य है लेकिन अगर यह युवा सुस्त और आलसी है तो कोई भी उस देश को पतन से नहीं बचा सकता है। जो बदले में किसी भी राष्ट्र के भाग्य को निर्देशित करेगा।

हिन्दी को विश्वव्यापी भाषा बनाने का संकल्प

नेहरू कॉलेज में मना विश्व हिन्दी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज डोंगरगढ़ में हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. येतुक्रिती हजारे, डॉ. नीता ठाकुर एवं डॉ. मेघविनी द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर 10 जनवरी को एमए हिंदी साहित्य के छात्र छात्राओं के लिए स्वरचित कविता पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें भवानी शंकर पदवंशी, कामिनी वर्मा, पुरनलाल कंवर, नेपुका बंजारे, आकाश वर्मा, खिलेश्वरी साहू, नेहा साहू, प्रिया खोबरागड़े, चंद्रिका मंडावी और मितेश्वरी साहू ने सहभागिता दिखाई। डॉ. येतुक्रिती हजारे ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्व हिंदी दिवस और हिंदी दिवस के अंतर पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्व हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य विश्व में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना तथा हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रचार-प्रसार करना है। हिंदी प्रेमियों के लिए विश्व हिंदी दिवस काफी महत्व रखता है हिंदी को विश्वव्यापी भाषा बनाने और इसके प्रति लोगों को जागरूकता बढ़ाना था। डॉ.नीता ठाकुर ने विश्व हिंदी साहित्य सम्मेलन से अवगत कराते हुए कहा कि प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस कार्य का उद्घाटन किया। डॉ.मेघविनी तुरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत सहित अनेक देशों में विश्व हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। समस्त हिंदी प्रेमियों को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। बचपन से ही हिन्दी भाषा का प्रयोग हम सब करते आ रहे है और अधिक संख्या में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। एम. ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये जिसमें भवानी शंकर पदवंशी ने स्वरचित कविता हिंदी में सुनाई लेते माँ की कविता, नेपुका बंजारे ने है जिसकी शान निराली हिंदी, पुरनलाल कंवर ने कविता जन्म हुआ मानवता का, कामिनी वर्मा ने विश्व हिंदी दिवस की महत्ता का वर्णन करते हुए बाल कविता की अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन छात्र आकाश वर्मा एवं भवानी शंकर ने आभार व्यक्त किया।

रश्मिदेवी सिंह

वाणिज्य विभाग में कौशल विकास पर कार्यशाला का आयोजन

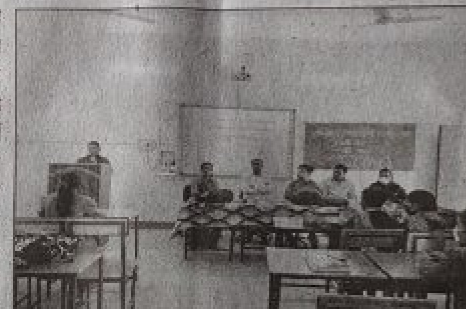

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्रभारी प्राचार्य डॉ ई. व्ही. रेवती के निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा कौशल विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय रायपुर से विकास पांडे उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ई.व्ही.रेवती द्वारा मुख्य वक्ता विकास पांडे के स्वागत से की गई और इसके साथ ही मंच उन्हें सौंपा गया। विकास पांडे के द्वारा समूह चर्चा की आवश्यकता एवं महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि, यह एक समूह कार्य है जिस तरह फुटबॉल खेल में खिलाड़ी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपनी टीम के अन्य सदस्यों को बॉल पास करते हैं और सभी खिलाड़ियों का उद्देश्य एक ही होता है ठीक उसी प्रकार समूह चर्चा भी एक समूह कार्य है, जिसमें एक निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समूह के सभी सदस्यों को विभिन्न विचारधाराओं में समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रकार इस विषय में विस्तृत चर्चा की गई और इसके साथ ही कुछ विद्यार्थियों का समूह बनाकर उन्हें एक विषय ऑनलाइन कक्षा पर चर्चा हेतु दिया गया जिसमें सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी विलास गभने एम .कॉम. तृतीय सेमेस्टर को पुरस्कृत किया गया और साथ ही यह भी बताया गया कि अध्ययन पश्चात् जॉब पाने के लिए समूह चर्चा के माध्यम से भी चयन किया जाता है,इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होती है और इसी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, श्रीमती ज्योति साहू, सुश्री प्रतिभा सिंह , एवं सुश्री महिमा जवोनपुत्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति साहू एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ई .व्ही. रेवती के द्वारा किया गया

नेहरू कॉलेज में विविध स्पर्धा आयोजित

● नवभारत प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 25 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के दिशा निर्देशन में तात्कालिक भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. विज्ञान एवं समाज विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में 4 छात्र - छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें एमएससी चतुर्थ सेमे. प्राणीशास्त्र की पूजा बागसवार ने प्रथम, एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर भौतिकी के रूपेश कुमार ने द्वितीय एवं एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर भौतिकी के रोशन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

आयोजन

■ भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.

इसी तरह सुखद भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिमसे स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर राहुल कुमार, विजय कुमार, वेदप्रकाश, गौरव कुमार, कुसुम, ओमेश्वर, सुमित कुमार, विवेक, अनिल कुमार, ऋषभ अग्रवाल, यामिनी लिल्हारे, तरूण कुमार, रोशन सिन्हा, एकता सोनी, नीना उइके, रोशन कुमार, एनका मीना, पवन वर्मा, तृप्ति मेश्राम, नम्रता, श्रावणी, यंजनेश कुमार, आदि लगभग 23 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें यामिनी लिल्हारे, एमएससी द्वितीय सेमेस्टर प्राणीशास्त्र ने प्रथम, ऋषभ अग्रवाल बीएएसी अंतिम वर्ष ने द्वितीय एवं अनिल कुमार एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर प्राणीशास्त्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान का महत्व, उपयोगिता, संभावनाऐं और चुनौतियों पर चिंतन-मनन किया गया है. कार्यक्रम को सफल बनाने में विज्ञान संकाय प्रमुख श्री बी.आर.सिवारे, श्री लीलाराम देवांगन, डॉ. नीता ठाकुर, श्रीमती उमा महोबिया, सुश्री वर्षा मेश्राम, सुश्री ऋचा अग्रवाल, रोशन कुमार, विक्रम देवांगन, राजकुमार रवि, सुश्री प्रिया ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा. इस अवसर पर डॉ. श्रीमती आशा चौधरी द्वारा छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन प्रदान किया गया. प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर द्वारा प्रतिभागी एवं विजेता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि ऐसे कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त होता है. अतः छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक सम्मिलित होकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन को समझ सकते है. कार्यक्रम का संचालन लीलाराम देवांगन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नीता ठाकुर द्वार किया गया.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना का प्रभाव विषय पर हुई सामूहिक चर्चा

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

डोंगरगढ़. कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था के प्रभाव पर डाला प्रकाश।

शासकीय नेहरू कॉलेज में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। समूह चर्चा का विषय भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना महामारी का प्रभाव था। चर्चा की शुरुआत अतिथि व्याख्याता प्रतिभा सिंह ने की। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था भी काफी प्रभावित हुई है। सर्वाधिक प्रभावित देश ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था जहां कि सकल घरेलू उत्पाद 11.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। इस महामारी में सबसे कम प्रभावित देश भारत व चीन है, जहां कि सकल घरेलू उत्पाद में महज 3.7 गिरावट का अनुमान है। इस संकट के समय में व्यक्ति स्वच्छता का महत्व व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, आत्मनिर्भर व सीमित साधनों के साथ जीवन यापन का महत्व को जाना।

कार्यशाला में बताया गया कि नदी व पर्यावरण शुद्ध हवा साथ ही लोगों की सहायता के लिए सभी लोग से तत्परता से कार्य किया। इसी क्रम में सभी छात्रों ने भी अपने विचार रखे। जिसमें एमकॉम तृतीय व प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने बताया कि कैसे इस महामारी में आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। साथ ही परिवार के साथ वक्त बिताया। शादी में कम खर्च हुए, पैसे का विनियोग किया गया। रोजगार गारंटी योजना में काम, बचत किए पैसे का महत्व जाना। शिक्षा की नई प्रणाली ऑनलाइन कक्षाएं हुई। सड़क दुर्घटनाएं कम हुई। प्रधानमंत्री राहत पैकेज की सहायता, यातायात प्रभावित, विभिन्न सेना समितियों द्वारा सेवा कार्य, महामारी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए अस्पताल के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, होटल में व्यवस्था, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई व स्व अध्ययन कक्षाओं, घर में रहकर कोडिंग करना सीखा। स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति लोग जागरूक हुए तथा पर्यावरण के संरक्षण में अपनी भूमिका सुनिश्चित की।

बताया परिषद गठन का महत्व

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं आईक्यूएसी प्रभारी ईव्ही रेवती के मागदर्शन में महाविद्यालय के समस्त स्नातकोत्तर कक्षाओं के परिषदों के पदाधिकारियों एवं कक्षा प्रतिनिधियों की बैठक आहुत की गई। बैठक में डॉ. रेवती ने बैठक में उपस्थित समस्त परिषद के पदाधिकारी छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए परिषद के महत्व को बताया। प्राचार्य टांडेकर ने परिषद के उद्देश्य, महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त संचालित गतिविधियों में पदाधिकारियों की भूमिका, नैक मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संगठन (एलुमनी एसोसिएशन) के समस्त छात्रों के विकास में उनके द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं सहायता से भी अवगत कराया।

नांदगांव टाइम्स

नेहरू महाविद्यालय में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

छात्र-छात्राओं ने किया विश्लेषण

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन में एमकॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अध्यायों का चयन कर प्रस्तुतिकरण दिया। एमकॉम तृतीय सेमेस्टर के राजेश साहू, त्रिलोक सिन्हा, गंगाप्रसाद, गंगोत्री, प्रथम सेमेस्टर की ज्योति वर्मा, गायत्री नेताम, दीपाली, लिसा सिंह ने प्रस्तुतिकरण दिया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. रेवती ने बताया कि बदलते परिवेश में परम्परगत तरीको के साथ अध्ययन -अध्यापन की नवीन तकनीको को अपनाना आवश्यक है।

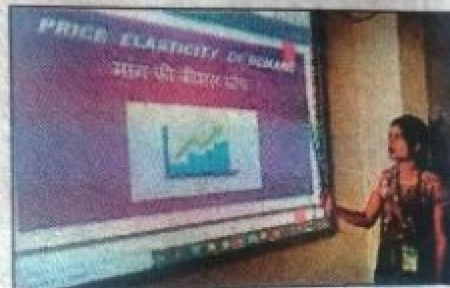

कॉलेज में विषयों का किया विश्लेषण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग में एमकॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपने पाठ्यक्रम के अध्यायो को चयनकर प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिनमें एम कॉम तृतीय सेमेस्टर से राजेष साहू ने अभिप्रेरणा विषय, त्रिलोक सिन्हा ने नेतृत्व, प्रहलाद ने प्रबंधन के कार्य, गंगाप्रसाद ने संगठन, गगोत्री ने संप्रेषण एवं एम कॉम प्रथम सेमेस्टर से ज्योति वर्मा ने सेबी, गायत्री नेताम ने मांग व पूर्ति, दीपाली ने उत्पादन एवं फलन, लिसा सिंह ने समोत्पाद विशलेषण विषय में प्रस्तुतिकरण दिया।

मार्केटिंग पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाचधान में विपणन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ता स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाडा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन थे। कार्यक्रम के आरंभ में वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ ईव्ही रेवती एवं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ आरआर कोचे ने श्री जैन को पुष्पगुच्छ भेंट किया। गया। श्री जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की जानकारी दी। उन्होंने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी दी। अंत में प्राचार्य ने श्री जैन को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रेवती ने किया।

विद्यार्थियों को कराया टेक्नॉलाजी सेंटर दुर्ग का शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में डोंगरगढ़ के प्राचार्य प्रदीप कुमार जांबुलकर के दिशा-निर्देशन में महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग और वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल को विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं तूलिका चक्रवर्ती के मागदर्शन में छात्र-छात्राओ को एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग एवं अक्षय पात्र भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के पीजीडीसीए, बीकॉम, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एवं डीसीए के कुल 90 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग रसमड़ा जाकर कम्प्युटर के बेसिक पार्ट्स और लैंग्वेजेज की प्रैक्टिकल जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा वहां सीएनसी मशीन एवं मशीन वर्टीकल तथा मशीन मिलिंग मशीन को प्रैक्टिकल देखा और ये भी जाना कि इन मशीन को कंप्यूटर के द्वारा कैसे चलाया जाता है और कैसे उनकी प्रोग्रामिंग की जाती है। इस अवसर पर एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग में छात्र-छात्राओं के लिए एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों को एमएसएमई द्वारा छात्र-छात्राओं को सहभगिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अक्षय पात्र भिलाई ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वहाँ की कार्यप्रणाली जानी, वहां विद्यार्थियों ने कीचन में मशीनो से भोजन बनाने की तकनीक की जानकारी प्राप्त की। अक्षय पात्र में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यस्था भी की गई थी। उक्त शैक्षणिक भ्रमण से 90 विद्यार्थी लाभांवित हुए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. जांबुलकर ने सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए आयोजक विभाग को शुभकामनाएं दी।

वाणिज्य विभाग में परिषद गठन संपन्न

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन में वाणिज्य विभाग में परिषद गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु एम कॉम तृतीय सेमेस्टर से रूचि जैन, उपाध्यक्ष एम कॉम द्वितीय सेमेस्टर से गायत्री नेताम, सचिव तृतीय सेमेस्टर से राजेस साहू, सह सचिव प्रथम सेमेस्टर से दीपाली देशमुख, कोषाध्यक्ष तृतीय सेमेस्टर से प्रहलाद सिन्हा एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में तृतीय सेमेस्टर से राजू टेम्भुरकर एवं प्रथम सेमेस्टर से देवेन्द्र पांडे एवं पलक वैष्णव का को मनोनीत किया गया। कक्षा प्रतिनिधि के लिए तृतीय सेमेस्टर के लिए नफीशा बानो एवं प्रथम सेमेस्टर से योगेश सिन्हा का चयन किया गया।

वाणिज्य विभाग में हुई बैठक

वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन में गत दिनों पालक शिक्षक बैठक हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. रेवती ने पालकों व विद्यार्थियों को बैठक का महत्व बताते हुए महाविद्यालय के नैक मूल्यांकन के ग्रेडिंग सिस्टम के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य ने कॉलेज की गतिविधियों से सहित विद्यार्थियों के लिए चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी दी।

वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

स्वॉट एनालिसिस की महत्ता बताई गई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन और अतिथि व्याख्याता संदीप श्रीवास के सहयोग से वाणिज्य विभाग स्वॉट एनॉलिसिस विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शास. कमला देवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव, वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. लाली शर्मा उपस्थित थी।

कार्यकम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल कर किया गया। डॉ. लाली शर्मा ने स्वाट एनालिसिस पर छात्र-छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से बताया कि षक्तियों का मतलब केवल शारीरिक शक्तियां ही नहीं बल्कि मानसिक क्षमता से भी है। अपनी कमजोरियों को पहचान कर, उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे तभी आप अपनें लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

कमियों के कारण ही हमें डर लगता है पर डरना नहीं है, अपितु उसे दूर करने का प्रयास करना है। सफलता के लिए अपनी खुबियों एवं कमियों को पहचानना आवष्यक होता है अवसर बाह्य घटक है और शक्तियां आंतरिक घटक है। आंतरिक घटकों में आप वृद्धि करते हुए चुनौतियों का सामना कर सकते है। व्यक्ति, व्यावसायिक, संस्थाएं, गैर-व्यावसायिक, पुण्यार्थ संस्थाये अपना स्वॉट एनालिसिस कर सकते है। निर्णय लेने में सहायक,व्यसाय में सफलता और विफलता से जुड़े महत्वपूर्ण कारकों को व्यवस्थित करना, व्यक्तिगत एवं संगठन के अपने शक्तियों एवं कमजोरियों को जानना स्वॉट एनालिसिस आदि के आवश्यक तत्व है।

वाणिज्य परिषद गठित, गायत्री नेताम अध्यक्ष और सिद्धि नामदेव उपाध्यक्ष

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में वाणिज्य विभाग द्वारा परिषद का गठन वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती ने किया। प्राचार्य द्वारा सभी पदाधिकारियों को बैच लगाकर सम्मानित किया गया, जिसमें एम कॉम तृतीय सेमेस्टर से गायत्री नेताम को अध्यक्ष, एवं एम कॉम प्रथम सेमेस्टर से सिद्धि नामदेव को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सचिव एम कॉम तृतीय सेमेस्टर से दीपाली देशमुख, सहसचिव प्रमोद वर्मा, कोषाध्यक्ष विलास गभने, ज्योति वर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पलक वैष्णव, अभिषेक मंडावी अरविंद वर्मा पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा से करने को कहा गया। एमकॉम 2020-21 में महाविद्यालय में प्रथम स्थान रूचि जैन एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली रेणुका देवांगन को प्राचार्य द्वारा पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों द्वारा अपने गत वर्ष के अनुभव को साझा किया गया। अंत में तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा विभाग को भेंट दिया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी गायत्री नेताम एवं अरविंद वर्मा ने किया।

वाणिज्य विभाग में केस स्टडी पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती के निर्देशन में वाणिज्य विभाग मे केस स्टडी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बीआईटी दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में फूल अर्पित एवं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य वक्ता का स्वागत प्रतिभा सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ एवं फूलदान देकर किया गया। वाणिज्य विभागाध्यक्ष द्वारा डॉ अभिषेक चक्रवर्ती सर का संक्षिप्त परिचय देकर उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान युग में वाणिज्य के क्षेत्र में सिर्फकिताबी शिक्षा ही काफी नहीं बल्कि साथ ही साथ व्यवसाय से जुड़ी केस स्टडी का भी अध्ययन करना आवश्यक है।

हरिभूमि
रायपुर - संस्कारधानी भूमि
Date 26 Mar 2022

छात्र छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 16 मार्च को प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती ई व्ही रेवती, ज्योति साहू, सुश्री प्रतिभा सिंह एवं सुश्री महिमा जोबनपुत्रा के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं ने कलकसा गौठान का अवलोकन किया इस दौरान विद्यार्थियों को गौठान में निर्मित वर्मी कंपोस्ट खाद , मत्स्य पालन, मुर्गी पालन एवं फूलों की खेती आदि से अवगत कराया गया।

विद्यार्थियों को कराया टेक्नॉलाजी सेंटर दुर्ग का शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में डोंगरगढ़ के प्राचार्य प्रदीप कुमार जांबुलकर के दिशा-निर्देशन में महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग और वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल को विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं तूलिका चक्रवर्ती के मागदर्शन में छात्र-छात्राओ को एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग एवं अक्षय पात्र भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के पीजीडीसीए, बीकॉम, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एवं डीसीए के कुल 90 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग रसमड़ा जाकर कम्प्युटर के बेसिक पार्ट्स और लैंग्वेजेज की प्रैक्टिकल जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा वहां सीएनसी मशीन एवं मशीन वर्टीकल तथा मशीन मिलिंग मशीन को प्रैक्टिकल देखा और ये भी जाना कि इन मशीन को कंप्यूटर के द्वारा कैसे चलाया जाता है और कैसे उनकी प्रोग्रामिंग की जाती है। इस अवसर पर एमएसएमई टैक्नालॉजी [illegible] Text Box छात्र-छात्राओं के लिए एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों को एमएसएमई द्वारा छात्र-छात्राओं को सहभगिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अक्षय पात्र भिलाई ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वहाँ की कार्यप्रणाली जानी, वहां विद्यार्थियों ने कीचन में मशीनो से भोजन बनाने की तकनीक की जानकारी प्राप्त की। अक्षय पात्र में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यस्था भी की गई थी। उक्त शैक्षणिक भ्रमण से 90 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. जांबुलकर ने सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए आयोजक विभाग को शुभकामनाएं दी।

उपभोक्ता विज्ञापनों के मायाजाल से दूर रहें

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विगत दिवस अर्थशास्त्र. विभाग के तत्वावधान में उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर.कोचे ने उपभोक्ताओं को प्राप्त समस्त अधिकार एवं संरक्षण की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष श्री कोचे ने बताया कि उपभोक्ताओं का शोषण विक्रेताओं द्वारा प्रमुखतया तीन प्रकार से किया जाता है जैसे-सामान कम वजन में तौलकर देना, मिलावटी सामग्री विक्रय करना तथा अधिक कीमत पर सामान विक्रय करना आदि। इन तीनों प्रकार से शोषण से संरक्षण एवं क्षतिपूर्ति का अधिकार उपभोक्ताओं को प्राप्त है। भारत सरकार द्वारा 1986 से उपभोक्ताओं का शोषण से संरक्षण हेतु कानून बनाये गये हैं। इन कानूनों तथा अधिनियमों को उपयोग उपभोक्ता तीन स्तरो पर कर सकता है। इसमें जिला स्तर पर जिला उपभोक्ता फोरम तथा राज्य स्तर पर राज्य उपभोक्ता फोरम के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी उपभोक्ता अपना संरक्षण तथा क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकता है। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर कोचे ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को वस्तुओं तथा सेवाओं का क्रय करते हुए जागरूक होना आवश्यक है।

वर्तमान में चल रहे आकर्षक विज्ञापनों के मायाजाल में नहीं आना चाहिए। अनेक कंपनियां गुणवत्ताहीन सामान को आकर्षक विज्ञापन के मायाजाल से उपभोक्ताओं को भ्रमित कर शोषण करती है जो कि किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं है। व्याख्यान में अर्थशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित हुए तथा इस विषय पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री मनीषा भेंड़िया ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कृषि कानून पर हुई सामूहिक चर्चा

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन और अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे के मार्गदर्शन में समकालीन विषय कृषि कानून विधेयक पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। विषय की महत्ता एवं प्रासंगिता को रेखांकित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे ने बताया कि कृषि ऐसा विषय हे जिसका संबंध प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सभी वर्गो के साथ है। भारत की बडी जनसंख्या जीवन यापन के लिए कृषि पर आधारित है। इसके अतिरिक्त भारत की जीडीपी में भी कृषि का लगभग 15 प्रतिशत योगदान है। इन परिस्थितियों में वर्तमान कृषि कानून पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करना आवश्यक हो गया। उक्त समूह चर्चा में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विषय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

नांदगांव टाइम्स

नेहरू महाविद्यालय में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

सफल व्यवसायी बनने के लिए विशेषज्ञ ने दी जानकारी

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एव वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजना किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन उपस्थित थे। कार्यक्र म का शुभारंभ वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन ने एमकॉम बीकॉम एवं एमए अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. जैन ने हमारे जीवन में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी प्रदान करना आवश्यक बताया।

आर्थिक सिद्धांतों का रेखाचित्रिय विषय पर अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्यान हुआ

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभगाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे मागदर्शन में आर्थिक सिद्धांतों का रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय शासकीय रानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी, महाविद्यालय रामाटोला के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार रंगारी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता डॉ. मनोज कुमार रंगारी ने आर्थिक सिद्धांतों के रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक सिद्धांत वृहत अध्ययनों और विश्लेषण पर आधारित होते हैं। प्रत्येक शास्त्र का अध्ययन उसकी परिभाषा की प्रक्रिया से प्रारंभ होता है और अर्थशास्त्र इसका अपवाद नहीं है। अर्थशास्त्र के आर्थिक सिद्धांतों को रेखाचित्र के माध्यम से बहुत ही सहजता से स्पष्ट किया जाता है। इस प्रकार आर्थिक सिद्धांतो में रेखाचित्र की महत्ता स्वयं सिद्ध है। व्याख्यान में उपस्थित 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी शंकाओं का समाधान किया।

विशेषज्ञों ने रेखाचित्र से समझाए छात्रों को आर्थिक सिद्धांत

[illegible]

[illegible]

रिश्वत के बिना नहीं होत

कृषि कानून पर अर्थशास्त्र विभाग में हुई समूह चर्चा

डोंगरगढ़ नांदगांव टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देश एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे के मार्गदर्शन में समकालीन विषय कृषि कानून विधेयक पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। विषय की महत्ता एवं प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर कोचे ने बताया कि कृषि ऐसा विषय है जिसका संबंध प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सभी

वर्गों के साथ है। भारत की बड़ी जनसंख्या जीवन यापन के लिए कृषि पर आधारित है। इसके अतिरिक्त भारत की जीडीपी में भी कृषि का लगभग 16 प्रतिशत योगदान है। इन परिस्थितियों में वर्तमान कृषि कानून पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करना आवश्यक हो गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह समूह चर्चा का आयोजन करना न केवल महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह पठन-पाठन की तकनीक का एक रूप है, जिससे छात्र-छात्राएं बड़ी आसानी से विषय पर अपनी पकड़ मजबूत कर सकते है। समूह चर्चा के विषय पर संबंध करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर. कोचे ने बताया कि भारत सरकार ने तीन नये कृषि कानून को पारित करा है जिसमें कृषि उत्पादन, व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन, सुविधा विधेयक) के साथ मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर कृषक सशक्तिकरण एवं संरक्षण अनुबंध विधेयक के अतिरिक्त आवश्यक वस्तु अधिनियम संशोधन बिल है। इन तीनो कानूनों के विधेयक के अंतर्गत किसानों को अपनी उपज विक्रय करने की आजादी होगी। देशभर में कहीं भी किसान अपनी उपज ऑनलाइन मोड पर भी विक्रय कर सकते है इसी प्रकार दूसरे बिल में कान्ट्रेक्ट फार्मिंग अथवा अनुबंध खेती की खराब होने की दशा में क्षतिपूर्ति कंपनियों को देने का प्रावधान है। जबकि तीसरे कानून आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत अब खाद्य तेल, तिलहन, दाल प्याज और आलू जैसे उत्पादों से स्टाक लिमिट हटाई जाएगी। इस महत्वपूर्ण विषय पर सभी विद्यार्थियों ने चर्चा में भाग लेकर अपनी राय रखी तथा कानून के विवादित बिन्दु से अपेक्षित किसानों पर चिंता जताई गई। इस बिल से किसानों की आशंका है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी नहीं है तथा राज्य सरकारों की चिंता है कि मंडियों का अस्तित्व नहीं होने से मंडी शुल्क से प्राप्त राजस्व में कमी होगी। इसी प्रकार कान्ट्रेक्ट फार्मिंग के अंतर्गत किसान और कंपनी के मध्य विवाद की स्थिति में विवाद का निपटारा केवल एसडीएम की अदालत में ही होगा। इसे उच्च न्यायालय में अपील का प्रावधान नहीं है। इस बिल के तीसरे कानून में विवादित बिन्दु यह है कि अब आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत खाद्य तेल, तिलहन, दाल, प्याज और आलू जैसे कृषि उत्पादों पर से स्टाक लिमिट हटाई जायेगी। जबकि प्रोसेसर या वैल्यू चैन के लिए इसी कोई स्टाक लिमिट नहीं होगी। कानून में इस प्रकार की व्यवस्था से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ेगी। उक्त समूह चर्चा में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विषय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

अर्थशास्त्र विभाग में हुई बजट समीक्षा

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विगत दिवस अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए केन्द्रीय बजट पर समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बजट समीक्षा के अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर. कोचे ने बताया कि केन्द्रीय सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 45 लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रावधान किया

है, जो विभिन्न स्त्रोतों आयकर, निगम कर, उत्पाद शुल्क, सार्वजनिक ऋण तथा जीएसटी के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा। विभागाध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम के आरंभ में बजट के इतिहास पर बताया गया कि बजट का आंकलन तथा विवरण सैकड़ों वर्षों से विभिन्न शासन काल से किया जा रहा है।

वर्तमान काल में बजट के स्वरूप में काफी परिवर्तन हुए हैं। प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के प्रथम कार्य दिवस को केन्द्रीय बजट का प्रस्तुतिकरण वित्त मंत्री द्वारा किया जाता है। बजट किसी शासन के आय-व्यय का ही विवरण नहीं होता बल्कि इस बजट में शासन की विभिन्न नीतियों तथा योजनाओं का भी प्रस्तुतिकरण होता है। सरकार बजट के माध्यम से अपने दिशा एवं कार्यों को दर्शाती हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में करदाताओं को किसी प्रकार की आयकर में रियायत नहीं देने की बात कही गई है।

विगत दो वर्षों से कोविड 19 के कारण अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावी होने के पश्चात विकास दर को ऊंचे स्तर पर ले जाना शासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। साथ ही जीसटी से पर्याप्त मात्रा में राजस्व का संग्रहण न होना भी बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। इसके अतिरिक्त महंगाई तथा बेरोजगारी का निरंतर बढ़ना भी वर्तमान सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट समीक्षा कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। छात्रों को बजट के विभिन्न पहलुओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी प्रदान करने की कोशिश की गई। अंत में सहभागी सहायक प्राध्यापक सुश्री मनीषा भेड़िया ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

दरफसा फिरदौस बनी अध्यक्ष

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर के निर्देशन में अंग्रेजी विभाग में विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया। अंग्रेजी विभाग के सुनील कुमार ने परिषद के पदाधिकारियों की घोषणा की।

अंग्रेजी परिषद में अध्यक्ष दरफसा फिरदौस, उपाध्यक्ष पूनम सिन्हा, सचिव जागृति खोब्रागढे, सह सचिव सच्ची रानी साहू, कोषाध्यक्ष योगेश कुमार बोरकर एवं कार्यकारिणी सदस्य प्रतिमा गायकवाड, चंद्रशेखर सेन, यश थॉमस, योगेश रागिनी एवं अविनाश पोद्दार हैं। अंत में आभार प्रदर्शन शिवेंद्र साहू ने किया।

छात्रों ने उपन्यास का प्रोजेक्टर के माध्यम फिल्म का अवलोकन किया

डोंगरगढ़ @ प्रत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 29 मार्च को प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जांबुलकर के निर्देशन एवं अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक गुलशन सिन्हा के मागदर्शन में एम.ए. अंग्रेजी साहित्य के छात्र-छात्राओं के पाठ्यक्रम पर आधारित आनेस्ट हेमिंगवे द्वारा रचित 'द ओल्ड मैन एंड द सी' उपन्यास का प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म का अवलोकन कराया गया। फिल्म के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने कथा साहित्य (उपन्यास) के संबंध में बोध प्राप्त किया और उपन्यास के पात्रो के चरित्र चित्रण एवं प्रसंग को गंभीरता से लेते हुए इसे आत्मसात किया, जिसमें 40 विद्यार्थी लाभावित हुए। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के अतिथि शिक्षक सुनील कुमार, सुश्री पदमा खुटे उपस्थित रहे।

भूगोल विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला

नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नताकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा कम्प्रेहेन्सिव कैरियर गाईडेंस डेव्हलपमेंट प्रोग्राम विषय पर 1 एवं 2 जुलाई को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस ऑनलाइन कार्यशाला के संयोजक डॉ विक्रम लाल तिवारी तथा सहसंयोजक डॉ. नौशिन अंजुम रहीं. इस वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत कुलपति श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर मध्यप्रदेश रहे. कार्यक्रम का उद्घोष एवं अतिथि स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. केएल टाण्डेकर द्वारा किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत थे.अध्यक्षता डॉ. प्रशांत चौहान आईआरएस डिप्टी कमीशनर डीजीजीआई (डायरेक्ट जनरल आफ जीएसटी इंटेलिजेंस) भुवनेश्वर उड़ीसा ने की. प्रथम दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में अजय कुमार मिश्रा वर्तमान में सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय लवन जिला बलौदाबाजार एवं दूसरे वक्ता के रूप में डॉ. पीएन सनेसर सहायक प्राध्यापक शासकीय स्वायत्तशासीय महाविद्यालय छिन्दवाड़ा मध्यप्रदेश शामिल रहे.

दूसरे दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. गौरगोपाल बनिक सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग गुहाटी विश्वविद्यालय असम एवं दूसरे वक्ता के रूप में रूप में डॉ. बीएन बाघमारे सहायक प्राध्यापक राजीव गांधी समकालीन अध्ययन केन्द्र मुंबई थे. कार्यक्रम के अंत में डॉ. नौशिन अंजुम विभागाध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती डॉ. आशा चौधरी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर डॉ. आरआर कोचे बीआर सिवारे सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया.

डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा- पर्यावरण पर निर्भर करता है सभी जीवों का अस्तित्व

आर्थिक, भौतिक व सामाजिक जीवन की दिशा में प्रगति के कदम उठाए

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में भूगोल विभाग के अंतर्गत मानव पर्यावरण संबंध विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि शासकीय दिग्विजय कॉलेज के भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि सृष्टि के जीवों में मानव एक मात्र प्राणी है, जिसे यह योग्यता प्राप्त है कि वह आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी क्रिया से पर्यावरण के भौतिक परिवेश में परिवर्तन करके सांस्कृतिक परिवेश की रचना करता रहा है।

डोंगरगढ़. मानव पर्यावरण संबंध विशय पर व्याख्यान का हुआ आयोजन।

मानव इतिहास के प्रारंभ से ही अपने चारों ओर के पर्यावरण में रुचि रखता आया है। आदिम समाज में प्रत्येक व्यक्ति को अपने अस्तित्व के लिए अपने पर्यावरण का समुचित ज्ञान आवश्यक होता था। मनुष्य में अग्नि व अन्य यंत्रों का प्रयोग पर्यावरण को परिवर्तित करने के लिए सीखा। जांच और भूल विधि से मानव अपने पर्यावरणीय ज्ञान में वृद्धि करता रहा है। धीरे-धीरे पर्यावरण में संबंधित ज्ञान का भंडार इतना विस्तृत एवं वृहद् हो गया कि इसे विज्ञान का रूप दिया जा सकने की स्थिति आ गई और पर्यावरण अध्ययन के व्यवस्थित रूप "पर्यावरण विज्ञान" का जन्म हुआ। विगत 100 वर्षों में मानव ने आर्थिक, भौतिक व सामाजिक जीवन की प्रत्येक दिशा में प्रगति के लंबे-लंबे कदम उठाए हैं। उसका इन क्षेत्रों में प्रगति का मात्र एक उद्देश्य था इससे उसका स्वयं का हित हो। उसने इस प्रगति के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया।

जीवों ने चारों ओर की वस्तुएं जो उनकी जीवन क्रियाओं को प्रभावित करती है, वातावरण का निर्माण करती है। यथार्थ में जीव और पर्यावरण अन्योन्याश्रित है। एक की दूसरे से पृथक सत्ता की कल्पना करना असंभव है। सभी जीवों का अस्तित्व चारों ओर के पर्यावरण पर निर्भर करता है।

भूगोल विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला

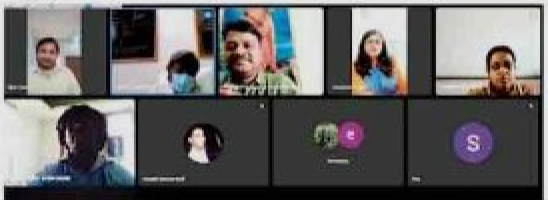

● नवभारत प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नताकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा कम्प्रेहेन्सिव कैरियर गाईडेंस डेव्हलपमेंट प्रोग्राम विषय पर 1 एवं 2 जुलाई को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस ऑनलाइन कार्यशाला के संयोजक डॉ वियज लाल तिवारी तथा सहसंयोजक डॉ. नौशिन अंजुम रहीं. इस वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत कुलपति श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर मध्यप्रदेश रहे. कार्यक्रम का उद्घोष एवं अतिथि स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. केएल टाण्डेकर द्वारा किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत थे. अध्यक्षता डॉ. प्रशांत चौहान आईआरएस डिप्टी कमीशनर डीजीजीआई (डायरेक्ट जनरल आफ जीएसटी इंटेलिजेंस) भुवनेश्वर उड़ीसा ने की. प्रथम दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में अजय कुमार मिश्रा वर्तमान में सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय लवन जिला बलौदाबाजार एवं दूसरे वक्ता के रूप में डॉ. पीएन सनेसर सहायक प्राध्यापक शासकीय स्वायत्तशासीय महाविद्यालय छिन्दवाड़ा मध्यप्रदेश शामिल रहे.

दूसरे दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. गौरगोपाल बनिक सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग गुहाटी विश्वविद्यालय असम एवं दूसरे वक्ता के रूप में रूप में डॉ. बीएन बाघमारे सहायक प्राध्यापक राजीव गांधी समकालीन अध्ययन केन्द्र मुंबई थे. कार्यक्रम के अंत में डॉ. नौशिन अंजुम विभागाध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती डॉ. आशा चौधरी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर डॉ. आरआर कोचे बीआर सिवारे सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया.

शोध कार्यों में आंकड़ों की सत्यता जरूरी : शकुंतला

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में शामिल अतिथि एवं विद्यार्थी। ● सौ. कालेज

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निर्देशन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वीरांगना अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डा. शकुंतला त्रिपाठी थीं।

त्रिपाठी ने एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को सामाजिक शोध प्रविधि का महत्व बताया साथ ही शोध कार्य में कैसे रुचि उत्पन्न हो, शोध कैसे प्रारंभ करें इस पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों आंकड़ों की सत्यता और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने त्रिपाठी को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक डा. प्रदीप जाम्बुलकर, प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले, भूगोल विभागाध्यक्ष डा. नौशीन अंजुम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

मनीष बने भूगोल परिषद के अध्यक्ष

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में भूगोल विभाग की अतिथि शिक्षक पूनम नरेडी एवं प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले के मार्गदर्शन में भूगोल परिषद गठन किया गया। अध्यक्ष मनीष कुमार, उपाध्यक्ष ज्योति साहू, सचिव रोमन, सहसचिव अंकिता वैष्णव, कोषाध्यक्ष भुनेश्वर वर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य कमलेश कुमार वर्मा, नैनकुंवर, कमलेश कुमार कोर्राम, रेशमी है।

भूगोल परिषद का गठन, मनीष अध्यक्ष और ज्योति बनीं उपाध्यक्ष

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन में भूगोल विभाग में परिषद का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष एमए भूगोल तृतीय सेमेस्टर के छात्र मनीष कुमार, उपाध्यक्ष ज्योति साहू, एमए द्वितीय सेमेस्टर, सचिव तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रोमन, सह-सचिव अंकिता वैष्णव प्रथम सेमेस्टर, कोषाध्यक्ष तृतीय सेमेस्टर से भुनेश्वर वर्मा व कार्यकारिणी सदस्य के लिए तृतीय सेमेस्टर से कमलेश कुमार वर्मा, नैनकुंवर, प्रथम सेमेस्टर से कमलेश कुमार कोर्राम व रेशमी का चयन किया गया। सभी चयनित पदाधिकारी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डॉ. टांडेकर व अतिथि शिक्षक पूनम नरेडी व बीआर कोसले ने विभागीय गतिविधियों के साथ शैक्षणिक व अकादमिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया।

प्राचार्य ने भूगोल विषय का महत्व बताते हुए कहा कि इस विषय के छात्र-छात्राओं में नेतृत्व की अच्छी क्षमता होती है।

शोध कार्यों में आंकड़ों की सत्यता जरूरी : शकुंतला

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में शामिल अतिथि एवं विद्यार्थी। ● सौ. कालेज

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निर्देशन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वीरांगना अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डा.शकुंतला त्रिपाठी थीं।

त्रिपाठी ने एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को सामाजिक शोध प्रविधि का महत्व बताया साथ ही शोध कार्य में कैसे रुचि उत्पन्न हो, शोध कैसे प्रारंभ करें इस पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शोध कार्यो आंकड़ों की सत्यता और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने त्रिपाठी को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक डा.प्रदीप जाम्बुलकर, प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले, भूगोल विभागाध्यक्ष डा.नौशीन अंजुम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

भूगोल परिषद में कु. अंकिता वैष्णव अध्यक्ष एवं मेघनाथ जंघेल उपाध्यक्ष चुने गये

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में 29 नवंबर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग से डॉ नौशीन अंजुम एवं डॉ. विजय लाल तिवारी के मार्गदर्शन में भूगोल परिषद का गठन किया गया. जिसमें परिषद के पदाधिकारियों में भूगोल परिषद के अध्यक्ष कु. अंकिता वैष्णव, उपाध्यक्ष मेघनाथ जंघेल सचिव कमलेश कुमार सचिव यशोदा यादव कोषाध्यक्ष तमन्ना एवं पूजा कार्यकारिणी सदस्य पायल ज्योति दुबे, पुष्पा मिलिंद, नेहा, ढाल सिंह, उमाकांत एवं मंच संचालन हेतु लालेंद्र कुमार प्रियंका पांडे को चुना गया.

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर द्वारा पदाधिकारियों को बधाई दी गई. कार्यक्रम में उपस्थित आईक्यूएसी प्रभारी डॉ ई.व्ही. रेवती,इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती आशा चौधरी , भूगोल विभाग से डॉ.नौशीन अंजुम सहित सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी एवं भूगोल विभाग की गतिविधियों, पर्यावरण संसाधन संरक्षण हेतु कार्यक्रम में सक्रीयता हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया. भूगोल परिषद की अध्यक्ष कु. अंकिता वैष्णव एवं मेघनाथ जंघेल ने प्राचार्य एवं अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग से डॉ. नौशीन अंजुम एवं आभार प्रदर्शन डॉ विजय लाल तिवारी द्वारा किया गया.

भूगोल परिषद का गठन

कु. अंकिता वैष्णव अध्यक्ष एवं मेघनाथ जंघेल उपाध्यक्ष चुने गये

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग में 29 नवंबर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग से डॉ नौशीन अंजुम एवं डॉ. विजय लाल तिवारी के मार्गदर्शन में भूगोल परिषद का गठन किया गया, जिसमें परिषद के पदाधिकारियों में भूगोल परिषद के अध्यक्ष कु. अंकिता वैष्णव, उपाध्यक्ष मेघनाथ जंघेल सचिव कमलेश कुमार सचिव यशोदा यादव कोषाध्यक्ष तमन्ना एवं पूजा कार्यकारिणी सदस्य पायल ज्योति दुबे, पुष्पा मिलिंद, नेहा, ढाल सिंह, उमाकांत एवं मंच संचालन हेतु लालेंद्र कुमार प्रियंका पांडे को चुना गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर द्वारा पदाधिकारियों को बधाई दी गई एवं परिषद के महत्व एवं विभागीय गतिविधियों का अच्छे से निर्वहन करने की बात कही। उन्होंने छात्र-छात्राओं को भूगोल विषय के महत्त्व से अवगत कराते हुए भविष्य में प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता हेतु किस प्रकार तैयारी करें इस संबंध में भूगोल विषय कि कई महत्वपूर्ण जानकारियां छात्र-छात्राओं को प्रदान की । कार्यक्रम में उपस्थित आईक्यूएसी प्रभारी डॉ ई.व्ही. रेवती ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए संसाधन संरक्षण पर जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम में उपस्थित इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती आशा चैधरी द्वारा अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को शुभकामना एवं कर्तव्य निष्ठा से संबंधित बात कही । भूगोल विभाग से डॉ.नौशीन अंजुम ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी एवं भूगोल विभाग की गतिविधियों, पर्यावरण संसाधन संरक्षण हेतु कार्यक्रम में सक्रीयता हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। भूगोल परिषद की अध्यक्ष कु. अंकिता वैष्णव एवं मेघनाथ जंघेल ने प्राचार्य एवं अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग से डॉ. नौशीन अंजुम-एवं आभार प्रदर्शन डॉ विजय लाल तिवारी द्वारा किया गया।

भूगोल परिषद का गठन कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के बारे में बताया

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने पदाधिकारियों को परिषद से जुड़ी जानकारी दी

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

डोंगरगढ़. भूगोल परिषद का गठन कर दी गई प्रतियोगी परीक्षा की जानकारी।

शासकीय नेहरू कॉलेज में भूगोल विभाग में परिषद का गठन किया गया। इसमें परिषद के पदाधिकारियों में भूगोल परिषद का अध्यक्ष अंकिता वैष्णव, उपाध्यक्ष मेघनाथ जंघेल, सचिव कमलेश कुमार, सचिव यशोदा यादव, कोषाध्यक्ष तमन्ना व पूजा, कार्यकारिणी सदस्य पायल, ज्योति दुबे, पुष्पा, मिलिंद, नेहा, ढाल सिंह, उमाकांत व मंच संचालन के लिए लालेंद्र कुमार, प्रियंका पांडे को चुना गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने पदाधिकारियों को परिषद के महत्व व विभागीय गतिविधियों का अच्छे से निर्वहन करने की बात कही। छात्र-छात्राओं को भूगोल विषय के महत्व से अवगत कराते हुए भविष्य में प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए किस प्रकार तैयारी करें इस संबंध में भूगोल विषय कि कई महत्वपूर्ण जानकारियां छात्र-छात्राओं को प्रदान की। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईवी रेवती ने छात्रों को संसाधन संरक्षण पर जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी ने छात्र-छात्राओं को कर्तव्य निष्ठा से संबंधित बात कही। भूगोल विभाग से डॉ. नौशीन अंजुम, भूगोल परिषद की अध्यक्ष अंकिता वैष्णव, मेघनाथ जंघेल उपस्थित रहे।

मिट्टी प्रदूषण रोकने का आव्हान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में भूगोल विभाग ने विश्व मृदा दिवस मनाया। भूगोल की प्राध्यापिका डॉ नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण के रोकथाम से अवगत कराया गया। स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्राध्यापिका डॉ अंजुम ने प्रस्तुत किया। छात्र छात्राओं ने मृदा संरक्षण स्लोगन, मृदा संरक्षण वार्ता में भाग लिया। मुख्य अतिथि आइक्यूएसी प्रभारी डॉ ईव्ही रेवती एवं विशिष्ट अतिथि डॉ आशा चौधरी, डॉ नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं तूलिका चक्रवर्ती थी। कार्यक्रम में आंचल रामटेके, कमलेश कुमार, प्रीति साहू, लालेन्द्र कुमार, डोमेश्वर सिन्हा ने उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्ष अंकिता वैष्णव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा मनाया गया विश्व मृदा दिवस

मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु किय गया जागरूक

नेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा मनाया गया विश्व मृदा दिवस

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में भूगोल विभाग द्वारा 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु जागरूक करना तथा मृदा में लवणीकरण की रोकथाम के लिए संदेश देना था जिसके अंतर्गत स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशिन अंजुम द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं छात्रे छात्राओं द्वारा मृदा संरक्षण स्लोगन, मृदा संरक्षण वार्ता मे भाग लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आशा चौधरी, डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं तूलिका चक्रवर्ती उपस्थित थीं। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारंभ हुआ।

हरिभूमि
रायपुर - संस्कारधानी भूमि
Date 8 Apr 2022

भूगोल विभाग में भूतपूर्व छात्रों की बैठक आयोजित

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीते दिनो प्राचार्य प्रदीप

जाम्बुलकर के नेतृत्व में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक हेमुराम पड्डे एवं डॉ नौशीन अंजुम द्वारा एलुमिनि सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अथिति के रूप में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ ईव्ही रेवती उपस्थित रहीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नेक पियर टीम के आगमन के विषय में चर्चा एवं महाविद्यालय की नवीन गतिविधियों और उपलब्धियों के सम्बन्ध में जानकारी देना था। साथ ही सुझाव भी लिए गए की कैसे भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभागीय विकास एवं योजना बनाई जा सकती है। भूतपूर्व छात्र मुकेश कुमार, दुर्गेश वस्त्रकार, दिव्या गोली, वहीदा नाहिद, कमलेश पटेल, हिमांशु महोबिया, अनुसूया साहू ने सुझाव दिए।

भूगोल विभाग में हुई पूर्व विद्यार्थियों की बैठक

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीते दिनों प्राचार्य प्रदीप जाम्बुलकर के नेतृत्व में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक हेमुराम पद्मे एवं डॉ नौशीन अंजुम द्वारा एलुमिनि सदस्यों की बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य अथिति के रूप में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ ई व्ही रेवती उपस्थित रहीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नेक पियर टीम के आगमन के विषय में चर्चा एवं महाविद्यालय की नवीन गतिविधियों और उपलब्धियों के सम्बन्ध में जानकारी देना था। साथ ही सुझाव भी लिए गए कि कैसे भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभागीय विकास एवं योजना बनाई जा सकती है। भूतपूर्व छात्र मुकेश कुमार, दुर्गेश वस्त्रकार ,दिव्या गोली ,वहीदा नाहिद ,कमलेश कुमार पटेल, हिमांशु महोबिया ,अनुसूया साहू ने सुझाव दिए। अंत में विभाग द्वारा सभी उपस्थित भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेहरू महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष बीआर सिवारे के मागदर्शन में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.

मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की भौतिकशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रितिबाला टांक उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया.

मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाला टांक ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने भौतिकी के विद्यार्थियों को दी गई. भौतिकी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाल टांक को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन लीलाराम देवांगन ने किया.

कार्यक्रम | एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया

व्यवहारिक व प्रतियोगी परीक्षा में बताया गणित का महत्व

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

गणित के ज्ञान की आवश्यकता होती है

भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निदर्शन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय भूगोल विभाग में 10 मार्च को प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नौशिन अंजुम के मार्गदर्शन में भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निदर्शन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वीरांगना अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. शकुनतला त्रिपाठी उपस्थित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य एवं मुख्य वक्ता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. शकुनतला त्रिपाठी ने एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं को वर्तमान विषय में अति महत्वपूर्ण विषय शोध प्रविधि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शोध कार्य की ओर अग्रसर होने से पहले सामाजिक शोध प्रविधि के महत्व पर प्रकाश डाला एवं छात्र छात्राओं को शोध कार्य की कैसे रूचि उत्पन्न हो और शोध कार्य को कैसे प्रारंभ करे, बहुत ही सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि शोध कार्यों हेतु आकड़ो की सत्यता और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है। इसी कड़ी में उन्होंने बताया कि प्राथमिक आंकड़ो की प्राप्ति हेतु आकड़ो को प्राप्त करने के पश्चात से दूर होना चाहिए और निदर्शन तकनीक के महत्व, निदर्शन के प्रकार एवं निदर्शन में आने वाली समस्याओं से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर द्वारा मुख्य वक्ता श्रीमती शकुनतला त्रिपाठी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर, प्रयोगशाला तकनीशियन बी.आर.कौसले सहित एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. नौशिन अंजुम ने किया।

भौतिक शास्त्र की विभिन्न शाखाएं विषय पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष बीआर सिवारे के मागदर्शन में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.

मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की भौतिकशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रितिबाला टांक उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया.

मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाला टांक ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भौतिकी के विद्यार्थियों को दी गई भौतिकी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाल टांक को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन अ.शि. लीलाराम देवांगन ने किया.

शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन

● नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 10 नवम्बर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय गंडई के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया. इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती ने कहा कि वाणिज्य के प्रत्येक विषय अपने आप में रोजगार प्रदान करने वाले है. बीकॉम, एमकॉम, करने के बाद स्वरोजगार से अन्य लोगों को भी रोजगार दिया जा सकता है. मुख्य वक्ता अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इंस्टिट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेड आफ इंडिया एवं इंस्टिट्यूट आफ कास्ट मैनेजमेंट एकाउंटेंसी आफ इंडिया से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कक्षा बारहवी, बीकॉम एवं एमकॉम के बाद इन विषयों को अध्ययन करके विद्यार्थी उच्च स्तर के पदो पर पदस्थ हो सकते है. इस अवसर पर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं में गोपाल, नीलम महोबिया, सोनाली रावटे, चित्रांशी पिल्ले, रश्मि राउत, संदीप यादव, तिलोक चंद्रशेखर यादव, विश्वनाथ नेताम, वर्षा साहू, रानू टेम्भुरकर, घनश्याम वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन पर दिया जोर

व्याख्यान ● मानव पर्यावरण संबंध विषय पर जानकारों ने बच्चों को दी कई महत्वपूर्ण जानकारियां

नांदगांव टाइम्स

राजनांदगांव • शनिवार • 28 अगस्त

सरकार की विनिवेश नीति पर व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में सरकार द्वारा चलायी जा रही विनिवेश नीति पर एक दिसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विनिवेश नीति पर व्याख्यान देने विषय विशेषज्ञ के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डी.पी.कुर्रे उपस्थित थे। व्याख्यान के आरंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में सरकार द्वारा को जा रही विनिवेश नीति सरकारी औद्योगिक प्रतिष्ठानो पर कुठाराघात हैं, इससे नीजिकरण को अधिक से अधिक बढ़ावा देकर आर्थिक शक्तियों का केन्द्रीयकरण होगा। सरकार की विनिवेश नीति पर विस्तृत जानकारी देते हुए विशेषज्ञ डॉ. डी.पी. कुर्रे ने बताया कि वर्तमान समय में सरकार द्वारा ऐसे सरकारी औद्योगिक प्रतिष्ठानो का निजीकरण किया जा रहा है जो लाभ प्रदाय कर रहा है। जबकि विनिवेश नीति में केवल उसे सरकारी उद्योगो का ही शेयर विक्रय करना है, जो निरंतर घाटे में चल रहे हो। विषय विशेष डॉ. कुर्रे ने आगे विनिवेश पर जानकारी देते हुए कहा कि विनिवेश से आशय किसी भी क्षेत्र में पूंजी का विनियोग करना है जबकि विनिवेश से आशय होता है कि सरकारी उपक्रमो से पंजी को बाहर कर नीजि उपक्रमो को विक्रय करना होता है। यद्यपि सरकारी विनियोग नीति से लाभदायता में कुछ सुधार हो सकता है किन्तु आम जनता को अधिक कठिनाईयों का सामना करना पड सकता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर.कोचे ने कहा कि सरकारी उपक्रमो का विनिवेश सीमित दायरे में होना चाहिए तथा निरंतर घाटे में चलने वाले उपक्रमो के उपचार के उपाय किये जाना अधिक न्याय संगत होगा। व्याख्यान कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे ने विषय विशेषज्ञ का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीए एवं एम.ए. अर्थशास्त्र के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आप भी जानें • नेहरू कॉलेज में वाणिज्य व अर्थशास्त्र विभाग ने मार्केटिंग विषय पर व्याख्यान का किया आयोजन

प्रतिस्पर्धा के युग में उपभोक्ता ही भगवान हैः डॉ. जैन

उत्पाद को खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं विज्ञापन

एसडीएम अविनाश भोई ने सीजी पीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने दिया मार्गदर्शन

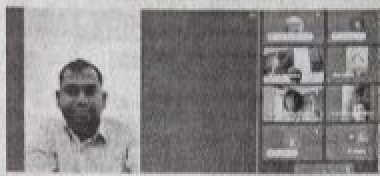

नेहरू कालेज के रोजगार मार्गदर्शन समिति द्वारा आयोजित किया अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा-निर्देशन एवं कैरियर गाईडेंस एवं रोजगार सेल के मार्गदर्शन में छ.ग. लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने की रणनीति विषय पर 21 जुलाई को महाविद्यालय में प्राचार्य के दिशा निर्देश में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। वर्तमान वैश्विक महामारी एवं लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए छात्र-छात्राएं कैसे सिविल सेवा की तैयारी करें, और कैसे स्टडी मटेरियल प्राप्त करें, उनके उत्साहवर्धन एवं दिशा निर्देश के लिए एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता/विषय विशेषज्ञ के रूप में डोंगरगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अविनाश भोई उपस्थित थे। उन्होंने सहजता से छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन दिया, उन्होंने बताया कि रोजगार समाचार देखें तथा नेट एवं प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ें, अपने आसपास के सहपाठी से जुड़े, ग्रुप बनाएं। साथ ही साथ अपनी बातों को साझा करें, साथ पढ़ने के लिए रणनीति बनाएं पीएससी का पाठ्यक्रम देखें। उसी के आधार पर तैयारी करें किताबों को पढ़ें एवं पत्रिकाओं का सहारा ले। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पीएससी, व्यापम, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के गुर बताये एवं हर समस्या आने पर हर संभव मार्गदर्शन प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर पूछे गये सवालों एवं परीक्षाओं की तैयारी में आने वाली परेशानियों का विद्यार्थियों को सहज तरीके से उत्तर दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने एसडीएम अविनाश भोई का महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए अपने व्यस्ततम कार्य से समय निकालकर विद्यार्थियों को इतनी अच्छी जानकारी प्रदान करने एवं जागरूक करने के लिए महाविद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेबीनार में अलग से जुड़े हुए प्राध्यापक डॉ. गौर गोपाल बनिक ने भी अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने बताया, जिस प्रकार हंस दूध और पानी को अलग कर देता है, इसी तरह छात्र समाज में अच्छी बातों को ग्रहण करें। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन अर्थात कर्म करते रहें फल की चिंता न करें। दृढ़ संकल्प कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। कार्यक्रम के अंत में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान के संयोजक बी.आर. शिवारे मुख्य वक्ता एवं समस्त प्राध्यापक एवं विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय तथा विभिन्न प्रदेशों से जुड़े छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। आयोजक समिति के सदस्य डॉ. आर.आर. कोचे, डॉ.विजय लाल तिवारी, श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती, श्रीमती उमा महोबिया, सुश्री वर्षा मेश्राम, सुनील कुमार, वासुदेव साहू सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं अन्य प्रदेशों से भी प्राध्यापकगण जुड़े रहे।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं

डोंगरगढ़ कालेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

डोंगरगढ़(दावा)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 10 नवम्बर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में वाणिज्य विभाग द्वारा वाणिज्य के स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा में रोजगार की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय गंडई के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेट कर किया गया.

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती ने कहा कि वाणिज्य के प्रत्येक विषय अपने आप में रोजगार प्रदान करने वाले है। बी.कॉम., एम.कॉम. करने के बाद स्वरोजगार से अन्य लोगो को भी रोजगार दिया जा सकता है. मुख्य वक्ता अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इंस्टिट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेड आफ इंडिया एवं इंस्टिट्यूट आफ कास्ट मैनेजमेंट एकाउंटेंसी आफ इंडिया से संबधित विषयो पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होने बताया कि कक्षा बारहवी, बी.कॉम. एवं एम.कॉम के बाद इन विषयों को अध्ययन करके विद्यार्थी उच्च स्तर के पदो पर पदस्थ हो सकते है। आज के आधुनिक युग में प्रतिस्पर्धाएं बढ़ रही है। इसलिए बारहवी के बाद ही लक्ष्य निर्धारित कर लें एवं उसकी के अनुसार अपनी तैयारी प्रारंभ करें. इस अवसर पर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं में गोपाल, नीलम महोबिया, सोनाली रावटे, चित्रांशी पिल्ले, रश्मि राउत, संदीप यादव, तिलोक चंद्रशेखर यादव, विश्वनाथ नेताम, वर्षा साहू, रानू टेम्भुरकर, घनश्याम वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

दैनिक दावा | **जिले की खबरें**

नेहरू कालेज में भारतीय इतिहास जानने के साधन विषय पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग के अंतर्गत भारतीय इतिहास जानने के स्रोत विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक टी.ठाकुर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता टी. ठाकुर एवं प्राचार्य ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. टी. ठाकुर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को इतिहास को जानने के स्रोत पर जानकारी देते हुए कहा कि यूं तो भारत के प्राचीन साहित्य तथा दर्शन के संबंध में जानकारी के अनेक साधन उपलब्ध है, परन्तु भारत के प्राचीन इतिहास की जानकारी के स्रोत पर्याप्त नहीं है। उनकी न्यूनता के कारण अति प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं शासन का क्रमबद्ध इतिहास नहीं मिलता है। फिर भी ऐसे साधन उपलब्ध हैं जिनके अध्ययन एवं सर्वेक्षण से हमें भारत की प्राचीनता की कहानी की जानकारी होती है। इन साधनों के अध्ययन के बिना अतीत और वर्तमान भारत के निकट के संबंध की जानकारी करना भी असंभव है। प्राचीन भारत के इतिहास की जानकारी के साधनों को दो भागों में बांटा जा सकता है- साहित्यिक साधन और पुरातात्विक साधन, जो देशी और विदेशी दोनों हैं। साहित्यिक साधन दो प्रकार के हैं- धार्मिक साहित्य और लौकिक साहित्य। धार्मिक साहित्य भी दो प्रकार के हैं- ब्राह्मण ग्रन्थ और अब्राह्मण ग्रन्थ। ब्राह्मण ग्रन्थ दो प्रकार के हैं - श्रुति जिसमें वेद, ब्राह्मण, उपनिषद इत्यादि आते हैं और स्मृति जिसके अन्तर्गत रामायण, महाभारत, पुराण, स्मृतियाँ आदि आती हैं। लौकिक साहित्य भी चार प्रकार के हैं- ऐतिहासिक साहित्य, विदेशी विवरण, जीवनी और कल्पना प्रधान तथा गल्प साहित्य। पुरातात्विक सामग्रियों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है- अभिलेख, मुद्राएं तथा भग्नावशेष स्मारक। ब्राह्मण ग्रन्थ प्राचीन भारतीय इतिहास का ज्ञान प्रदान करने में अत्यधिक सहयोग देते हैं। भारत का प्राचीनतम साहित्य प्रधानतः धर्म-संबंधी ही है। ऐसे अनेक ब्राह्मण ग्रन्थ हैं जिनके द्वारा प्राचीन भारत की सभ्यता तथा संस्कृति की कहानी जानी जाती है जिसमें वेद, उपनिषद, वेदांग, रामायण, महाभारत, पुराण, स्मृतियाँ, अब्राह्मण ग्रन्थ, बौद्ध ग्रन्थ, जैन ग्रन्थ, लौकिक साहित्य, ऐतिहासिक ग्रन्थ, विदेशी विवरण आदि इतिहास जानने के स्रोत हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को डी. ठाकुर द्वारा दी गई जानकारी पर अमल करते हुए इतिहास विषय की महत्ता बताया एवं इस विषय में भविष्य बनाने के लिए होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता टी. ठाकुर को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आशा चौधरी ने किया।

नव उद्यमियों के लिए वर्तमान में शासन की योजनाए विषय पर छात्र-छात्राओं को संयुक्त संचालक श्री भाटिया ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 12 मार्च शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.ई.व्ही. रेवती के मार्गदर्शन एवं अतिथि व्याख्याता श्रीमती ज्योति साहू एवं सुश्री प्रतिभा सिंह के सहयोग से नव उद्यमियों के लिए वर्तमान में शासन की योजनाएं विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में सहायक संचालक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र राजनांदगांव सतविन्दर सिंग भाटिया उपस्थित थे। श्री भाटिया ने विद्यार्थियों को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चल रही महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताया। जिसमें विद्यार्थी अपने कैरियर को व्यवसाय जगत में स्थापित कर सकें केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजना 'प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना सृजन' में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में 35: एवं 25: का अनुदान (सब्सिडी) स्वीकृत है तथा राज्य सरकार की योजना मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत शहरी, ग्रामीण, पिछड़ा एवं अन्य पिछड़े क्षेत्रों में 15: एवं 65: का अनुदान स्वीकृत है। बहुत से युवा जो व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं किंतु आर्थिक तंगी के कारण व्यवसाय प्रारंभ नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं होती। श्री भाटिया ने विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी योजनाओं के बारे में जानकारी दी ताकि वे स्नातकोत्तर के पश्चात् व्यवसाय को अपने भावी कैरियर के रूप में चुन सकें। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नेट, सेट व पी.एस.सी. की परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए वे हमेशा तैयार रहेंगे। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर. कोचे सहित वाणिज्य एवं समस्त स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर द्वारा मुख्य वक्ता श्री सतविंदर सिंह भाटिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं उक्त व्याख्यान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतर्विभागीय व्याख्यान के अंतर्गत छ.ग. राज्य में स्वाधीनता आंदोलन विषय पर छात्र-छात्राओ को दी गई जानकारी

कोई व्यक्ति मोबाइल से किसी तरह की जानकारी मांगे तो न दें

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में वर्तमान में घटित डिजिटल फ्रॉड के साथ ही आकर्षक बचत योजना के संबंध में एक दिवसीय व्याख्यान हुआ। भारतीय स्टेट बैंक के सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसफ व कैशियर एन मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में जानकारी दी।

विषय विशेषज्ञ एन मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में बताया कि अपने बैंक खाता के संबंध में किसी भी तरह की ओटीपी की जानकारी अन्य व्यक्तियों के साथ साझा न करें। मोबाइल फोन से किसी भी तरह की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा मांगी जाने पर न दें। बैंक कभी भी अपने उपभोक्ताओं से इस तरह की जानकारी मोबाइल से नही मांगता। वर्तमान में बैंक द्वारा ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता बढ़ गई है।

विषय विशेषज्ञ ने बताया कि अपने एटीएम से संबंधित जानकारी भी गोपनीय रखा जाना आवश्यक है। एंड्राइड मोबाइल में अनेक तरह के मैसज जैसे बीमा, सेविंग, इन्वेस्टमेंट, आदि सबंधी आते हैं, इन मैसेज को खोलने समय सावधानी बरती जानी चाहिए। व्याख्यान के द्वितीय सत्र में सहायक प्रबंधक जोसेफ ने आकर्षक बचत योजना के संबंध में बताया कि आज की बचत कल की जरूरत होती है।

पृथ्वी सम्मेलन पर व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं भूगोल विभाग की अतिथि शिक्षिका पूनम नरेडी के मार्गदर्शन में स्टाक

होम एवं पृथ्वी सम्मेलन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । वक्ता कमला राठी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव की सहायक प्राध्यापक डॉ निवेदिता लाल थी। डां लाल ने स्टाक होम सम्मेलन एवं पृथ्वी सम्मेलन के संबंध में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टाक होम सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य अंतराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय पर्यावरण के संरक्षण तथा सुधार की विश्वव्यापी समस्या का निदान करना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन बीआर कोसले ने किया।

मार्केटिंग पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के तत्वाचधान में विपणन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ता स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाडा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन थे। कार्यक्रम के आरंभ में वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ ईव्ही रेवती एवं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ आरआर कोचे ने श्री जैन को पुष्पगुच्छ भेंट किया। गया। श्री जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की जानकारी दी। उन्होंने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी दी। अंत में प्राचार्य ने श्री जैन को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रेवती ने किया।

आर्थिक सिद्धांतो का रेखाचित्रिय प्रस्तुतिकरण विषय पर अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.एल.टाण्डेकर एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष

डॉ.आर.आर. कोचे मार्गदर्शन में आर्थिक सिद्धांतो का रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय शासकीय रानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी, महाविद्यालय रामाटोला के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार रंगारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। डॉ. आर.आर. कोचे ने बताया कि महाविद्यालय के नेक मूल्यांकन में अतिथि व्याख्यान एक महत्वपूर्ण अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधि होती है। इसके अतिरिक्त बाहर के शैक्षणिक संस्थानो से विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित कर विषय के महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर विस्तृत चर्चा की जाती है। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज कुमार रंगारी ने आर्थिक सिद्धांतो के रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक सिद्धांत वृहत अध्ययनों और विश्लेषण पर आधारित होते हैं। प्रत्येक शास्त्र का अध्ययन उसकी परिभाषा की प्रक्रिया से प्रारंभ होता है और अर्थशास्त्र इसका अपवाद नहीं है। अर्थशास्त्र के आर्थिक सिद्धांतो को रेखाचित्र के माध्यम से बहुत ही सहजता से स्पष्ट किया जाता है। इस प्रकार आर्थिक सिद्धांतो में रेखाचित्र की महत्ता स्वयं सिद्ध है। अर्थशास्त्र में रोजगार प्रदान करने बहुत सी योजनाएं शासन द्वारा चलायी जा रही है। इसी तारतम्य में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुख योजना है इस योजना से अनुदान एवं आर्थिक सबलता प्राप्त क युवा अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकता है।

नेहरू कॉलेज में अतिथि व्याख्यान

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एंड हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीडा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता दिनेश नामदेव एवं प्राचार्य ने सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है. क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्त्रोत है. हम सभी को फिटनेस का महत्व समझते हुए एक स्वस्थ एवं समृद्ध, वैश्विक समाज के निर्माण के लिए अपनी फिटनेस एवं हेल्थ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के. एल. टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी देते बताया कि आज के यांत्रिक युग में प्रत्येक मनुष्य अपनी शारीरिक पुष्टि बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है. यह मनुष्य कि वह शक्ति तथा कार्य करने की योग्यता है, जिसको वह बिना किसी बाधा के आसानी से थोड़ी सी शक्ति का प्रयोग करके पूरा कर लेता है. कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

अंग्रेजी पर कॉलेज में व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं अंग्रेजी विभाग के अतिथि शिक्षक योगेश कुमार के मागदर्शन में अंग्रेजी पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय चौकी के सहायक प्राध्यापक डॉ. नितेश कुर्रे वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता श्री कुर्रे एवं प्राचार्य ने किया। डॉ. कुर्रे ने छात्र-छात्राओं को पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से अंग्रेजी सीखने के तरीके की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने अंग्रेजी की महत्ता एवं विषय में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अंत में स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान डां. कुर्रे को सम्मानित किया गया। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन योगेश निषाद ने किया।

प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं हिन्दी की अतिथि शिक्षक किरण सिंह ठाकुर के मागदर्शन में हिन्दी विभाग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. बी.नंदा जागृत ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर विस्तृत जानकारी दी.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को दी गई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हिन्दी विषय की तैयारी हेतु दिये गये महत्वपूर्ण टिप्स पर अमल करने की बात कहते हुए हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. बी.एन. जागृत को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती किरण ठाकुर ने किया.

मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य वर्तमान युग के लिए बेहद जरूरी

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. नेहरू कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन में प्राणी शास्त्र में पारिस्थितिक तंत्र की पुर्नस्थापना विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित हुआ। विशेषज्ञ के रूप उपस्थित प्राध्यापक डॉ. एसआर कन्नौजे ने बताया कि पारिस्थितिकी को एनवायरमेंटल बायोलॉजी भी कहा जाता है। इस विषय में व्यक्ति जनसंख्या समुदायों और इको सिस्टम का अध्ययन होता है।

इकोलॉजी अर्थात पारिस्थितिकी शब्द का प्रथम प्रयोग 1866 में जर्मन वैज्ञानिक अर्नेस्ट हीकल ने अपनी पुस्तक जनरल मोरफालॉजी एंड ऑर्गेनिज्म में किया था।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने पूरे दशक 2021 से 2030 तक के लिए घोषित किया है, जिसका प्रमुख उद्देश्य है मानव व प्रकृति के बीच सामंजस्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जैविक आवास का पुनर्निर्माण तथा स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण है। आज संपूर्ण विश्व समझ रहा है कि मानवीय गतिविधियों के कारण हमारी इकोसिस्टम पर बहुत घातक प्रभाव पड़ रहा है। समय रहते यदि पारितंत्र को समृद्ध नहीं किया गया तो परिणाम घातक हो सकते हैं।

प्राकृतिक वातावरण बेहद जटिल है इसलिए शोधकर्ता किसी एक किस्म के प्राणियों की नस्ल या पौधों पर शोध करते हैं और कुछ भाग अनुपयोगी छोड़ देते हैं, जिससे दिनों दिन जैव विविधता पर घातक प्रभाव पड़ता जा रहा है। कई जीव विलुप्त हो चुके हैं और कई जीव लुप्त होने की कगार पर हैं।

जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, वातावरणीय बदलाव तथा जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिकी असंतुलन का दायरा बढ़ा है। ऐसे में सभी का दायित्व है कि अपने इकोसिस्टम को समृद्ध करे ताकि पुन: समृद्ध और सशक्त इकोसिस्टम की स्थापना हो सके।

शोध कार्यों में आंकड़ों की सत्यता जरूरी : शकुंतला

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में शामिल अतिथि एवं विद्यार्थी। ● सौ. कालेज

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निर्देशन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वीरांगना अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डा.शकुंतला त्रिपाठी थीं।

त्रिपाठी ने एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को सामाजिक शोध प्रविधि का महत्व बताया साथ ही शोध कार्य में कैसे रुचि उत्पन्न हो, शोध कैसे प्रारंभ करें इस पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों आंकड़ों की सत्यता और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने त्रिपाठी को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक डा.प्रदीप जाम्बुलकर, प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले, भूगोल विभागाध्यक्ष डा.नौशीन अंजुम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

आंकडा संधारण दस्तावेज, अभिलेख व नस्ती संधारण शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ पर कार्यशाला का आयोजन

विषय विशेषज्ञ के रुप में सहा. लोक अभियंता परीक्षक कोरनेलियुस कुजूर उपस्थित रहे.

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरु स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में गत दिनों एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का विषय आंकडा संधारण दस्तावेज, अभिलेख व नस्ती संधारण शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ के लिए आयोजन किया गया. विषय विशेषज्ञ के रुप में सहा. लोक अभियंता परीक्षक कोरनेलियुस कुजूर उपस्थित रहे. और इससे संबंधित समस्त जानकारी दी गई जिससे महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त की.

इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती, डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डॉ. आशा चैधरी, डॉ. मुन्ना लाल नंदेश्वर, डॉ. आर.आर. कोचे, बी.आर. सिवारे, ग्रंथपाल नितेश तिरपुडे सहित महाविद्यालय के कर्मचारी संजय तिवारी, के.जी. सोनकर, बी.आर. कोसले, बी.एस. मंडावी, सोहद्रा उइके, नवनीत बोरकर, नितिन शांडिल्य, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागडे आदि उपस्थित रहे.

अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना-लिखना बोलना और सुनना जरूरी : डा. कुर्रे

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंग्रेजी सीखने के विषय में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.नितेश कुर्रे थे। व्याख्यान प्राचार्य डा.केएल टांडेकर व योगेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्यवक्ता डा.नितेश कुर्रे ने कहा कि अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना जरुरी है। छात्र-छात्राओं को पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से अंग्रेजी सीखने के तरीके के साथ.-साथ अंग्रेजी विषय में रूचि कैसे पैदा करें, अंग्रेजी बोलने के आसान तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आत्मविश्वास बनाए रखें, अपने आप को अंग्रेजी बोलने वाले वातावरण में रखें, प्रतिदिन अभ्यास करें, अध्ययन योजना बनाए, एक दिनचर्या स्थापित करें। सीखे गए नए शब्दों की एक नोटबुक रखें। वाक्यों में उनका उपयोग करें और जब आप बोलते हैं तो उन्हें कम से कम तीन बार कहने का प्रयास करें। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने अंग्रेजी के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी विषय की महत्ता बताते हुए इस विषय में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता नितेश कुर्रे को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डा.मुन्नालाल नंदेश्वर व आभार प्रदर्शन योगेश निषाद ने किया।

व्याख्यान में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। • नईदुनिया

नेहरू महाविद्यालय में हुआ आयोजन

स्टॉक होम और पृथ्वी सम्मेलन पर हुआ व्याख्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग की अतिथि शिक्षिका पूनम नरेडी एवं भूगोल विभाग के प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले के मार्गदर्शन में 17 फरवरी को महाविद्यालय के भूगोल विभाग में स्टाक होम सम्मेलन एवं पृथ्वी सम्मेलन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव की भूगोल विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. निवेदिता लाल उपस्थित थी।

पृथ्वी सम्मेलन विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता ने स्टाक होम सम्मेलन एवं पृथ्वी सम्मेलन पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि स्टाक होम सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय पर्यावरण के संरक्षण तथा सुधार की विश्वव्यापी समस्या का निदान करना था। पर्यावरण के संरक्षण के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का यह पहला प्रयास था। इस सम्मेलन में 119 देशों ने पहली बार एक ही पृथ्वी का सिद्धांत स्वीकार किया। इसी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का जन्म हुआ।

सम्मेलन में मानवीय पर्यावरण का संरक्षण करने तथा उसमें सुधार करने के लिए राज्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को दिशा-निर्देश दिए गए। प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा इसी सम्मेलन में की गई। पर्यावरण में प्रदूषण के कारण पूरी पृथ्वी प्रदूषित हो रही है। वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है यही स्थिति बनी रही तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते है जिनसे पृथ्वी पर प्राणियों और वृक्षों का बचे रहना कठिन होगा।

इस प्रकार से भविष्य में मानव सभ्यता का जीवन ही खतरे में पड़ रहा है। इसको मद्देनजर रखते हुए सन् 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में विश्व के 172 देशों ने पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

इसके पश्चात सन् 2002 में दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन करके संसार के सभी राष्ट्रों को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान आकर्षित करने के लिए जोर दिया था। इस सम्मेलन में एजेंडा 21 को घोषित किया गया। यानि हमारी 21वीं सदी कैसी होगी, इस बारे में कुछ लक्ष्य रखे गए। सतत विकास लक्ष्य की भी इस सम्मेलन में बात की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुक्तलाल नरेडा एवं आभार प्रदर्शन बीआर कोसले ने किया।

नेहरू महाविद्यालय में डिजिटल फ्राड एवं आकर्षक बचत पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे के मार्गदर्शन में वर्तमान में घटित डिजिटल फ्राड के साथ ही आकर्षक बचत योजना के संबंध में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया.इस व्याख्यान में नगर के भारतीय स्टेट बैंक में पदस्थ सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसफ तथा कैशियर एवं एन. मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी. विषय के विशेषज्ञ एन.मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि अपने बैंक खाता के संबंध में किसी भी तरह की ओटीपी की जानकारी अन्य व्यक्तियों के साथ साझा न करें। मोबाइल फोन से किसी भी तरह की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा मांगी जाने पर न दे. बैंक कभी भी अपने उपभोक्ताओं से इस तरह की जानकारी मोबाइल से नहीं मांगता. वर्तमान समय में बैंक द्वारा ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता बढ़ गई है. मोबाइल से प्राप्त अज्ञात लिंक को क्लिक करने से भी बचना चाहिए। विषय विशेषज्ञ ने आगे बताया कि अपने एटीएम से संबंधित जानकारी भी गोपनीय रखा जाना आवश्यक है. एन्ड्राइड मोबाइल में अनेक तरह के मैसज जैसे बीमा, सेविंग, इन्वेस्टमेंट, आदि सबकी आते है, इन मैसेज को खोलने समय सावधानी बरती जानी चाहिए. इस व्याख्यान के द्वितीय सत्र में एस.बी.आई. के सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसेफ ने आकर्षक बचत योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आज की बचत कल की जरूरत होती है. बैंक की लघु बचत योजनाओं से मिलने वाले लाभ के अलावा एसआईपी, म्यूचल फंड के आकर्षक बचतों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी . व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किये गये सवालों का समाधान उपस्थित विषय विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा किया गया. इस व्याख्यान में लगभग 55 विद्यार्थी लाभांवित हुए. कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर. कोचे ने विषय विशेषज्ञों को आभार प्रदर्शन किया.

आयोजन

डिजिटल फ्राड और आकर्षक बचत पर हुआ व्याख्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे के मार्गदर्शन में वर्तमान में चर्चित डिजिटल फ्राड के साथ ही आकर्षक बचत योजना के संबंध में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में नगर के भारतीय स्टेट बैंक में पदस्थ सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसफ तथा कैशियर एवं एन मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। विशेषज्ञ एन मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि अपने बैंक खाता के संबंध में किसी भी तरह की ओटीपी की जानकारी अन्य व्यक्तियों के साथ साझा न करें। मोबाइल फोन से किसी भी तरह की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा मांगी जाने पर न दें। बैंक कभी भी अपने उपभोक्ताओं से इस तरह की जानकारी मोबाइल से नहीं मांगता। वर्तमान समय में बैंक द्वारा ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता बढ़ गई है। मोबाइल से प्राप्त अज्ञात लिंक को क्लिक करने से भी बचना चाहिए।

विषय विशेषज्ञ ने आगे बताया कि अपने एटीएम से संबंधित जानकारी भी गोपनीय रखा जाना आवश्यक है। एन्ड्राइड मोबाइल में अनेक तरह के मैसेज जैसे बीमा, सेविंग, इन्वेस्टमेंट, आदि संबंधी आते हैं, इन मैसेज को खोलने समय सावधानी बरती जानी चाहिए। इस व्याख्यान के द्वितीय सत्र में एसबीआई के सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसेफ ने आकर्षण बचत योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया। व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किए गये सवालों का समाधान उपस्थित विषय विशेषज्ञों वक्ताओं द्वारा किया गया। इस व्याख्यान में लगभग 55 विद्यार्थी शामिल हुए।

कोरोना के चलते अर्थव्यवस्था प्रभावित : प्रतिभा

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा सामूहिक चर्चा का आयोजन किया। जिसका विषय भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना महामारी का प्रभाव था। चर्चा की शुरूआत अतिथि व्याख्याता प्रतिभा सिंह ने किया।

बताया कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था भी काफी प्रभावित हुई है। सर्वाधिक प्रभावित देश ब्रिटेन की अर्थव्यवथा जहां कि सकल घरेल उत्पाद 11.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। इस महामारी में सबसे कम प्रभावित देश भारत एवं चीन है, जहां कि सकल घरेलू उत्पाद में महज 3.7 गिरावट का अनुमान है। इस संकट के समय में व्यक्ति स्वच्छता का महत्व एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, आत्मर्भिर व सीमित साधनों के साथ जीवन यापन का महत्व को जाना। नदिया एवं पर्यावरण शुद्ध हवा साथ ही लोगो की सहायता के लिए सभी लोग से तत्परता से कार्य किए। चर्चा में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे। छात्र-छात्राओं ने बताया कि कैसे इस महामारी में आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। शादी में कम खर्च हुए, पैसे का विनियोग किया गया। रोजगार गारंटी योजना में काम, बचत किए पैसे का महत्व जाना, समितियों ने सेवा कार्य किए। इस दौरान रुचि, रानू, राजेश तिलोक, गंगाप्रसाद, चंद्रशेखर, गंगोत्री, नफीशा, प्रहलाद, नवनीत व अन्य मौजूद रहे।

आयोजन

सफल व्यवसायी बनने के लिए विशेषज्ञ ने दी जानकारी

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एव वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजना किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन उपस्थित थे। कार्यक्र म का शुभारंभ वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन ने एमकॉम बीकॉम एवं एमए अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. जैन ने हमारे जीवन में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी प्रदान करना आवश्यक बताया।

आयोजन नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यान, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के सहायक संचालक ने दी जानकारी

योजनाओं की जानकारी देकर स्वयं के रोजगार के लिए किया प्रेरित

शासन की योजनाओं का उठाएं लाभ

नेहरू कॉलेज में अतिथि व्याख्यान

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एंड हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीडा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता दिनेश नामदेव एवं प्राचार्य ने सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है. क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्रोत है. हम सभी को फिटनेस का महत्व समझते हुए एक स्वस्थ एवं समृद्ध, वैश्विक समाज के निर्माण के लिए अपनी फिटनेस एवं हेल्थ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के. एल. टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी देते बताया कि आज के यांत्रिक युग में प्रत्येक मनुष्य अपनी शारीरिक पुष्टि बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है. यह मनुष्य कि वह शक्ति तथा कार्य करने की योग्यता है, जिसको वह बिना किसी बाधा के आसानी से थोड़ी सी शक्ति का प्रयोग करके पूरा कर लेता है. कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

नेहरू महाविद्यालय में डिजिटल फ्राड एवं आकर्षक बचत पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे के मार्गदर्शन में वर्तमान में घटित डिजिटल फ्राड के साथ ही आकर्षक बचत योजना के संबंध में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया.इस व्याख्यान में नगर के भारतीय स्टेट बैंक में पदस्थ सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसफ तथा केशियर एवं एन. मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी. विषय के विशेषज्ञ एन.मनोज ने डिजिटल फ्राड के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि अपने बैंक खाता के संबंध में किसी भी तरह की ओटीपी की जानकारी अन्य व्यक्तियों के साथ साझा न करें। मोबाइल फोन से किसी भी तरह की जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा मांगी जाने पर न दे. बैंक कभी भी अपने उपभोक्ताओं से इस तरह की जानकारी मोबाइल से नही मांगता. वर्तमान समय में बैंक द्वारा ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता बढ़ गई है. मोबाइल से प्राप्त अज्ञात लिंक को क्लिक करने से भी बचना चाहिए। विषय विशेषज्ञ ने आगे बताया कि अपने एटीएम से संबधित जानकारी भी गोपनीय रखा जाना आवश्यक है. एन्ड्राइड मोबाइल में अनेक तरह के मैसज जैसे बीमा, सेविंग, इन्वेस्टमेंट, आदि संबंधी आते है,

इन मैसेज को खोलने समय सावधानी बरती जानी चाहिए. इस व्याख्यान के द्वितीय सत्र में एस.बी.आई. के सहायक प्रबंधक ज्वेल जोसेफ ने आकर्षण बचत योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आज की बचत कल की जरूरत होती है। बैंक की लघु बचत योजनाओं से मिलने वाले लाभ के अलावा एसआईपी, म्यूचल फंड, के आकर्षण बचतो के संबंध में विस्तार से जानकारी दी . व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किये गये सवालो का समाधान उपस्थित विषय विशेषज्ञों वक्ताओं द्वारा किया गया। इस व्याख्यान में लगभग 55 विद्यार्थी लाभावित हुए. कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर. कोचे ने विषय विशेषज्ञो को आभार प्रदर्शन किया.

कौशल विकास एवं कैरियर गाईडेंस पर पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। नेहरू महाविद्यालय में विगत दिनों प्राचार्य डॉ.के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं रोजगार मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट सेल के संयोजक बी.आर.सिवारे एवं वेबिनार के प्रभारी डॉ.आर.आर.कोचे के साथ शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था डोंगरगढ़ के सहयोग से पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला युवाओं के कौशल विकास एवं कैरियर गाईडेंस विषय पर आयोजित किया गया.इस पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य अतिथि के रूप में कृष्णा इंस्टिट्यूट आफ साइंस एण्ड कामर्स के संचालक डॉ. वाय.आर.कटरे उपस्थित थे.

संस्था के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने विषय विशेषज्ञो के स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज की बड़ी समस्या युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराना है. उक्त पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रो के विषय विशेषज्ञ जिनमें जिला आजीविका महाविद्यालय जशपुर नगर के प्राचार्य अमर धमगाये के अलावा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की प्रशिक्षक श्रीमती प्रतिभा बाण्डेय ने ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में युवाओं के स्वरोजगार एवं कौशल विकास पर पर महत्वपूर्ण जानकारी दी. इसी प्रकार जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र राजनांदगांव के सहायक संचालक सतविंदर सिंह भाटिया द्वारा छग की पांच वर्षीय नई उद्योग नीति की विस्तारपूर्वक जानकारी युवाओं को दी गई. कार्यक्रम के अंतिम दिवस भारतीय जीवन बीमा निगम डोंगरगढ़ के शाखा प्रबंधक एन.गोपाल राव ने बीमा क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रो के अवसर के संबंध में जानकारी दी. कौशल विकास एवं कैरियर गाइडेंस व्याख्यान श्रृंखला के अंत में महाविद्याल के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. ई.व्ही. रेवती ने पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में जुडे हुए सभी विषय विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी विद्यार्थियों , शोधार्थियो का आभार व्यक्त किया. साथ ही आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के वेबिनार आयोजित करने से निश्चित रूपे से विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधित जानकारी से लाभान्वित होंगे। वेबिनार के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल. टाण्डेकर ने आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारियों एवं सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामना देते हुए छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की.

अंग्रेजी सीखने के विषय पर नेहरू कालेज में अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं अंग्रेजी विभाग के अतिथि शिक्षक योगेश कुमार के मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग द्वारा अंग्रेजी सीखने के तरीके विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन 29 जनवरी को किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय लाल चक्रधर शाह (एल.सी.एस.) महाविद्यालय, चौकी के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नितेश कुर्रे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता नितेश कुर्रे एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती जी के

छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. नितेश कुर्रे ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से अंग्रेजी सीखने के तरीके के साथ-साथ अंग्रेजी विषय में रूचि कैसे पैदा करें, अंग्रेजी बोलने के आसान तरीको के साथ-साथ बताया कि गलतियाँ करने से न डरें। आत्मविश्वास रखें। अपने आप को सभी अंग्रेजी बोलने वाले वातावरण में रखें जहां आप निष्क्रिय रूप से सीख सकते हैं। सीखने का सबसे अच्छा तरीका बोलने के माध्यम से है। प्रतिदिन अभ्यास करें। अपने आप को एक अध्ययन योजना बनाएं। तय करें कि आप सप्ताह में कितना समय पढ़ाई और उस पर टिकने में लगा रहे है। एक दिनचर्या स्थापित करें। पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना इन 4 मुख्य कौशल का अभ्यास करें, इन सबको सुधारने के लिए आपको सीखने की जरूरत है। आपके द्वारा सीखे गए नए शब्दों की एक नोटबुक रखें। वाक्यों में उनका उपयोग करें और जब आप बोलते हैं तो उन्हें कम से कम 3 बार कहने का प्रयास करें।

वाणिज्य विषय की महत्ता, कैरियर गाइडेंस हेतु व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शा. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती द्वारा एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को वाणिज्य विषय की महत्ता को बताते हुए कैरियर गाइडेंस एवं नैक मूल्यांकन तैयारी हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता रूप में संस्था के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने छात्र-छात्राओं को एम.कॉम. करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे पीएससी, व्यापम, बैंकिंग, नेट, सेट, व अन्य विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि नियमित छात्र ही महाविद्यालय व विभाग की संपत्ति है। विद्यार्थियों को नित नये अन्वेषण रोजगार के क्षेत्र में करते रहना चाहिए। विद्यार्थियों की उपलब्धियों से ही महाविद्यालय गौरवान्वित होता है। नैक मूल्यांकन हेतु वाणिज्य विभाग को सुसज्जित करने हेतु वाणिज्य विभाग में एक बिजनेस मोटिवेशनल सेंटर बनाने हेतु प्रेरित किया गया तथा डोंगरगढ़ तहसील व राजनांदगांव जिले में कौन-कौन से उद्योग स्थापित है एवं भविष्य में कौन-कौन से व्यापार एवं उद्योग, की संभावना है, इसकी विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रे (बीमा बैंक, शेयर बाजार) की विस्तृत जानकारी इस लैब के द्वारा महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र-छात्राओं को मिले, यह हमारा उद्देश्य है। अध्ययन पश्चात विद्यार्थी नौकरी के भरोसे न रहकर स्वयं आत्मनिर्भर बन सके। साथ ही विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्य करने एवं महाविद्यालय में उपस्थित रहने हेतु प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का कराया भ्रमण

सत्र 2020-21 एम.कॉम. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती के निर्देशन एवं सहायक प्राध्यापक जन. समिति संदीप कुमार श्रीवास के सहयोग से डोंगरगढ़ के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

सत्र 2019-20 में संस्था के साथ महाविद्यालय का एम.ओ.यू हुआ था, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शास.औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षित करने हेतु समझौता हुआ है, जिसका लाभ महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को मिलेगा। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान इलेक्ट्रीशियन, फीटर, प्लम्बर, वायरमैन, मशीनिस्ट इत्यादि कार्य किस प्रकार संपादित किये जाते है, इसकी जानकारी विस्तृत रूप से विद्यार्थियों को दी गई। संस्था के प्रशिक्षक मैडम श्रीमती माधवी राव द्वारा इलेक्ट्रीकल विभाग में विद्यार्थियों को वायरिंग के विभिन्न प्रकारो के बारे में बताया गया। मैडम प्रतिभा बाडे ने फिटर विभाग में वाईडिंग के बारे में जानकारी दी। औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र डोंगरगढ़ के प्राचार्य एम.एल. बंजारे ने आगामी प्रशिक्षण हेतु योजना बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम

भाषा और साहित्य में अंतर विषय पर व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं हिन्दी की अतिथि शिक्षक किरण सिंह ठाकुर के मागदर्शन में हिन्दी विभाग द्वारा 29 जनवरी शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय सुर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया के सहायक प्राध्यापक डॉ. एस कुमार गौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में भाषा और साहित्य में अंतर बताते हुए कहा कि भाषा माध्यम है और साहित्य उस माध्यम से सामने रखी गई बात है। हिंदी, अंग्रेजी आदि भाषाएं हैं और उनमें लिखी गई कहानियां, कविताएं आदि उस भाषा का साहित्य हैं। भाषा वैज्ञानिक हमें शब्द देते हैं, लेकिन साहित्यकार उन शब्दों को चुनकर एक रचना को जन्म देते हैं। भाषा वैज्ञानिक वाक्य संरचना का ज्ञान कराते हैं, लेकिन साहित्यकार वाक्य का अर्थ सुरक्षित रखते हुए रचना में लालित्य पैदा करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. गौर को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन अ.शि. किरण सिंह ठाकुर ने किया।

व्यवस्था का प्रारूप है अपनी संस्कृति : डा. अलका

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजनीतिक संस्कृति विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्यवक्ता अर्जुंदा महाविद्यालय की राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डा. अलका आर देव थी। मुख्य वक्ता डा. अलका आर देव का स्वागत राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्षा नौशी के द्वारा पुष्पगुच्छ से किया गया।

व्याख्यान में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। ● नईदुनिया

मुख्य वक्ता डा. अलका ने राजनीतिक संस्कृति विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि राजनीति संस्कृति विभिन्न विषयों से संबंधित है एवं संस्कृति से ही व्यवस्था बनाई जा सकती है अर्थात संस्कृति ही व्यवस्था का प्रारूप है। अगर हम अपनी संस्कृति में नहीं रहेंगे तो हम समाज के किसी भी व्यवस्था में रहने के लायक नहीं रहेंगे। राजनीतिक संस्कृति एक विकासशील व गत्यात्मक अवधारणा है। इसकी प्रकृति परिवर्तनशील तथा विकासोन्मुखी होती है। इसका निर्माण ऐतिहासिक विकास की पृष्ठभूमि में होता है। राजनीतिक व्यवस्था और राजनीतिक संस्कृति का आपस में गहरा संबंध है। इससे व्यक्ति और समूह के राजनीतिक आचरण का बोध होता है। यह प्रगतिशील और समन्वयकारी होने के कारण गतिशील समाज की सांस्कृतिक विरासत होती है।

राजनीतिक दलों से होती है प्रभावित : यह राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले दबाव समूह व राजनीतिक दलों की गतिविधियों से भी काफी प्रभावित होती रहती है। इसके ऊपर कुछ आन्तरिक तथा बाह्य शक्तियों का भी प्रभाव पड़ता है।

राजनीतिक संस्कृति में समयानुसार परिवर्तन, संशोधन, सुधार एवं विकास होता रहता है। राजनीतिक संस्कृति का विशेष लक्षण इसकी गतिशीलता है, जड़ता नहीं। एक राजनीतिक संस्कृति कई उप संस्कृतियों को भी समेटे रहती है।

इसे राजनीतिक एकता के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। इसके अनेक रूप होते हैं और यह राजनीतिक व्यवहार को अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के उपाध्यक्ष प्रवीण सोढ़ी व आभार प्रदर्शन डा. प्रवीण कुमार [illegible] ने किया।

शोध कार्य में रूचि के लिए दिए टिप्स

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय भूगोल विभाग में 10 मार्च को प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नौशिन अंजूम के मागदर्शन में भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निदर्शन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वीरांगना अंवती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. शकुनतला त्रिपाठी उपस्थित थी। मुख्य वक्ता डॉ. त्रिपाठी ने एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को वर्तमान विषय में अति महत्वपूर्ण विषय शोध प्रविधि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शोध कार्य की ओर अग्रसर होने से पहले सामाजिक शोध प्रविधि के महत्व पर प्रकाश डाला एवं छात्र छात्राओं को शोध कार्य की कैसे रूचि उत्पन्न हो और शोध कार्य को कैसे प्रारम्भ करे, बहुत ही सरल शब्दों में समझाया।

जिले की खबरें

नेहरू कालेज में भारतीय इतिहास जानने के साधन विषय पर अतिथि व्याख्यान

नेहरू कॉलेज में मानव पर्यावरण विषय पर अतिथि व्याख्यान

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं भूगोल विभाग की अतिथि शिक्षक पूनम अग्रवाल के मार्गदर्शन में भूगोल विभाग के अंतर्गत मानव पर्यावरण संबंध विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज के भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल मिश्रा उपस्थित थे।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को मानव पर्यावरण संबंध विषय पर जानकारी देते कहा कि सृष्टि के जीवों में मानव एक मात्र प्राणी है, जिसे यह योग्यता प्राप्त है कि वह आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी रि या के द्वारा पर्यावरण के भौतिक परिवेश में परिवर्तन करके सांस्कृतिक परिवेश की रचना करता रहा है। मानव इतिहास के प्रारम्भ से ही अपने चारों ओर के पर्यावरण में रुचि रखता आया है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति का मूल्य स्वयं मानव ने पर्यावरण की वृहद् समस्याएं उत्पन्न करके चुकाया है, जो जल प्रदूषण, धुएं द्वारा प्रदूषण, घटते वन्य जीवन, पर्यावरण के पेस्टनाशियों द्वारा विषकरण, विकिरण के जैवीय दुष्प्रभावों, अस्थिर पारिस्थितिक तंत्रों, प्राकृतिक संपदा का दुरुपयोग, जनसंख्या में आसामन्य वृद्धि, शहरीकरण, लोगों के छोटे-छोटे क्षेत्रों में बढ़ती भीड़ के रूप में दिखाई देती है। यह सब व्यक्तिगत तथा सामाजिक पर्यावरण को न समझ पाने तथा मानव एवं पर्यावरण की परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया को न समझ पाने के फलस्वरूप ही हुआ है।

आर्थिक सिद्धांतों पर व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डां टांडेकर एवं अर्थशास्त्र विभगाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे मार्गदर्शन में आर्थिक सिद्धांतो का

रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी महाविद्यालय रामाटोला के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार रंगारी उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. कोचे ने बताया कि नेक मूल्यांकन में अतिथि व्याख्यान एक महत्वपूर्ण अकादमिक एवं शैक्षिक गतिविधि होती है। मुख्य वक्ता डॉ. रंगारी ने आर्थिक सिद्धांतो के रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत युवा स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते हैं।

भारतीय इतिहास पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं

इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में भारतीय इतिहास जानने के स्त्रोत विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रानी अवंती बाई लोधी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक टी ठाकुर थे। वक्ता डॉ. ठाकुर ने छात्र-छात्राओं को इतिहास को जानने के स्त्रोत पर जानकारी देते हुए कहा कि प्राचीन साहित्य तथा दर्शन के संबंध में जानकारी के अनेक साधन उपलब्ध हैं, परन्तु वह संतोषप्रद नहीं है। न्यूनता के कारण अति प्राचीन संस्कृति एवं शासन का क्रमबद्ध इतिहास नहीं मिलता है। संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. चौधरी ने किया।

आयोजन • नेहरू कॉलेज में भारतीय इतिहास जानने के स्रोत विषय पर अतिथि व्याख्यान

इतिहास की जानकारी के स्रोत संतोषप्रद नहीं: ठाकुर

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

नेहरू कॉलेज में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

शासकीय नेहरू कॉलेज इतिहास विभाग के अंतर्गत भारतीय इतिहास जानने के स्रोत विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि शासकीय वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के सहायक प्राध्यापक डॉ. टी ठाकुर उपस्थित थे। मुख्य वक्ता डॉ. ठाकुर ने इतिहास को जानने के स्रोत पर जानकारी देते हुए कहा कि यूं तो भारत के प्राचीन साहित्य तथा दर्शन के संबंध में जानकारी के अनेक साधन उपलब्ध है। परंतु भारत के प्राचीन इतिहास की जानकारी के स्रोत संतोषप्रद नहीं है। उनकी न्यूनता के कारण अति प्राचीन भारतीय संस्कृति व शासन का क्रमबद्ध इतिहास नहीं मिलता है। फिर भी ऐसे साधन उपलब्ध है, जिनके अध्ययन व सर्वेक्षण से हमें भारत की प्राचीनता की कहानी की जानकारी होती है। इन साधनों के अध्ययन के बिना अतीत और वर्तमान भारत के निकट के संबंध की जानकारी करना भी असंभव है। प्राचीन भारत के इतिहास की जानकारी के साधनों को दो भागों में बांटा जा सकता है। साहित्यिक साधन और पुरातात्विक साधन, जो देशी और विदेशी दोनों है। लौकिक साहित्य भी चार प्रकार के है ऐतिहासिक साहित्य, विदेशी विवरण, जीवनी और कल्पना प्रधान तथा गल्प साहित्य। पुरातात्विक सामग्रियों को तीन भागों में बांटा जा सकता है अभिलेख, मुद्राएं तथा भग्नावशेष स्मारक।

इस विषय में होने वाली परीक्षाओं की जानकारी दी

भारत का प्राचीनतम साहित्य प्रधानतः धर्म-संबंधी ही है। ऐसे अनेक ब्राह्मण ग्रंथ है। जिनके द्वारा प्राचीन भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की कहानी जानी जाती है। जिसमें वेद, उपनिषद, दर्शन, रामायण, महाभारत, पुराण, स्मृतियां, अब्राह्मण ग्रंथ, बौद्ध ग्रंथ, जैन ग्रंथ, लौकिक साहित्य, ऐतिहासिक ग्रंथ, विदेशी विवरण आदि इतिहास जानने के स्रोत है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने भी इतिहास विषय की महत्ता बताते इस विषय में भविष्य बनाने के लिए होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी।

कार्यालय प्रबंधन और मानव व्यवहार पर नेहरू कालेज में अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शा. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में कार्यालय प्रबंधन, मानव व्यवहार एवं नैक मूल्यांकन में कर्मचारियों की भूमिका विषय पर 8 फरवरी सोमवार को अतिथि व्याख्यान एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया.

व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी शासकीय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, के प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता डॉ.महेशचंद्र शर्मा एवं प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया. डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने हाल ही में अपनी लिखित पुस्तक साहित्य और समाज एवं गागर में सागर प्राचार्य को भेंट की. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने उपस्थित महाविद्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि कार्यालय प्रबंधन किसी भी संस्थान का वह अंग होता है, जिसके बिना संस्थान अधूरा है.कार्यालय प्रबंधन में संस्थान के द्वारा किए गए व्यावहारिक कार्यों को कागजी रूप दिया जाता है. किसी भी संगठन की उन्नति में कार्यालय प्रबंधन का योगदान महत्वपूर्ण होता है. नैक मूल्यांकन में कर्मचारियों की भूमिका अहम होती है.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने मुख्य वक्ता डॉ. महेशचंद्र शर्मा का परिचय देते हुए कहा कि आज हमारे बीच लोकप्रिय शिक्षाविद् एवं लेखक एवं प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा उपस्थित है. यह हमारे महाविद्यालय के लिए सौभाग्य की बात है. इनके द्वारा बताये गये अनुभव हमारे महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन में अच्छा ग्रेड प्राप्त करने निश्चित ही सहायक होगा. डॉ.महेशचन्द्र शर्मा वर्तमान में वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, घुमका के प्राचार्य के पद पर कार्यरत है. अंत में प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. महेशचन्द्र शर्मा को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं अतिथि शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया.

प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं हिन्दी की अतिथि शिक्षक किरण सिंह ठाकुर के मागदर्शन में हिन्दी विभाग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. बी.नंदा जागृत ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में प्रतियोगी परीक्षा और हिन्दी विषय पर विस्तृत जानकारी दी.

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को दी गई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हिन्दी विषय की तैयारी हेतु दिये गये महत्वपूर्ण टिप्स पर अमल करने की बात कहते हुए हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. बी.एन. जागृत को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कियाा. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती किरण ठाकुर ने किया.

व्यवस्था और संस्कृति एक दूसरे के पूरक-डॉ. अलका

राजनीति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का किया गया आयोजन।

डोंगरगढ़ शासकीय नेहरू कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय अर्जुंदा की विभाग अध्यक्ष डॉ. अलका आर देव ने राजनीति संस्कृति पर व्याख्यान दिया। राजनीति संस्कृति हमारे ऐतिहासिक, पारंपरिक, सामाजिक तौरतरीके से जुड़ी हुई है।

उन्होंने बताया कि यहां हर जगह की व्यवस्था पर आधारित है। इसलिए व्यवस्था और संस्कृति एक दूसरा के पूरक है। यहां हर जगह की व्यवस्था पर आधारित है। इसलिए व्यवस्था व संस्कृति एक-दूसरे के पूरक है। कहा जा सकता है क्योंकि व्यवस्था का स्वरूप ही है, हमारी संस्कृति से जिसे हमारी शासन अवस्था चलती है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जांबुलकर ने भी अपनी बातों को रखा। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विश्राग के छात्र परिषद् से अध्यक्ष नौशीन कुरैशी, उपाध्यक्ष प्रवीर सोनी, नम्रता वर्मा, सचिव सिमरने चंदेल, महासचिव दुर्गागनी सिन्हा, कोषाध्यक्ष अंकिता जैन, सूचना व संचालक विभाग से प्रवीर सोनी व प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवभारत

Fast फास्टवर्ड

नेहरु कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरु स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के मार्गदर्शन में गत दिनों एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का विषय आंकड़ा संधारण दस्तावेज, अभिलेख व नस्ती संधारण शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ के लिए आयोजन किया गया. विषय विशेषज्ञ के रुप में सहा. लोक अभियंता परीक्षक कोरनेलियुस कुजूर उपस्थित रहे और इससे संबंधित समस्त जानकारी दी गई, जिससे महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त की. इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीमती ई. व्ही. रेवती, डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डॉ. आशा चौधरी, डॉ. मुन्ना लाल नंदेश्वर, डॉ. आर. आर. कोचे, बी. आर. सिवारे, ग्रंथपाल निवेश तिरपुडे सहित महाविद्यालय के कर्मचारी संजय तिवारी, के. जी. सोनकर, बी. आर. कोसले, बी. एस. मंडावी, सोहद्रा उइके, नवनीत बोरकर, नितिन शांडिल्य, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागडे आदि उपस्थित रहे.

रोजगार की संभावना पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर के निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर के मागदर्शन में गत दिनो राजनीति विज्ञान में रोजगार की संभावनाएं विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बिलासा कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एसएल निराला वक्ता थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती ने डॉ. निराला का स्वागत कर किया। डॉ. निराला ने राजनीति विज्ञान में रोजगार की संभावनाएं विषय पर बताया कि पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान का महत्व सदाबहार रहा है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों और नीतियों को पढ़ाया जाता है। इस विषय के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल, इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही है। अंत में डॉ. निराला का शाल, श्रीफल, शील्ड एवं प्रमाण पत्र से सम्मान किया गया। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एम.एल. नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जाम्बुलकर ने किया।

शारीरिक शिक्षण विभाग में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में 17 अगस्त को शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.केएल टाण्डेकर एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ.मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.इस अतिथि व्याख्यान में अंचल ओझा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे. सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्जवल एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई. स्वागत पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अधिकारी कर्मचारियों को प्रतिदिन व्यायाम करने का संदेश दिया.शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान की प्रशंसा करते हुए इस विषय पर प्रकाश डाला. व्यायाम के महत्व एवं इससे जीवन में होने वाले बदलावो के बारे तथा खेलो की विस्तृत जानकारी दी.विषय विशेषज्ञ अंचल ओझा ने भी खेल के कौशल्य एवं उससे होने वाले लाभ, तकनीक, एवं प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी. क्रीड़ा अधिकारी डॉ.मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन सहा.प्राध्या. डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर द्वारा किया गया.

नेहरू कालेज में अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 17 अगस्त को शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ.मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.इस अतिथि व्याख्यान में अंचल ओझा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे.

सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्जवल एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई. स्वागत पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अधिकारी कर्मचारियों को प्रतिदिन व्यायाम करने का संदेश दिया. शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान की प्रशंसा करते हुए इस विषय पर प्रकाश डाला. व्यायाम के महत्व एवं इससे जीवन में होने वाले बदलावो के बारे तथा खेलो की विस्तृत जानकारी दी. विषय विशेषज्ञ अंचल ओझा ने भी खेल के कौशल्य एवं उससे होने वाले लाभ, तकनीक एवं प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यायक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर द्वारा किया गया.

हिन्दी भाषा और भारत विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित

[illegible]

कौशल विकास और करियर गाइडेंस पर पांच दिवसीय व्याख्यान

[illegible]

हिन्दी भाषा और भारत विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित

भौतिकशास्त्र विभाग में सी.एस.आइ.आर. तथा यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी हेतु अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान संपन्न

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 30 अक्टूबर को प्राचार्य के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन में भौतिक शास्त्र विभाग में सी.एस.आइ.आर. तथा यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी कैसे करें विषय पर अंतर विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में अंग्रेजी विभाग के अ.व्या. सुनील कुमार उपस्थित थे। व्याख्यान का शुभारंभ सुनील सर के स्वागत के साथ हुआ , तत्पश्चात मुख्य वक्ता द्वारा सी.एस.आइ.आर. यूजीसी नेट तथा यूजीसी नेट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । सुनील सर द्वारा सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं को सी.एस.आइ.आर. नेट तथा यूजीसी नेट में अंतर बताकर छात्र-छात्राओं की मन में जो भ्रम था उसे दूर किया गया तत्पश्चात सुनील सर द्वारा परीक्षा की तैयारी कैसे करें , कहां से करें , पढ़ने का क्या तरीका क्या होना चाहिए , पाठ्यक्रम को कैसे पूर्ण करें एवं पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करने से हम कैसे तैयारी को मजबूत कर सकते हैं इत्यादि विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक शास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार साहू द्वारा मुख्य वक्ता सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया गया। इस अतिथि व्याख्यान से भौतिकी विभाग के 40 छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए।

नईदुनिया 13
रायपुर, शुक्रवार 10 दिसंबर, 2021

वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसानों को बताया

प्रदूषण विषय पर व्याख्यान देते वक्ता। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के मौके पर प्रदूषण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रदूषण पर विस्तृत व्याख्यान गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डा.तरन्नुम द्वारा विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास में पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया। डा.तरन्नुम ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक वर्ष दो दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण रोकथाम दिवस भारत भोपाल के आपदा में अपनी जान गवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। दो और तीन दिसंबर को भोपाल के यूनियन कार्बाइड प्लांट में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इससे करीबन पांच लाख लोगों की जान गई थी। यह त्रासदी उस समय तक ही सीमित नहीं थी। बल्कि आज भी इसका असर वहां देखने को मिलता है। बच्चे विकलांग पैदा होना, जन्म के बाद कोई ना कोई बीमारी होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव का उल्लेख करते हुए व्याख्यान का मुख्य बिंदु वायु प्रदूषण का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार हर 10 में से 9 लोगों को शुद्ध हवा नहीं पहुंच पाती है। हवा में मौजूद प्रदूषण का शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों तथा मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। वर्तमान में विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में नौ भारतीय शहर है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन और नियंत्रण के बारे में जागरूकता फैलाना, औद्योगिक प्रक्रिया मानवीय प्रक्रिया और से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना, लोगों को प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के महत्व के बारे में जागरूक करना है।

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के मौके पर प्रदूषण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रदूषण पर विस्तृत व्याख्यान गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डा.तरन्नुम द्वारा विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास में पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया। डा.तरन्नुम ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक वर्ष दो दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण रोकथाम दिवस भारत भोपाल के आपदा में अपनी जान गवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। दो और तीन दिसंबर को भोपाल के यूनियन कार्बाइड प्लांट में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इससे करीबन पांच लाख लोगों की जान गई थी। यह त्रासदी उस समय तक ही सीमित नहीं थी। बल्कि आज भी इसका असर वहां देखने को मिलता है। बच्चे विकलांग पैदा होना, जन्म के बाद कोई ना कोई बीमारी होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव का उल्लेख करते हुए व्याख्यान का मुख्य बिंदु वायु प्रदूषण का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार हर 10 में से 9 लोगों की शुद्ध हवा नहीं पहुंच पाती है। हवा में मौजूद प्रदूषण का शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों तथा मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। वर्तमान में विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में नौ भारतीय शहर है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन और नियंत्रण के बारे में जागरूकता फैलाना, औद्योगिक प्रक्रिया मानवीय प्रक्रिया और से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना, लोगों को प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के महत्व के बारे में जागरूक करना है।

वायु प्रदूषण से हर वर्ष सात लाख लोगों की मौत

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर हुआ व्याख्यान

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु प्रदूषण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रदूषण पर विस्तृत व्याख्यान गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. तरन्नुम ने विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया।

डॉ. तरन्नुम ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक वर्ष दो दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण रोकथाम दिवस भोपाल की आपदा में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है तथा दो और तीन दिसंबर को भोपाल के यूनियन कार्बाइड प्लांट में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस से करीबन पांच लाख लोगों की जान गई थी। यह त्रासदी उस समय तक ही सीमित नहीं थी बल्कि आज भी इसका असर वहां देखने को मिलता है। बच्चे विकलांग पैदा होना, जन्म के बाद कोई ना कोई बीमारी होना आदि लक्षण दिखायी देते है। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव का उल्लेख करते हुए व्याख्यान का मुख्य बिंदु वायु प्रदूषण का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार हर साल सात लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण जान गंवाते हैं। स्थिति इतनी खराब है कि हर 10 में से नौ लोगों के पास शुद्ध हवा भी नहीं पहुंच पाती।

हवा में मौजूद प्रदूषण शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों तथा मस्तिष्क को प्रभावित करता है। वर्तमान में विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में नौ भारतीय शहर है । उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन और नियंत्रण के बारे में जागरूकता फैलाना, औद्योगिक व मानवीय प्रक्रिया से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना, लोगों को प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के महत्व के बारे में जागरूक करना तथा इस दिन का उद्देश्य जल प्रदूषण की रोकथाम के बारे में जागरूकता लाना है।

बौद्ध अनुयायियों ने मनाया महापरिनिर्वाण दिवस

खैरागढ़ (सबेरा संकेत)। शहर के अंबेडकर चौक में बौद्ध अनुयायियों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया. बौद्ध अनुयायियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मोमबत्ती जलाई और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये जिसके बाद सभी अनुयायियों ने पंचशील व बुद्ध वंदना कर दो क्षण का मौन धारण किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पत्रकार भागवत शरण सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्षशील व्यक्ति थे, उनसे हम सभी को प्रेरणा मिलती है. जब भी मैं बाबा साहब की प्रतिमा के समक्ष आता हूं मुझे शांति व सुकून का एहसास होता है. समाजसेवी राजू यदु ने कहा कि बाबा साहब महान व्यक्ति थे। उन्होंने समाज को शिक्षित बनने, संगठित रहने तथा संघर्ष करने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में गृह विज्ञान विभाग के द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए प्रदूषण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रदूषण पर विस्तृत व्याख्यान गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. तरन्नुम द्वारा विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया गया। डॉ. तरन्नुम ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक वर्ष 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण रोकथाम दिवस भारत भोपाल के आपदा में अपनी जान गवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है तथा 2 और 3 दिसंबर को भोपाल के यूनियन कार्बाइड प्लांट में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस से करीबन 5 लाख लोगों की जान गई थी। यह त्रासदी उस समय तक ही सीमित नहीं थी बल्कि आज भी इसका असर वहां देखने को मिलता है।

बच्चे विकलांग पैदा होना, जन्म के बाद कोई ना कोई बीमारी होना आदि लक्षण दिखायी देते है। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव का उल्लेख करते हुए व्याख्यान का मुख्य बिंदु वायु प्रदूषण का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार हर साल 7 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण जान गवांते हैं स्थिति इतनी खराब है कि हर 10 में से 9 लोगों की शुद्ध हवा नहीं पहुंच पाती है हवा में मौजूद प्रदूषण का शरीर में प्रवेश कर फेफड़ो तथा मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। वर्तमान में विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 9 भारतीय शहर हैं। उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन और नियंत्रण के बारे में जागरूकता फैलाना, औद्योगिक प्रक्रिया मानवीय प्रक्रिया और से उत्पन्न प्रदूषण को रोकना, लोगों को प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के महत्व के बारे में जागरूक करना तथा इस दिन का उद्देश्य जल प्रदूषण की रोकथाम के बारे में जागरूकता लाने के उद्देश्य से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अंग्रेजी विभाग में हुआ अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। नेहरू महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा

व्यक्तित्व विकास में भाषा का योगदान विषय पर अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. नीता ठाकुर उपस्थित थीं। डॉ. नीता ठाकुर द्वारा बताया गया कि भाषा विचार विनिमय का माध्यम है। व्यक्तित्व निर्माण में वातावरण का प्रभाव पड़ता है। हम स्वयं को लोगों के सामने कैसे प्रस्तुत करते हैं, यह जीवन में महत्वपूर्ण होता है। व्यक्तित्व विकास में संयमित भाषा शैली की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी इच्छाओं को व्यावहारिक रूप प्रदान कर व्यवहार में लाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका पदमा खूंटे एवं आभार प्रदर्शन प्रा. सुनील कुमार द्वारा किया गया।

सामाजिक अनुसंधान में आंकड़ों का संकलन विषय पर अंतर्विभागीय व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें भूगोल विभाग की अतिथि व्याख्याता डॉ नौशीन अंजुम द्वारा सामाजिक अनुसंधान में आंकड़ों का संकलन विषय पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान का शुभारंभ डॉ नौशीन मैंडम के स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया कि किसी भी शोध कार्य में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आंकड़ों आंकड़ों को संकलित करने की निश्चित प्रविधियां होती हैं जिससे कि शोध का उत्कृष्ट निष्कर्ष प्राप्त हो सके । शोध कार्य में वैज्ञानिक निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए आंकड़ों को प्राविधिक रूप से एकत्रित करना तथा उसमें गुणात्मक एवं संख्यात्मक पहलुओं पर अध्ययन किया जाना आवश्यक है। वैज्ञानिक शोध के लिए आंकड़ों का विश्वासनीय होना आवश्यक है । आंकड़ों को संकलन विभिन्न प्रविधियों की सहायता से कैसे किया जाता है। आंकड़ों के प्रकार , आंकड़ों के स्त्रोत एवं गुण दोष के विस्तृत अध्ययन द्वारा छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया । इस व्याख्यान से एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 60 छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए। अंत में अ.व्या. प्रतिभा सिंह द्वारा डॉ. नौशीन अंजुम का

संप्रेषण कला के महत्व पर गणित विभाग में हुआ अंतर्विभागीय व्याख्यान

संप्रेषण कला विकास के लिए निरंतर कुछ नया सीखना आवश्यक - प्रतिभा सिंह

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के दिशा निर्देशन में 30 नवम्बर को गणित विभाग द्वारा अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग की अतिथि व्याख्याता सुश्री प्रतिभा सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थी। इस अतिथि व्याख्यान का विषय संप्रेषण कला था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणित विभाग के अ. व्या. लीलाराम देवांगन ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर किया। मुख्य वक्ता सुश्री प्रतिभा सिंह ने बताया कि वर्तमान में संप्रेषण का उद्देश्य सूचनाओं एवं सदस्यों का प्रेषण, मानवीय संबंधों का सृजन, प्रबंधकीय कौशल का विकास, नियंत्रण एवं निर्देशन करने में सहायक, अभी प्रेरणा एवं मनोबल को बढ़ाने में सहायक तथा संगठन के समन्वय में सहायक होते हैं। संप्रेषण व्यवहार हमारी आंतरिक एवं बाह्य शक्तियों को प्रभावित करती है व्यक्ति अपने शब्दों एवं चेहरे के अभिव्यक्ति से बहुत से संदेश आंतरिक शक्ति व्यक्ति के भाव होते हैं अर्थात् वास्तविक हमारे शारीरिक भाषा हाव भाव चलने के ढंग आदि द्वारा प्रदर्शित होता है। संप्रेषण कला के विकास के लिए व्यक्ति को हमेशा कुछ नया सीखना पुस्तक पढ़ना, भ्रमण करना एवं समूह चर्चा आदि में संलग्न रहना चाहिए ताकि हमें सकारात्मक होकर कार्य करने की प्रेरणा एवं आंतरिक ऊर्जा मिलते रहे। संप्रेषण कला जरूरी क्यों है इस पर उन्होंने बताया कि जब हम अपनी बात को सही तरीके से किसी के सामने प्रस्तुत करना नहीं आता है यदि हमारे पास संप्रेषण करने की शैली नहीं है किसी व्यवहार या क्षेत्र में अच्छे से अपनी बात को प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे तो आप कभी सफल नहीं हो पाएंगे। इस प्रकार मुख्य वक्ता ने संप्रेषण कला के माध्यम से बहुत अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। अंत में गणित विभाग के अ.व्या. लीला राम देवांगन आभार प्रदर्शन कर मुख्य वक्ता को धन्यवाद अर्पित किया।

संप्रेषण कला पर अंतर्विभागीय व्याख्यान

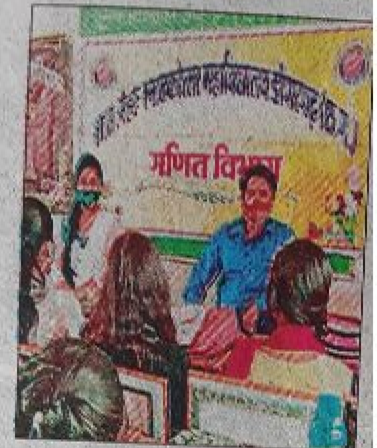

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन में गणित विभाग द्वारा अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग की व्याख्याता प्रतिभा सिंह उपस्थित थी। शुभारंभ लीलाराम देवांगन ने स्वागत कर किया। वक्ता सुश्री सिंह ने बताया कि वर्तमान में संप्रेषण का उद्देश्य सूचनाओं एवं सदस्यों का प्रेषण, मानवीय संबंधों का सृजन, प्रबंधकीय कौशल का विकास, नियंत्रण एवं निर्देशन करने में सहायक, अभी प्रेरणा एवं मनोबल को बढ़ाने में सहायक तथा संगठन के समन्वय में सहायक होते हैं।

गणित विभाग में हुआ अंतर्विभागीय व्याख्यान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के दिशा निर्देशन में 30 नवंबर को गणित विभाग द्वारा अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग की अतिथि व्याख्याता प्रतिभा सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थी। इस अतिथि व्याख्यान का विषय संप्रेषण कला था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणित विभाग के अ.व्या.लीलाराम देवांगन ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर किया।

मुख्य वक्ता प्रतिभा सिंह ने बताया कि वर्तमान में संप्रेषण का उद्देश्य सूचनाओं एवं सदस्यों का प्रेषण, मानवीय संबंधों का सृजन, प्रबंधकीय कौशल का विकास, नियंत्रण एवं निर्देशन करने में सहायक, अभी प्रेरणा एवं मनोबल को बढ़ाने में सहायक तथा संगठन के समन्वय में सहायक होते हैं।

संप्रेषण व्यवहार हमारी आंतरिक एवं बाह्य शक्तियों को प्रभावित करती है व्यक्ति अपने आंखों एवं चेहरे के अभिव्यक्त से बहुत से संदेश आंतरिक शक्ति व्यक्ति के भाव होते हैं जबकि बाह्यशक्ति हमारे शारीरिक भाषा हाव भाव चलने के ढंग आदि द्वारा प्रदर्शित होता है। संप्रेषण कला के विकास के लिए व्यक्ति को हमेशा कुछ नया सीखना पुस्तक पढ़ना, भ्रमण करना एवं समूह चर्चा आदि में संलग्न रहना चाहिए ताकि हमें सकारात्मक होकर कार्य करने की प्रेरणा एवं आंतरिक ऊर्जा मिलते रहे। संप्रेषण कला जरूरी क्यों है। इस पर उन्होंने बताया कि जब हम अपनी बात को सही तरीके से किसी के सामने प्रस्तुत करना नहीं आता है। यदि हमारे पास संप्रेषण करने की शैली नहीं है किसी व्यवहार या जॉब में अच्छे से अपनी बात को प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे तो आप कभी सफल नहीं हो पाएंगे। इस प्रकार मुख्य वक्ता ने संप्रेषण कला के माध्यम से बहुत अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

वाणिज्य विभाग का केस स्टडी पर अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। नेहरू महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई व्ही रेवती के निर्देशन में वाणिज्य विभाग में केस स्टडी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में बीआईटी दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में फूल अर्पित एवं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य वक्ता का स्वागत सुश्री प्रतिभा सिंह ने पुष्प गुच्छ एवं फूलदान देकर किया। डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान युग में वाणिज्य के क्षेत्र में सिर्फकिताबी शिक्षा ही काफी नहीं बल्कि व्यवसाय से जुड़ी केस स्टडी का भी अध्ययन करना आवश्यक है। किसी भी केस स्टडी से हम उस कंपनी के व्यवसाय के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं साथ ही उस कंपनी में जो समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं उसकी जानकारी प्राप्त करना तथा उस समस्या का समाधान हम कितने विकल्पों से कर सकते हैं उन विकल्पों में बेहतर विकल्प कौन सा है जिन्हें हम अपना कर उस समस्या का समाधान कर सकते हैं। इसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को एक व्यवहारिक प्रश्न केस स्टडी के आधार पर हल करने के लिए दिया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने केस स्टडी से संबंधित प्रश्न को हल करने के लिए काफी उत्सुक दिखाई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नई शिक्षा पद्धति की एक विधि से अवगत कराना है। कार्यक्रम का संचालन गायत्री नेताम व ज्योति वर्मा ने किया।

नई शिक्षा नीति पर नेहरू महाविद्यालय में हुआ अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 17 दिसंबर को नई शिक्षा नीति विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बी.आई.टी. दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता एवं सभी प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के शैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया । मुख्य वक्ता डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने बताया कि वास्तव में शिक्षा नीति में परिवर्तन की आवश्यकता थी । नई शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है ज़िनका लक्ष्य 2030 तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5 3 3 4 का पैटर्न फॉलो किया जाएगा जिसने की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे । बच्चों की क्षमता की पहचान एवं विकास करना ,साक्षरता एवं सतत संख्यात्मक ज्ञान को बढ़ाना, शिक्षा को लचीला व गुणवत्तापूर्ण बनाना, बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना, उत्कृष्ट स्तर पर शोध करना , शिक्षा नीति को पारदर्शी बनाना, विभिन्न प्रकार की भाषाएं सीखना, बच्चों की सोच को रचनात्मक एवं तार्किक करना है। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों ने नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती ज्योति साहू द्वारा किया गया । उन्होंने बताया नई शिक्षा नीति. को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाना है जिससे कि समाज में बदलाव आ सके। र्यक्रम में शिक्षकों सहित 56 विद्यार्थी लाभावित हुए। आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती ने किया।

शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए सरकार का सार्थक प्रयास- अभिषेक

Text Box

एमए हिंदी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एक दिवसीय सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं हिंदी विभाग डॉ. येशुक्रिती हजारे के निर्देशन में एमए हिंदी द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एक दिवसीय सेमिनार हुआ।

जिसमें डॉ येशक्रिती हजारे ने बताया सेमिनार से छात्र विषय को बेहतर समझते हैं। विषय को प्रस्तुत करते हुए छात्रों में आत्म विश्वास बढ़ता है जिससे शोध कार्य में रूचि भी बढ़ती है और लेखकों एवं कवियों की रचनाओं के माध्यम से जन मानस पर प्रभाव दिखाई देने लगता है। एमए हिंदी में पाठ्यक्रम को ध्यान में रख आधुनिक काव्य प्रगतिवाद प्रयोगवाद नयी कविता एवं समकालीन कविता पर अज्ञेय, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, नागार्जुन , केदारनाथ अग्रवाल जैसे आदि कवियों पर लेख तैयार कर बच्चों ने सेमिनार में अपनी प्रस्तुति दी। एमए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी भवानी शंकर ,गोपाल दरगड, किरण, कामनी, यमुना, पुरणलाल ,दीपेश, आदि ने प्रस्तुति दी। दूसरी और एमए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र पर राजी, पूनम, प्रीति, हिमांशी, उर्वशी, गुंजा, काशी, भोज ने विचार रखे।

हिन्दी स्नातकोत्तर छात्र परिषद गठित

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. नीता ठाकुर के

मागदर्शन में हिन्दी स्नातकोत्तर छात्र परिषद् का गठन एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। परिषद में एमए हिन्दी के छात्र चिरंजीव धमगाए को अध्यक्ष, यमुना उपाध्यक्ष, काशीराम कंवर सचिव, भवानीशंकर सहसचिव, भोजराम सिन्हा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम विक्की रामटेके अध्यक्ष, सदस्य पूनम टेम्भुरकर, प्रीति चन्द्रवंशी, श्वेता सांगोडे, प्रकाशमणि सिन्हा, साहित्यिक कार्यक्रम राजी सिंह अध्यक्ष, सदस्य के रूप में गोपाल दरगड़, दीपेश यादव मनोनित किए गए। इस मौके पर एमए हिन्दी तृतीय समेस्टर के छात्र छात्राओं ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। राजी सिंह ने स्वागत गीत, नागेश्वर ने देशभक्ति गीत, कलेश्वरी ने भजन, हिरमत, भवानीशंकर ने गीत, प्रकाशमणी सिन्हा, विक्की रामटेके, भोजराज सिन्हा, गुंजा, प्रीति चन्द्रवंशी, श्वेता ने काव्य पाठ किया।

पौधरोपण कर हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करे-डॉ. टाडेकर

नेहरू कालेज में पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

डोंगरगढ़(दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्राचार्य डॉ टांडे कर ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि वृक्ष हमारा जीवन है. वृक्षारोपण के माध्यम से हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं.

हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीता ठाकुर डॉ. येशुक्रिती हजारे डॉ. मेधाविनी तुरे आदि ने वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया. विद्यार्थियों द्वारा गुलाब, चंपा, जामुन, अनार, चमेली, मोंगरा, गेंदा आदि महाविद्यालय परिसर में लगाया गया. इस अवसर पर डॉ. आर.आर. कोचे डॉ. नंदेश्वर, लीलीराम देवांगन सहित एम.ए. हिंदी विषय के छात्र-छात्राएं राजी सिंह, श्वेता सांघोडे, गोपाल दरगढ़, दीपेश यादव, भवानी शंकर, वेणुका बंजारे, पूरनलाल कंवर आदि उपस्थित थे।

गजानन माधव मुक्तिबोध की 104 वीं जयंती मनाई गई

डोंगरगढ़ (दावा)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 15 नवम्बर को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. येशुक्रिती हजारे, डॉ. नीता ठाकुर एवं डॉ. मेधाविनी तुरे ने प्रसिद्ध साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध की 104 वीं जयंती मनाई गई. कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने गजानन माधव मुक्तिबोध छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया.

प्राचार्य ने गजानन माधव मुक्तिबोध को नमन करते हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित किया. डॉ. येशुक्रीति हजारे ने कार्यक्रम का संचालन किया. कार्यक्रम में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा नेहा साहू ने मुक्तिबोध का जीवन परिचय, भावना यादव एवं नीलम वर्मा ने मुक्तिबोध की कविता का पठन किया. तथा विकास मेश्राम ने उनकी रचनाओं की विशेषताओ के साथ उनकी कविताओ का पठन किया. इस अवसर पर एम.ए. हिन्दी के छात्र-छात्राएं लक्ष्मी, किलेश्वरी, सेवंतीन, रेमन, चंद्रिका, प्रिया, महिमा, कामिनी, ममता, रेणुका, कोमल, श्वेता, गोपाल, प्रियांश, खुशी यादव आदि छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. नीता ठाकुर ने किया.

हिन्दी विभाग द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध की 104 वीं जयंती मनाई गई

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 15 नवम्बर को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. येशुक्रिती हजारे, डॉ. नीता ठाकुर एवं डॉ. मेधाविनी तुरे ने प्रसिद्ध साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध की 104 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने गजानन माधव मुक्तिबोध छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य ने गजानन माधव मुक्तिबोध को नमन करते हुए अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य के अनेक विधाओं पर अपनी छाप छोड़ी है, उनके साहित्य में हमें तेज और प्रखर विचारधारा का बोध मिलता है। हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार और इस युग के महान साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध की कर्मभूमि छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी राजनांदगांव रही। उनकी स्मृतियों को संजोये रखने के लिए शासन ने राजनांदगांव में सृजन संवाद एवं मुक्तिबोध संग्रहालय और त्रिवेणी परिसर के लोकार्पण का कार्य [illegible]

हिन्दी विभाग से डॉ. येशुक्रिती हजारे ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि मुक्तिबोध कवि, आलोचक, निबंधकार, कहानीकार, तथा उपन्यासकार के रूप में उन्होंने पाठकों अमूल्य साहित्य दिया। उन्होंने कहा कि उनकी कविताओं का समय का सबसे जटिल कवि माना और उन्हें समझना बहुत ही पेचिदा है। उनकी काव्य की विशेषताओं से अवगत कराते हुए उनकी कविता अंधेरे में ब्रम्ह राक्षस, भूलगलती से अवगत कराया। कार्यक्रम में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा नेहा साहू ने मुक्तिबोध का जीवन परिचय, भावना यादव एवं नीलम वर्मा ने मुक्तिबोध की कविता का पठन किया तथा विकास मेश्राम ने उनकी रचनाओं की विशेषताओं के साथ उनकी कविताओं का पठन किया। इस अवसर पर एम.ए. हिन्दी के छात्र-छात्राएं लक्ष्मी, किलेश्वरी, सेवंतीन, रेमन, चंद्रिका, प्रिया, महिमा, कामिनी, ममता, रेणुका, कोमल, श्वेता, गोपाल, प्रियांशु, खुशी यादव आदि छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. येशुक्रिती हजारे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नीता ठाकुर ने किया।

छत्तीसगढ़ी भाषा में है बहुत संभावनाएं

हिन्दी विभाग ने मनाया राजभाषा दिवस

डोंगरगढ़, (सवेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर व डॉ. येशुक्रिती हजारे, डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे द्वारा छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ अरपा पैरी के धार गीत, मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

मुख्य अतिथि प्राचार्य, डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर एवं डॉ. नंदेश्वर को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। प्राचार्य ने कहा कि भाषा सर्वोत्तम मानवीय सृजक है। भाषा ही संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान की संवाहक है। छत्तीसगढ़ी का निर्माण भाषा और साहित्य की अस्मिता की ताकत पर ही तो हुआ है।

छत्तीसगढ़ी मातृभाषा को स्थान मिले, भाषा की गहनता को समझने का प्रयास छात्र-छात्राओं का करना चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य की संस्कृति, भाषा, बोली का सम्मान और आदर निष्ठा के साथ नैतिक कर्तव्यों का पालन निरंतर करते रहे साथ ही छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. येशुक्रिती ने कहा कि छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस 28 नवम्बर को छत्तीसगढ़ी दिवस मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का कार्य किया जा रहा है। नये साहित्य सृजन के लिए छत्तीसगढ़ी भाषा में बहुत संभावनाएं है लेकिन मुद्रण प्रकाशन की सुविधाएं जैसी दूसरी भाषाओं के लिए उपलब्ध है, वैसी छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रोत्साहन और विकास के लिए नहीं है।

राज्य के दो विश्व विद्यालय पं. रविशंकर शुक्ल और कुशाभाउ ठाकरे में एम.ए. छत्तीसगढ़ी का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। पं. सुंदरलाल शर्मा विश्व विद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। साथ ही सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन खुरमा, दूध फरहा, देहरौरी, ठेठरी, अम्बाड़ी फूल चटनी, गलगला, अरसा, भजिया, अंगाकर रोटी, चिल्हा, मोटा रोटी, जिमीकंद सब्जी आदि व्यंजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस को आनंद एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हजारे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मेधाविनी तुरे ने किया।

हिन्दी विभाग की अध्यक्ष बनीं श्वेता

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा परिषद गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष श्वेता सांगोड़े, उपाध्यक्ष नेहा साहू, सचिव कलेश्वरी, सहसचिव कामिनी वर्मा, साहित्यिक कार्यकारिणी प्रमुख भवानीशंकर, सदस्य वेनुका बंजारे, सेवंतीन साहू, टिकेन्द्र वर्मा एवं सांस्कृतिक कार्यकारिणी प्रमुख किरण कंवर, सदस्य कामिनी नागपुरे, आकाश वर्मा एवं भामनी साहू मनोनीत किये गये। शुभारंभ माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण एवं सरिता गुप्ता द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। कामिनी वर्मा द्वारा अरपा पैरी के धार राजगीत की प्रस्तुति के साथ सभी ने छत्तीसगढ़ की धरा को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर एवं डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। हिन्दी विभाग से डॉ. नीता ठाकुर द्वारा हिन्दी परिषद के पदाधिकारियों के नाम की घोषणा करते हुए परिषद गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि यह छात्र जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसमें व्यक्तित्व विकास किया जा सकता है। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा पद की गरिमा एवं दायित्व निर्वहन संबंधी शपथ दिलायी गई। डॉ. जाम्बुलकर ने कहा कि जीवन में असफलताओं से न घबराकर निरंतर सफलता के लिए प्रयत्न शील रहे तथा अपने दायित्वों का पालन करें। डॉ. येशुक्रिती हजारे एवं डॉ. मेधाविनी तुरे द्वारा अपने जीवन अनुभवों को साझा करते हुए सहयोगात्मक भावना से आगे बढ़ने की बात कही गई। अध्यक्ष श्वेता सांगोड़े द्वारा ने कहा कि विभाग के विकास हेतु हम सभी मिलकर नई योजनाओं को विस्तार देंगे। इस अवसर पर पदाधिकारियों के साथ-साथ मनीषा राजपूत, नीलम वर्मा, भावना यादव, सरिता गुप्ता, आरती गुप्ता, ओमकुमार, ओमेश्वरी, दुलेश्वरी, हुकुम, किलेश्वरी आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। संचालन डॉ. नीता ठाकुर एवं आभार प्रदर्शन अध्यक्ष श्वेता सांगोड़े द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ी भाषा के महत्व पर हुई निबंध स्पर्धा

डोंगरगढ़, सबेरा संकेत। शसकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के हिन्दी विभाग में प्राध्यापिका डॉ. मेधाविनी तुर्रे द्वारा भाषा का महत्व - छत्तीसगढ़ी के विषेष संदर्भ में विषय पर स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के छात्र-छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 13 विद्यार्थियों ने सहभागिता ली। उषा कंवर, दिनेश्वरी पटेल, देविका कुंजाम, एकनाथ नेताम, देवाशीष, सुमन सिन्हा, रेणुका सिन्हा, अंजली चौधरी, विकास मेश्राम, कुनाल सहारे, रागिनी रामटेके, ललेन्द्र साहू, अंजलि चंद्रवंशी आदि छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए, जिसमें प्रथम स्थान रेणुका सिन्हा बीए भाग तीन, द्वितीय स्थान दिनेष्वरी पटेल बीए भाग एक, एवं तृतीय स्थान देविका कुंजाम बीए भाग व एकनाथ नेताम बीए भाग एक ने प्राप्त कियां। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में हिन्दी विभाग की प्राध्यापिकाएं डॉ. नीता ठाकुर एवं डॉ. येषुक्रिती हजारे का सहयोग उल्लेखनीय रहा। प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई.व्ही. रेवती ने सभी प्रतिभागी एवं विजेता छात्र-छात्राओं को शुभकामना प्रेषित की।

बख्शी जी एक निबंधकार के रूप में विषय पर हुई परिचर्चा

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में विगत दिनों पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी पुण्यतिथि पर बख्शी की एक निबंधकार के रूप में विषय पर स्नातक-स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य के छात्र-छात्राओं के लिये परिचर्चा का आयोजन हिन्दी विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. पेशुक्रीति हजारे, डॉ. मेधाविनी तुरे द्वारा किया गया। जिसमें कामिनी वर्मा, आकाश कुमार, खुशबू साहू, कामनी वर्मा, उषा कंवर, तुमेश्वर सिन्हा, खिलेश आदि ने प्रतिभागी के रूप में सहभागिता दिखाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, बख्शीजी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं राज्यगीत से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी उपस्थित थीं। आमंत्रित अतिथियों का स्वागत हिन्दी विभाग के प्राध्यापक और स्नातकोत्तर हिन्दी के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीता ठाकुर ने अपने वक्तव्य में कहा गया कि प्रख्यात साहित्यकार के व्यक्तित्व कृतित्व तथा निबंध लेखन के क्षेत्र में बख्शी के अविस्मरणीय योगदान का स्मरण-वंदन, इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है।

मास्टरजी के नाम से विख्यात बख्शी जी के निबंधों में विविध शैली का कुशलतापूर्वक प्रयोग परिलक्षित होता है। मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य डॉ. रेवती ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ की महान विभूति बख्शी जी के स्मरण स्वरूप हिन्दी विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय प्रयास है। निबंधकार के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि डॉ. आशा चौधरी ने कहा कि बख्शी ने साहित्य में भावपूर्ण अभिव्यक्ति सहज ही हृदय को आकृष्ट करती है। आज के युवा वर्ग को उनसे प्रेरणा ग्रहण करना चाहिये।

प्रतिभागी विद्यार्थियों कामिनी वर्मा ने बख्शी के काव्य संग्रह, आकाश कुमार ने उनके पारिवारिक साहित्यिक वातावरण, खुशबू साहू द्वारा निबन्धों की विशिष्टता, कामनी वर्मा ने बख्शीजी के निबन्धों में भाषा प्रयोग एवम शैली की विविधता, उषा कंवर द्वारा प्रमुख निबंध व प्राप्त पुरस्कार, तुमेश्वर सिन्हा द्वारा उनकी शिक्षा तथा खिलेश द्वारा बख्शीजी की आत्मकथा, संस्मरण पर विचार अभिव्यक्त किया गया। हिन्दी विभाग के प्राध्यापकगण डॉ पेशुक्रीति हजारे ने बख्शी जी के निबंध वृद्धावस्था और डॉ. मेधाविनी तुरे द्वारा उनके काव्य संग्रह अश्रुदल, शतदल पर प्रकाश डाला गया।

विवेकानंद के व्यक्तित्व और दर्शन पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

नेहरू महाविद्यालय में हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. नीता ठाकुर ने विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल माध्यम से स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व और दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए विचार प्रस्तुत किए। बीए प्रथम की कल्पना, गीता, रुपाली, इंदु, नंदिनी, श्रद्धा, आकांक्षा ने विवेकानंद के कथनों पर विचार व्यक्त किए। खिलेश ने जीवन परिचय, टिकेश्वरी पटेल ने प्रेरक प्रसंग, काजल ने शिक्षा दर्शन, करण ने राजयोग, भक्तियोग, कर्मयोग, आमिनी ने युवा दिवस, कामिनी ने समाज सुधार तथा कोमल साहू ने जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इसी तरह डिगेश्वर वर्मा ने शिक्षा दर्शन, निकिता गुप्ता ने शिकागो व्याख्यान, प्रिंस गुप्ता ने प्रेरक प्रसंग, राजेश्वरी वर्मा ने कथन, हर्षिता श्रीवास्तव ने सिद्धान्त, भावना पटेल ने जीवन दर्शन, प्रमिला साहू ने शिक्षा दर्शन, राहुल कुमार ने व्यक्तित्व पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थी शामिल हुए। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की।

सिमरन साखरे बनी अध्यक्ष

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी

के मार्गदर्शन में इतिहास परिषद का गठन किया गया। परिषद में सिमरन साखरे को अध्यक्ष, नूतन साव को उपाध्यक्ष, पुष्पेन्द्र साहू को सचिव एवं दानेश्वरी को सहसचिव, पूजा डोंगरे को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्य भारती साहू, रूपेश मसील, दिशा श्रीवास्तव, केवेन्द्र वर्मा हैं।

इतिहास विभाग में परिषद गठन संपन्न

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में 02 फरवरी को इतिहास विभाग में परिषद गठन किया गया, जिसमें तृतीय सेमेस्टर से कु. सिमरन साखरे को अध्यक्ष, प्रथम सेमेस्टर से नूतन साव को उपाध्यक्ष, तृतीय सेमेस्टर से पुष्पेन्द्र साहू को सचिव एवं प्रथम सेमेस्टर से दानेश्वरी को सहसचिव, तृतीय सेमेस्टर से पूजा डोंगरे को कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए तृतीय सेमेस्टर से भारती साहू एवं

प्रथम सेमेस्टर से रूपेश मसील, दिशा श्रीवास्तव एवं केवेन्द्र वर्मा को नियुक्त किया गया।

प्राचार्य डॉ.के.एल. टाण्डेकर सहित इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.आशा चौधरी ने परिषद के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विभागीय गतिविधियों के साथ-साथ शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया।

तृप्ति ने प्रथम और विक्की रामटेके ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा 17 दिसंबर को गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक मनखे मनखे एक समान रखा गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आषा चौधरी द्वारा गुरु घासीदास के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। डॉ. आशा चौधरी ने अपने उद्‌बोधन में गुरु घासीदास की जीवन परिचय व उनके द्वारा दिए गए शिक्षा पर अपने विचार रखते हुए कहा कि गुरु घासीदास ने सभी मानव को सत्य की राह पर चलने एवं जीव हत्या नहीं करने, नशा, चोरी, जुआ, से दूर रहने, जाति-पाति के प्रपंच में नहीं पढ़ने तथा सत्य अहिंसा, धैर्य, लगन सरलता, अच्छे व्यवहार पर चलने उनकी शिक्षा से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। उक्त भाषण प्रतियोगिता में एम. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु तृप्ति जंघेल ने प्रथम व विक्की रामटेके ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पुस्तकों में है ज्ञान का भंडार

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं पुस्तकालय विभाग के प्रमुख नितेश तिरपुडे के मागदर्शन में एक दिवसीय पुस्तक मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर थे। क्रीड़ा अधिकारी डॉ.एमएल नंदेश्वर ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रंथालय के जनक एवं पदमश्री से सम्मानित डॉ. एसआर रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। पुस्तक मेले में आमत्रित नगर के बुक स्टॉल के संचालक शिवराज बोरकर ने कालेज के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा एवं विषय से संबंधित उपयोगी पुस्तके, मैग्जिन एवं पत्र-पत्रिकाओं का स्टाल लगाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जाम्बुलकर ने ग्रंथालय के जनक डॉ. रंगनाथन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नंदेश्वर ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान सभी शिक्षण संस्थाएं बंद थी। भौतिक रूप से उपस्थित होकर किसी भी तरह के आयोजन में मनाही थी। इसी कारण से महाविद्यालय में पुस्तक मेले का आयोजन नहीं हुआ था। ग्रंथपाल श्री

तिरपुडे ने पुस्तक की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं शिक्षको का उस ज्ञान के खजाने से परिचित करना है जो ग्रंथालय में उपलब्ध है। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे ने कहा कि आज युग इंटरनेट का है, किन्तु पुस्तको का अपना एक अलग महत्व है। पुस्तक मेले में प्राध्यापक बीआर सिवारे, संजय तिवारी, बीएस मंडावी, बीआर कोसले, केजी सोनकर, विवेक श्रीवास, सोहद्रा उइके, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी, मीनाक्षी बोपचे, शैलेन्द्र यादव, खेमनलाल धनेन्द्र, विनोद सहारे, डाकेश्वर वर्मा, विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर आदि शामिल हुए।

खबर संक्षेप

गणित परिषद का गठन

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर के निर्देशन एवं

गणित विभाग के अतिथि शिक्षक लीलाराम देवांगन के मागदर्शन में गणित परिषद गठन किया गया। एमएससी गणित की चांदनी सिन्हा को अध्यक्ष, रागनी को उपाध्यक्ष, निकिता बंजारी सचिव, खिमेश्वरी सहसचिव, यशवंत कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में छाया एवं रूपेश कुमार का चयन किया गया।

गणित विभाग में परिषद का गठन

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं गणित विभाग अतिथि शिक्षक लीलाराम देवांगन के मार्गदर्शन में गणित विभाग में परिषद गठन किया गया, जिसमें एमएससी गणित की छात्रा चांदनी सिन्हा को अध्यक्ष, रागनी को उपाध्यक्ष, निकिता बंजारी सचिव, खिमेश्वरी सहसचिव, यशवंत कुमार कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में छाया एवं रूपेश कुमार का चयन किया गया।

गणित विभाग में रागिनी रावत अध्यक्ष नियुक्त

डोंगरगढ़(दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 27 नवंबर को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में गणित परिषद का गठन किया गया। गणित विभाग के अतिथि व्याख्याता लीलाराम देवांगन ने गणित परिषद के पदाधिकारियों के नाम की घोषणा करते हुए अध्यक्ष रागिनी रावत, उपाध्यक्ष बालेंद्र कुमार, सचिव मंजू निषाद, सहसचिव नरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में यशवंत देवांगन, छन्नूलाल को चुना गया।

कार्यक्रम का संचालन अ. व्या. लीलाराम देवांगन अतिथि व्याख्याता गणित विभाग में किया और आभार प्रदर्शन कुमारी प्रिया ठाकुर अतिथि व्याख्याता गणित विभाग ने किया।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर नेहरू महाविद्यालय में विविध स्पर्धाएं

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन में विज्ञान संकाय द्वारा गणित दिवस के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता, पहेली प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय गणित दिवस 2021 के उपलक्ष्य में सीजिकॉस्ट रायपुर के सहयोग से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया है। इन प्रतियोगिताओं में से 2 विद्यार्थियों को चयन किया जाएगा और उसके बाद यह प्रतियोगिताएं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के अंतर्गत जितने भी महाविद्यालय आते हैं उन सभी महाविद्यालयो के चयनित छात्र-छात्राएं 21 दिसम्बर को भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर 9 आयोजित प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे। जहां चयनित प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

क्वीज में नेहरू कालेज के रूपेश और वरुण प्रथम

डोंगरगढ़ (दावा)। राष्ट्रीय गणित दिवस 2021 के उपलक्ष्य 21 दिसम्बर को सीजी कॉस्ट रायपुर के सहयोग से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन तथा ऑफलाइन प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे क्विज प्रतियोगिता, पजल प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा आयोजित क्विज काम्पिटिशन में शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के एमएससी भौतिकी तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कुमार और वरुण कुमार वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया.

छात्रों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई.वी. रेवती, वरिष्ठ अध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जामुलकर एवं विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष बी.आर. सिवारे, लीलाराम देवांगन ने बधाई दी. यह कार्यक्रम आयोजित करने में विज्ञान संकाय के प्राध्यापक गण कुमारी प्रिया ठाकुर, श्रीमती उमा महोबिया, कुमारी वर्षा मेश्राम, रोशन कुमार, राजकुमार रवि, कु. ऋचा अग्रवाल ने सहयोग दिया.

एनसीसी और एनएसएस के छात्र देंगे सेवा

नेहरू महाविद्यालय व मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट के बीच सहमति बनाते प्राध्यापक व जुटे छात्र-छात्राएं। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू महाविद्यालय के एनसीसी व एनएसएस के छात्र मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अपने निस्वार्थ सेवाएं देंगे। मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के साथ नेहरू महाविद्यालय आपसी सहयोग एवं समन्वय से एमओयू हुआ। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा.आरआर कोचे एवं भूगोल विभाग के डा.विजय लाल तिवारी एवं प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसरे के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र एवं भूगोल के छात्र-छात्राओं ने मंदिर पहुंचकर छिरपानी स्थित प्रधान कार्यालय में मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष तथा नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं समाजसेवी नारायण लाल अग्रवाल से सौजन्य भेंट की। अर्थशास्त्र विभाग एवं भूगोल विभाग द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया गया। दोनों संस्था के साथ हुए आपसी सहयोग एवं समन्वय के तहत किए जाने वाले विभिन्न सहयोगात्मक कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल ने बताया कि महाविद्यालय एनसीसी, एनएसएस एवं रेडक्रास के छात्र-छात्राओं ने पूर्व में भी वर्ष में दो बार आयोजित मेले में सफल व्यवस्था बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण सेवाएं देते रहे हैं। इसके अलावा महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा मेले में स्टाल लगाकर स्वच्छता संबंधी संदेश आम जनता को दिए गए। वर्तमान समझौता के तहत आने वाले सभी सेवाओं में महाविद्यालय के छात्र अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। साथ ही मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी धर्मार्थ चिकित्सालय में आवश्यकता अनुरूप स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी सेवाएं देते रहेंगे।

अध्यक्ष अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को मंदिर के ऐतिहासिक, भौगोलिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक महत्व इस मंदिर एवं शहर से जुड़े इतिहास की जानकारी दी। मंदिर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उक्त सहयोग के लिए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी निरंतर शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में सहयोग करने की बात कही। अंत में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग एवं भूगोल विभाग के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंदिर के प्राकृतिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक जानकारी प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डोंगरगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगा प्लेटफार्म, हुआ एमओयू

अफसरों ने मैदान का निरीक्षण किया। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू महाविद्यालय व युवा खेल विभाग द्वारा कालेज के छात्रों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि कालेज के छात्र खेल के क्षेत्र में कालेज व अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव से आपसी सहयोग एवं समन्वय से एमओयू हुआ।

निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का द्वितीय नैक मूल्यांकन होना है, एमओयू से नैक में लाभ होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.केएल टांडेकर, आइक्यूसी समन्वयक डा.ईव्ही रेवती, शारीरिक शिक्षण विभाग से क्रीड़ा अधिकारी डा.मुन्नालाल नंदेश्वर, अतिथि व्याख्याता ऋचा अग्रवाल एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ए ईक्का की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सहायक संचालक ए ईक्का ने आश्वस्त किया कि महाविद्यालय खेल विभाग द्वारा सभी तरह की सुविधा दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा एवं विभाग के द्वारा संचालित सभी खेलों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। भविष्य में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को विभाग की ओर से सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

शंकराचार्य कॉलेज से एमओयू

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय का श्री शंकरा महाविद्यालय जुनवानी से आपसी सहयोग एवं समन्वय हुआ है। भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का वितीय नैक मूल्यांकन होना है। एमओयू से नेक में 7 क्राइटेरिया के सभी मैट्रिक्स में किस प्रकार कार्य करना है इसका मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. टांडेकर, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. ईव्ही रेवती एवं श्री शंकरा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ राहुल मेने की उपथिस्ति में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस मौके पर डॉ. जे. दुर्गाप्रसाद राव अतिरिक्त संचालक श्रीशंकरा महाविद्यालय, डॉ. संदीप जसवंत, क्रीड़ा अधिकारी डॉ.एमएल नंदेश्वर एवं ऋचा अग्रवाल उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. सिंह ने आश्वस्त किया है कि नेहरू महाविद्यालय को बेहतर ग्रेड दिलाने के लिए हर संभव सहयोग करेंगी। इसके अलावा उन्होंने महाविद्यालय का भ्रमण किया तथा बहुत सी बातें एवं नैक मूल्यांकन में अच्छा ग्रेड प्राप्त करने के लिए जानकारी साझा की।

आपसी सहयोग और समन्वय से नैक ग्रेडिंग और छात्रों को मिलेगा लाभ

नेहरू कॉलेज का शंकराचार्य के साथ एमओयू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय का शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी, भिलाई से आपसी सहयोग एवं समन्वय (एमओयू) 14 जुलाई को हुआ। निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का द्वितीय नैक मूल्यांकन होना है, एमओयू से नैक में 7 क्राइटेरिया के सभी मैट्रिक्स में किस प्रकार कार्य करना है। इसका मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. ईव्ही रेवती एवं शंकरा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. राहुल मेने द्वारा पूरे स्टाफकी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। डॉ. जे दुर्गाप्रसाद राव अतिरिक्त संचालक शंकरा महाविद्यालय एवं नैक समन्वयक डॉ. संदीप जसवंत, डोंगरगढ़ कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर एवं प्राणिशास्त्र विभाग की ऋचा अग्रवाल उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह ने आश्वस्त किया है कि वे नेहरू महाविद्यालय को बेहतर ग्रेड दिलाने के लिए हर संभव सहयोग करेंगी। इसके अलावा उन्होंने अपने पूरे महाविद्यालय का भ्रमण करवाया तथा बहुत सी बातें एवं नैक मूल्यांकन में अच्छा ग्रेड प्राप्त करने के लिए आवश्यक जानकारी साझा की। विदित हो कि छतीसगढ़ में बहुत कम संख्या में ए ग्रेड प्राप्त महाविद्यालय है जिसमें से श्री शंकराचार्य महाविद्यालय ने अपने नेक मूल्यांकन में ए ग्रेड प्राप्त किया है। निकट भविष्य में दोनों महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक व विद्यार्थी भ्रमण करेंगे और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न क्राइटेरिया में कार्यशाला के द्वारा मार्गदर्शन लिया जाएगा, जिससे पूरे डोंगरगढ़ ब्लॉक में स्थित आसपास के सभी महाविद्यालयों को लाभ होगा। अंत में नेहरू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रक्षा सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट देकर अपने अनुभवों का आदान प्रदान किया।

डोंगरगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगा प्लेटफार्म, हुआ एमओयू

अफसरों ने मैदान का निरीक्षण किया। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू महाविद्यालय व युवा खेल विभाग द्वारा कालेज के छात्रों को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि कालेज के छात्र खेल के क्षेत्र में कालेज व अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव से आपसी सहयोग एवं समन्वय से एमओयू हुआ।

निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय का द्वितीय नैक मूल्यांकन होना है, एमओयू से नैक में लाभ होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.केएल टांडेकर, आइक्यूसी समन्वयक डा.ईव्ही रेवती, शारीरिक शिक्षण विभाग से क्रीड़ा अधिकारी डा.मुन्नालाल नंदेश्वर, अतिथि व्याख्याता ऋचा अग्रवाल एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ए ईक्का की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सहायक संचालक ए ईक्का ने आश्वस्त किया कि महाविद्यालय खेल विभाग द्वारा सभी तरह की सुविधा दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा एवं विभाग के द्वारा संचालित सभी खेलों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। भविष्य में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को विभाग की ओर से सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

नेहरू महाविद्यालय का मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के साथ हुआ एमओयू

❖ सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मास्क के उपयोग को लेकर लापरवाह हुआ महाविद्यालय प्रशासन

● नवभारत प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

वैश्विक महामारी कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक से भयभीत प्रशासन हर स्तर पर लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ-साथ मास्क पहने की अनिवार्यता के लिए प्रयासरत दिखलाई पड़ रहा है. वहीं महाविद्यालय प्रशासन के विषय प्रभारी प्राध्यापकों सहित छात्र-छात्राओं के दल द्वारा मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष नारायण अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात के दौरान दल के प्रभारी प्राध्यापकों व मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सहित अधिकांश छात्र छात्राओं ने ना तो सोशल डिस्टेंसिंग की प्रवाह की ना ही मास्क का उपयोग किया. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि महाविद्यालय में हो रहे अनेक सेमिनार में कोरोना महामारी को लेकर अतिथि प्राध्यापकों द्वारा दिए जा रहे मार्गदर्शन का पालन करने में छात्र-छात्राएं कितने गंभीर हैं. साथ ही मंदिर प्रबंधको द्वारा मां बम्लेश्वरी के दर्शनार्थ आने वाले दर्शनार्थियों के प्रति कोरोना को लेकर कितनी सजगता दिखाई जा रही है.

शासकीय नेहरू स्नात्कोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा-निर्देशानुसार 17 जुलाई को महाविद्यालय के एमए भूगोल एवं अर्थशास्त्र विषय के पूर्व एवं अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के साथ नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के हुए आपसी सहयोग एवं समन्वय (एम.ओ.यू) के तहत अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे एवं भूगोल विभाग के डॉ. विजय लाल तिवारी एवं प्रयोगशाला तकनीशियन बी आर कोसले के मार्गदर्शन में एमए अर्थशास्त्र एवं भूगोल के के छात्र-छात्राओं ने मंदिर पहुंचकर छिरपानी स्थित प्रधान कार्यालय में मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष से सौजन्य भेंट की. इस दौरान दोनों संस्था के साथ हुए आपसी सहयोग एवं समन्वय के तहत किये जाने वाले विभिन्न सहयोग कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई. वर्तमान समझौता के तहत आने वाले समस्त सेवाओं में महाविद्यालय के छात्र अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे. साथ ही मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित मां बम्लेश्वरी धर्मार्थ चिकित्सालय में आवश्यकता अनुरूप स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी सेवाएं देते रहेंगे.

उक्त गतिविधि के दौरान समस्त छात्र-छात्राओं द्वारा कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की बात प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कही गई है जो की फोटो में कहीं भी परिलक्षित नहीं हो रहा है.

नेहरू और स्वरूपानंद कॉलेज के बीच हुआ एमओयू

डोंगरगढ़। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय का स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय भिलाई के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती, क्रीड़ा अधिकारी डॉ एमएल नंदेश्वर तथा सहायक प्राध्यापक ऋचा

अग्रवाल एवं स्वरूपानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हंसा शुक्ला, क्रीडा अधिकारी मुरली तिवारी, नेक को ऑर्डिनेटर डॉ शमा ए बेगम की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। प्राचार्य डॉ शुक्ला ने महाविद्यालय का भ्रमण कराया तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों और विभागों की जानकारी दी। उन्होंने बॉटनी डिपार्टमेंट द्वारा किए जा रहे मशरूम उत्पादन , लाइब्रेरी की नई किताबों की जानकारी दी। क्रीड़ा अधिकारी मुरली तिवारी ने स्पोर्ट्स ग्राउंड तथा बैडमिंटन कोर्ट का अवलोकन कराया। अंत में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ रेवती ने एमओयू के लिए आभार प्रकट किया।

आपसी सहयोग व समन्वय से मिलकर विद्यार्थी बनायेंगे अपना करियर

डोंगरगढ़, सबेरा संकेत। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा छात्र-छात्राओं की अकादमिक एवं शैक्षणिक प्रगति हेतु एवं नैक मूल्यांकन को ध्यान में रखकर विभिन्न संस्थाओं के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित किये जा रहे है। इसी के तहत एम.ओ.यू. में दो संस्थाओं के नाम और जुड़ गए हैं ।

देव संस्कृति कॉलेज एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, दुर्ग एवं स्वयं सिद्धा कल्चरल ग्रुप ऑफमेरिट वुमेन रिसाली भिलाई के साथ गत दिनो एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ के एल. टांडेकर एवं देव संस्कृति कॉलेज के प्राचार्य डॉ.के .एस. गुरुपंच तथा डायरेक्टर ज्योति शर्मा के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि आपसी , सहयोग एवं समन्वय से होगी। स्वयं सिद्धा विवाहित महिलाओं के संस्कृति समूह की संचालक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती एवं प्राचार्य डॉ टांडेकर के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। डॉ सोनाली ने बताया कि उनकी संस्था शैक्षणिक विषयों जैसे व्यक्तित्व विकास हिंदुस्तानी शास्त्रीय एवं सुगम संगीत रंगमंच एवं अभिनय वक्तृत्व कला तथा महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती हैं। आपसी सहयोग एवं समन्वय एमओयू द्वारा नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर का यह प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया जिसमें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वे अपनी रूचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित होकर अपना कैरियर बना सकें एवं जीवन में सफलता प्राप्त करें।

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का साईं टेउनिंग सेंटर राजनांदगांव के साथ हुआ एम.ओ.यू.

आपसी सहयोग एवं समन्वय से खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय साईं टेउनिंग सेंटर भारतीय खेल प्राधिकरण बास्केटबॉल से आपसी सहयोग एवं समन्वय हुआ। निकट भविष्य में नेहरू महाविद्यालय करने का मूल्यांकन होना है इसने के मूल्यांकन में इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ ई.व्ही. रेवती, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एम.एल. नंदेश्वर, अ. व्या. ऋषा अग्रवाल एवं साईं सेंटर के शारीरिक शिक्षा विभाग के अधिकारी राजेश्वर राव की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर कर दोनों आपस में एक दूसरे के सहयोग करने के लिए नियुक्त हुए। श्री राजेश्वर राव ने महाविद्यालय को यह आश्वासन दिया कि हमारे विभाग के द्वारा जो भी सहयोग होगा, हम खिलाड़ियों के विकास के लिए हर संभव मदद करेंगे एवं संस्था द्वारा होने वाली ट्रेनिंग गेम प्रतियोगिता के बारे में उनसे चर्चा की गई। साईं ट्रेनिंग सेंटर में खिलाड़ियों के प्रवेश के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

नेहरू महा. का शास. महा. बलरामपुर के साथ हुआ एम. ओ.यू.

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा छात्र-छात्राओं के अकादमिक एवं शैक्षणिक प्रगति हेतु विभिन्न संस्थाओं के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित किये जा रहे है. इसी के तहत एम.ओ.यू. में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर जिला रामानुजगंज के साथ गत दिनों एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये. महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ के एल. टांडेकर एवं शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य एन.के. देवांगन के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ है. इससे छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको के उच्च शिक्षा की गुणवत्ता हेतु शैक्षणिक, एकेडमिक एवं अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं समन्वय प्राप्त होगा.

आपसी सहयोग एवं समन्वय द्वारा नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं स्टाफ के सहयोग से यह प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिसमें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वे अपनी रूचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित होकर अपना कैरियर बना सकें एवं जीवन में सफलता प्राप्त करें.

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ का शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के साथ हुआ एम. ओ. यू.

डोंगरगढ़। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा छात्र-छात्राओं के अकादमिक एवं शैक्षणिक प्रगति हेतु विभिन्न संस्थाओं के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित किये जा रहे है। इसी के तहत एम.ओ.यू. में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर जिला रामानुजगंज के साथ गत दिनो एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. के एल. टांडेकर एवं शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य एन.के देवांगन के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ है। इससे छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको के उच्च शिक्षा की गुणवत्ता हेतु शैक्षणिक, एकेडमिक एवं अन्य क्षेत्रो में आपसी सहयोग एवं समन्वय प्राप्त होगा। आपसी सहयोग एवं समन्वय द्वारा नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं स्टाफके सहयोग से यह प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिसमें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वे अपनी रूचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित होकर अपना कैरियर बना सकें एवं जीवन में सफ्लता प्राप्त करें।

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ का देव संस्कृति कॉलेज एवं स्वयं सिद्धा के साथ हुआ एम. ओ. यू.

डोंगरगढ़। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा छात्र-छात्राओं के अकादमिक एवं शैक्षणिक प्रगति हेतु एवं नैक मूल्यांकन को ध्यान में रखकर विभिन्न संस्थाओं के साथ आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित किये जा रहे है। इसी के तहत एम.ओ.यू. में दो संस्थाओं के नाम और जुड़ गए हैं। देव संस्कृति कॉलेज एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, दुर्ग एवं स्वयं सिद्धा कल्चरल ग्रुप ऑफ मेरिट वुमेन रिसाली भिलाई के साथ गत दिनो एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ के एल. टांडेकर एवं देव संस्कृति कॉलेज के प्राचार्य डॉ.के .एस. गुरुपंच तथा डायरेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा मैडम के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। इससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि आपसी, सहयोग एवं समन्वय से होगा। स्वयं सिद्धा विवाहित महिलाओं का संस्कृति समूह की संचालक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती एवं प्राचार्य डॉ टांडेकर के हस्ताक्षर से एमओयू हुआ। डॉ सोनाली ने बताया कि उनकी संस्था शैक्षणिक विषयों जैसे व्यक्तित्व विकास हिंदुस्तानी शास्त्रीय एवं सुगम संगीत रंगमंच एवं अभिनय वकृत्व कला तथा महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आपसी सहयोग एवं समन्वय एमओयू द्वारा नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर का यह प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया जिसमें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वे अपनी रूचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित होकर अपना कैरियर बना सकें एवं जीवन में सफलता प्राप्त करें।

नेहरू कालेज का स्वरूपानंद कालेज से एम.ओ.यू.

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ का स्वामी श्री स्वरूपानंद महाविद्यालय भिलाई हुडको के साथ आपसी सहयोग व समन्वय (एम.ओ.यू.) हुआ. पूर्व में भी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ हनसा शुक्ला के द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों और विषयों पर मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त हुआ है. इस अवसर पर शासकीय नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ई.व्ही. रेवती क्रीड़ा अधिकारी डॉ एम एल नंदेश्वर तथा सहा.प्राध्यापक ऋचा अग्रवाल एवं स्वरूपानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर हंसा शुक्ला क्रीड़ा अधिकारी मुरली तिवारी नेक को ऑर्डिनेटर डॉक्टर शमा. ए. बेगम सहित समस्त स्टाफ की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये.

स्वरूपानंद महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने महाविद्यालय का भ्रमण कराया तथा महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों और विभागों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी. अंत में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ श्रीमती ई. व्ही रेवती मैडम ने इस एमओयू के लिए सभी को धन्यवाद तथा आभार प्रकट किया।

दो महाविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

नेहरू महाविद्यालय का देवीप्रसाद चौबे महाविद्यालय गंडई के बीच एमओयू हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, आईक्यूसी समन्वयक डॉ. ईव्ही रेवती, डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर, डॉ. आशा चौधरी, डॉ. आरआर कोचे , क्रीड़ा अधिकारी डॉ मुन्नालाल नंदेश्वर, बीआर सिवारे, डॉ. विजयलाल तिवारी एवं गंडई कालेज के सहायक प्राध्यापक अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।

महाविद्यालय में मना पराक्रम दिवस

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. के एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं एनएसएस के प्रभारी बीण्आरण सिवारे एवं डॉ. आशा चैधरी के मागदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में 23 जनवरी शनिवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया. कार्यक्रम का प्राचार्य द्वारा शुभारंभ नेतजी सुभाषचंद्र बोस के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं तिलक लगाकर किया गया.

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉण्केण्एलण्टाण्डेकर ने अपने उद्बोधन में छात्र.छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी में अनेक शूरवीरों ने अपना योगदान दिया हैए उनमें से एक हैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस थेए नेताजी की जीवनी और कठोर त्याग आज के युवाओं के लिए बेहद ही प्रेरणादायक हैंण हमें नेताजी के आदर्शो पर चलकर उन्हे आत्मसात करते हुए अपना एवं देश का विकास करना होगा.

इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक नौशि कुरेशी,भारती साहू, साक्षी, कल्याणी,सिमरन, इतेश्वरी, पवन, तमेश,निखिल, प्रज्वल सहित महाविद्यालय के कमर्चारीगण उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका नौशि कुरैशी एवं आभार प्रदर्शन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर.ए सिवारे ने किया.

महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 12 जनवरी मंगलवार को प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर के निर्देशन, रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे, डॉ. आशा चौधरी एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर ने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर हर वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के लिये भारतीय सरकार ने घोषित किया था. स्वामी विवेकानंद का दर्शन और उनके आदर्श की ओर देश के सभी युवाओं को प्रेरित करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा ये फैसला किया गया था.

इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के स्वयं सेवको में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 12 जनवरी मंगलवार को प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर के निर्देशन, रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे, डॉ. आशा चौधरी एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर ने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर हर वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के लिये भारतीय सरकार ने घोषित किया था. स्वामी विवेकानंद का दर्शन और उनके आदर्श की ओर देश के सभी युवाओं को प्रेरित करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा ये फैसला किया गया था.

इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के स्वयं सेवको में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

स्वयंसेवकों ने की सफाई

डोंगरगढ़। नेहरू. महा.के प्राचार्य केएल टांडेकर एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी बीआर शिवारे के निर्देश में रविवार को स्वयंसेवकों ने ठेठवारपारा वार्ड 23 स्थित तालाब के आसपास की सफाई की। इस कार्य में पार्षद शालिनी ताम्रकार, प्रकाश शर्मा, प्रवीण शुक्ला, महिलाएं एवं बच्चों ने सहयोग दिया। इस अवसर पर दलनायक विक्की रामटेके, उप दल नायक मोहनीष, भारती, रुपाली, तमेश्वर, वंदना, मनीष, असवंत, देवेंद्र, राजाराम, रोशन, रविकुमार, यशोदा, कामिनी, भूमिका, चांदनी, भुनेश्वरी, साक्षी, कल्याणी, सिमरन, इतेश्वरी, दामिनी, रोशनी, नेहा, यामिनी, दीपक, उमाकांत, रवि, उमा भारती उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का आह्वान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे व आशा चौधरी के निर्देशन में एनएसएस के स्वयं सेवको ने पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम की अध्यक्षता में इंडियन गैस एजेंसी से लेकर महाविद्यालय तक फैले प्लास्टिक पाउच, पन्नी एवं कचरे को साफ कर नागरिकों को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से अवगत कराया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर आदि उपस्थित थे।

मतदान करने की दिलाई शपथ

डोंगरगढ़। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर वे

निर्देशन एवं एनएसएस प्रभार बीआर सिवारे, इ आशा चौधरी के मागदर्शन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर अधिकारी-कर्मचारियों एवं छात्र- छात्राओं को लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि समस्त नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत हों तथा बिना लालच के मताधिकार का प्रयोग करें। अंत में प्राचार्य ने अधिकारियों-कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं से कोरोना से बचने के लिए मास्क, सेनेटाइजर का उपयोग करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में डॉ. ईव्ही रेवती, डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर, डॉ आरआर कोचे, नितेश तिरपुडे, संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीआर कोसले, बीएस मंडावी, सोहद्रा उइके, नवनीत बोरकर, नितिन शांडिल्य, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागढ़े, विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर आदि उपस्थित थे।

मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय मं प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन में

स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ टांडेकर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का दर्शन और आदर्श युवाओं के लिए आदर्श हैं। उनके विचारों और जीवन शैली से देश को बेहतर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के विक्की रामटेके, मोहनिश तुरकर, तामेश, विकास, नौशी कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि उपस्थित थे।

एड्स पर किया जागरूक

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निबंध, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों को एचआईव्ही की जानकारी देकर बचने के लिए सावधानियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, मोहनिश तुरकर, तामेश, विकास, नौशी कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने की सफाई

डोंगरगढ़। नेहरू. महा.के प्राचार्य केएल टांडेकर एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी बीआर शिवारे के निर्देश में रविवार को स्वयंसेवकों ने ठेठवारपारा वार्ड 23 स्थित तालाब के आसपास की सफाई की। इस कार्य में पार्षद शालिनी ताम्रकार, प्रकाश शर्मा, प्रवीण शुक्ला, महिलाएं एवं बच्चों ने सहयोग दिया। इस अवसर पर दलनायक विक्की रामटेके, उप दल नायक मोहनीष, भारती, रुपाली, तमेश्वर, वंदना, मनीष, असवंत, देवेंद्र, राजाराम, रोशन, रविकुमार, यशोदा, कामिनी, भूमिका, चांदनी, भुनेश्वरी, साक्षी, कल्याणी, सिमरन, इतेश्वरी, दामिनी, रोशनी, नेहा, यामिनी, दीपक, उमाकांत, रवि, उमा भारती उपस्थित थे।

नवभारत

{ फास्ट फारवर्ड }

एनएसएस ने किया वैक्सीनेशन के लिए जागरूक

डोंगरगढ़. 21 जून योग दिवस के अवसर पर सोमवार को शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य केएल टांडेकर जी के मार्गदर्शन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बी आर शिवारे के तत्वाधान में एनएसएस की टीम द्वारा सामूहिक रूप से वैक्सीनेशन कार्यक्रम में भाग लिया.

योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा जनमानस को कोविड-19 वैक्सीन के प्रति जागरुक करते हुए वैक्सिंग लगा लगवाई. स्वयंसेवकों में दल नायक विक्की रामटेके उप दल नायक मोहनीश तुरकर अन्य स्वयंसेवक डीके वर्मा विकास साहू देवेंद्र कुमार भारती यशवंत वंदना वर्मा सुनील शुभम वैष्णव मनीष वर्मा झालेस्वर यामिनी यशोदा रूपाली फुले शामिल रहे.

यातायात के नियमों का पालन करने लोगों को किया जागरूक

● नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा-निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं डॉ. आशा चौधरी के मागदर्शन में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यशाला में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर. सिवारे ने बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हर साल जनवरी के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष 2021 में सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह की जगह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाने का निर्णय किया है. सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है. जिसमें चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है. जागरूकता में नशा और नींद में वाहन न चलाए जाने, तेज रफ्तार वाहनों को न चलाने की सीख दी जा रही है. साथ ही वाहन मोड़ने पर इंडीकेटर देकर व देखकर सड़क पार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. उपदलनायक मोहनीश तुरकर ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जानकारी दी. कार्यशाला के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको ने सड़क जागरूकता रैली के निकाली. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर एवं समस्त प्राध्यापकों ने हरि झंडी दिखाकर रैली का रवाना किया.

एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को समुदाय सेवा प्रदान करने में अनुभव प्रदान करना है: डॉ. पटेल

स्वयंसेवकों को बी व सी प्रमाण पत्र वितरित, शासकीय सेवाओं में इस प्रमाण पत्र का महत्व बताया

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य व लक्ष्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. एसके पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र में माल्यार्पण कर राजकीय गीत अरपा पैरी के धार से की गई। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. पटेल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य व उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। यह भारत के 2 बोर्ड स्तर पर स्कूलों की कक्षा 11 वीं व 12 वीं के युवा छात्रों और तकनीकी संस्थाओं, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालय स्तर के स्नातक व स्नातकोत्तर युवा छात्रों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न समुदाय सेवा कार्यकलापों व कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को समुदाय सेवा प्रदान करने में अनुभव प्रदान करना है। सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों का व्यक्तित्व विकास, खुद को सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की समझ विकसित करना, व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने में अपने ज्ञान का उपयोग करना। समूह-जीवन और जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने में कौशल हासिल करना। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का आरंभ महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह कोणार्क के सूर्य मंदिर का चक्र है। जिसमें लगे 24 पहिए 24 घंटे का तथा 8 तिल्लियां 8 प्रहर को दर्शाती है, जो एनएसएस के स्वयं सेवकों को 24 घंटे 8 प्रहर समाज सेवा व देशहित के लिए तत्पर रहने प्रेरित करते हैं। डॉ. पटेल ने सभी स्वयं सेवकों को बी व सी प्रमाण पत्र वितरित कर विभिन्न शासकीय सेवाओं में एनएसएस के प्रमाणपत्रों के महत्व को बताया। इस अवसर पर एनएसएस इकाई के दलनायक विक्की रामटेके, उप दल नायक मोहनिश तुरकर समेत अन्य स्वयं सेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी बीआर सिवारे व आभार प्रदर्शन मोहनीश तुरकर ने किया।

सड़क सुरक्षा माह पर स्वयंसेवकों ने रैली निकाली

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा-निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर.सिवारे एवं डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बी. आर. सिवारे ने ने बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हर साल जनवरी के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष, 2021 में सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह की जगह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाने का निर्णय किया है। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसमें चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता में नशा और नींद में वाहन न चलाए जाने, तेज रफ्तार वाहनों को न चलाने की सीख दी जा रही है। साथ ही वाहन मोड़ने पर इंडिकेटर देकर व देखकर सड़क पार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

यातायात के नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

उपदलनायक मोहनीश तुरकर ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जानकारी दी।

कार्यशाला के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने सड़क जागरूकता रैली के निकाली। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं समस्त प्राध्यापकों ने हरी झंडी दिखाकर रैली का रवाना किया। एनएसएस के स्वयं सेवकों ने विभिन्न स्लोगन एवं नारों के माध्यम से शहर के डोंगरगढ़ रोड, थाना चौक, गोल बाजार, बुधवारी चौक, रेलवे चौक, में आने-जाने वाले वाहन दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी दी साथ ही दुर्घटना से बचने के लिए हेलमेट, इंडिकेटर का उपयोग करने प्रेरित किया। साथ ही दो पहिया वाहन में दो से अधिक सवारी करने वाले, तेज रफ्तार वाहनों रोककर उन्हें दुर्घटना से बचने की सलाह दी। इस अवसर पर एनएसएस इकाई दल नायक विक्की रामटेके, उपदलनायक मोहनीश तुरकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवभारत

FAST
फॉरवर्ड

पोस्टर, निबंध के माध्यम से एड्स के प्रति किया जागरूक

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के निर्देशन एवं रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जांबूलकर एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस के अवसर में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शहर के लोगों को एचआईव्ही के बारे में जागरूक कर इससे बचने सावधानियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के स्वयं सेवको में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

रासेयो से नेतृत्व क्षमता का विकास

- स्वयं सेवकों ने मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

स्थानीय नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन में रासेयो का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ।

स्वयंसेवकों ने राजगीत की प्रस्तुती दी। इस मौके पर रासेयो महिला ईकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा चौधरी ने स्थापना दिवस के संबंध में जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक डॉ. ईव्ही रेवती ने बताया कि देश के निर्माण में युवाओं का बड़ा योगदान है।

देश में करीब 65 फीसदी जनसंख्या युवाओं की है, जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है। सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर ने कहा कि एनएसएस अंतर्गत आने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में लगातार बढ़ रही है। डॉ.आरआर कोचे ने बताया कि प्रत्येक एनएसएस इकाई स्थानीय समुदायों को शामिल कर 7 दिनों की अवधि के शिविरों का आयोजन करती है। इस मौके पर क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर, स्वयंसेवक मोहनीश तुरकर, अविनाश टेम्भुरकर एवं डाकेश्वर वर्मा ने विचार रखे।

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती हुई। कार्यक्रम में विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर, अविनाश टेंबुरकर, रमन साहू, डाकेश्वर वर्मा, दीपक वर्मा, राजाराम सिन्हा, प्रज्वल्ल गेडाम, आयुष सहारे, राकेश वर्मा, उमाकांत साहू, शुभम वैष्णव, कौशल महोबिया, झलेश्वर, सुनील, रोशन वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, पूजा डोंगरे, सिमरन साखरे, श्वेता संगोड़े, राधिका साहू, प्रियंका लारिया, विद्या साहू, प्रियंका सहारे, मीना पटेल, प्रिया महोबिया, मोनिका महोबिया, शीतल अग्रवाल, नीतिका मंडावी, भारती वर्मा, प्रियंका वर्मा आदि मौजूद थे।

नई शिक्षा नीति में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता विषय पर नेहरू महाविद्यालय में हुई एक दिवसीय खंड स्तरीय कार्यशाला

नांदगांव टाइम्स

नई शिक्षा नीति में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता विषय पर नेहरू महाविद्यालय में हुई एक दिवसीय खंड स्तरीय कार्यशाला

स्वयंसेवकों ने मनाया पोषण आहार सप्ताह

डोंगरगढ़, सबेरा संकेत। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर. शिवारे के तत्वावधान में सभी स्वयंसेवकों द्वारा गोद ग्राम कल्याणपुर एवं गजमर्रा के आंगनबाड़ी केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में जाकर पोषण आहार सप्ताह के अंतर्गत ग्रामवासियों को कुपोषण से बचाव हेतु जानकारी एवं संतुलित आहार का महत्व बताया एवं ग्राम में जाकर जनमानस को पोषण आहार के प्रति जागरूक किया। ग्रामीणों को संक्रमण से बचने कोरोना टीका लगवाने प्रेरित किया। इस अवसर पर दलनायक विक्की रामटेके,उप दलनायक मोहनीश तुरकर, स्वयंसेवक रमन साहू ,डाकेश्वर वर्मा, राजाराम सिन्हा, प्रज्वल गेडाम, निखिल साहू ,आयुष सहारे, कौशल महोबिया उपस्थित थे।

राष्ट्र विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

- रासेयो की महत्ता पर कार्यशाला हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

नेहरु महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं डॉ. आशा चौधरी के मागदर्शन में नई शिक्षा नीति में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ.समरेन्द्र सिंह थे। अध्यक्षता जिला संगठक रासेयो डॉ.एसके पटेल ने की। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि रासेयो के माध्यम से समाज में अच्छे इंसानों का विकास होता है। अध्यक्षता कर रहे डॉ. पटेल ने कहा रासेयो से जुड़े छात्र-छात्राएं स्वयंसेवकों के रूप में समाज या राष्ट्र निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने कहा नई शिक्षा निति के तहत शैक्षणिक संस्थाओं में रोजगार सबंधी विषय को लागू किया जाना चाहिए ताकि छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के आर्थिक विकास और आजीविका को स्थायित्व देने में उच्च शिक्षा महत्वपूर्ण योगदान देती है। कार्यक्रम अधिकारी बीआर चंद्रवंशी ने आभार प्रदर्शन किया। इस मौके पर डॉ. आशा चौधरी, एस कुमार गौर, अनिल पाल, वीरसिंग यादव, गणेश यादव, मुन्नालाल साहू, दनेश्वर लिल्हारे, श्रीमती उजवने, डॉ. इंद्री रेवती, डॉ. प्रदीप जामुलकर, डॉ.मुन्नालाल नंदेश्वर, नितेश तिरपुड़े आदि मौजूद थे।

नेहरू कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

शासकीय नेहरू महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया 50 यूनिट रक्तदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं यूथ रेडक्रास व रेडरिबन क्लब के तत्वावधान में 29 नवम्बर सोमवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

ब्लड बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, जिनका वजन 50 किलो से अधिक है। वे सभी रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है। रक्तदान महादान होता है। रक्तदान करने के पूर्व छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पोष्टिक आहार दिया गया। उक्त रक्तदान शिविर में संयुक्त संचालक सह अधीक्षक, भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगांव की ब्लड बैंक की टीम आकर रक्तदान शिविर का संपादन किया।

ब्लड बैंक की टीम से डॉ. ममता राय, डॉ. आयुषी परिहार, जगदीश सोनी, चिमेश साहू, उषा बोरकर, दुर्गा निर्मलकर, लक्ष्मी मेश्राम, बीके जागृत परमेश्वर, खिलेश्वर, संतराम ने सहित महाविद्यालय के रेडक्रास प्रभारी डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर, डॉ. एमएल नंदेश्वर, डॉ. आशा चौधरी, बीआर सिवारे, डॉ. येशुक्रिती हजारे, वर्षा मेश्राम सहित एनएनएस के दलनायक विक्की रामटेके, पूजा डोंगरे, प्रज्जवल गेडाम, डाकेश्वर वर्मा, स्वलेहा खान, लक्ष्मी लारोकर ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

उक्त रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त संग्रह हुआ, जिसका उपयोग जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए किया जा सकेगा। उक्त रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में स्वाती सिन्हा, कविता मंडावी, संगीता, रोशनी वर्मा, दामिनी, पूजा, पूर्वा, अमन, रोशनी साहू, डाकेश्वर वर्मा, तेजराम, हिमांशु, नवीन साहू, हिमानी, भारती, वशिता, मानसी जैन, अदिती, आंचल, नीता, पवन, मुकुल महोबिया, टोमनलाल सुनील कुमार, झालेश्वर, जबिता, संकेत, संदीप कौषिक, प्रियंका, सागर, अजय, किरण, करण मेश्राम, देवेंद्र साहू, निलेश, ज्ञानेश्वर, योगेश झनक, देवेंद्र कुमार, बालाराम, भागवत, खुमान सिंह, प्रिया महोबिया, योगेश निषाद, किरण वर्मा सहित महाविद्यालय के कर्मचारी शैलेन्द्र यादव ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम के अंत में रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने रक्त रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजक विभाग को बधाई देते हुए रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिनका वजन 50 किलो से अधिक वे कर सकते हैं रक्तदान, नहीं आती कमजोरी

शासकीय नेहरू कॉलेज कैंप में विद्यार्थियों ने 50 यूनिट ब्लड डोनेट किया

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

डोंगरगढ़. नेहरू कॉलेज कैंप में 50 छात्रों ने किया ब्लड डोनेट।

शासकीय नेहरू कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस व रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

ब्लड बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती। जिनका वजन 50 किलो से अधिक है, वे सभी रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवन बचा सकता है, रक्तदान महादान होता है। रक्तदान करने के पूर्व छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पौष्टिक आहार दिया गया।

ब्लड बैंक की टीम से डॉ. ममता राय, डॉ. आयुषी परिहार, जगदीश सोनी, चिमेश साहू, उषा बोरकर, दुर्गा निर्मलकर, लक्ष्मी मेश्राम, बीके जागृत, परमेश्वर, खिलेश्वर, संतराम सहित महाविद्यालय के रेडक्रास प्रभारी डॉ. प्रदीप जांबुलकर, डॉ. एमएल नंदेश्वर, डॉ. आशा चौधरी, बीआर सिवारे, डॉ. येशुकृति हजारे, वर्षा मेश्राम सहित एनएनएस के दलनायक विक्की रामटेके, पूजा डोंगरे, प्रज्वल गेडाम, डाकेश्वर वर्मा, स्वलेहा खान, लक्ष्मी लारोकर ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।शिविर में 50 छात्र-छात्राओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में स्वाति सिन्हा, कविता मंडावी, संगीता, रोशनी वर्मा, दामिनी, पूजा, पूर्वा, अमन, रोशनी साहू, डाकेश्वर वर्मा, तेजराम, हिमांशु, नवीन साहू, हिमानी, भारती, वंशिता, मानसी जैन, अदिती, आंचल, नीता आदि ने रक्तदान किया।

नेहरू कॉलेज में मना एड्स दिवस

● **नवभारत** प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 1 दिसम्बर को महाविद्यालय के यूथ रेडक्रास सोसायटी, रेडक्रास विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं को एड्स बीमारी की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ के नेत्र सहायक अधिकारी राजेश राउतकर एवं काउंसलर हितेन्द्र कोसरे एवं सिनियर टी.बी आफिसर लूकेश मंडावी उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के दलनायक विक्की रामटेके सहित नंदनी साहू, राजाराम सिन्हा, प्रियंका वर्मा, भारती वर्मा, लोकेश्वरी वर्मा, योगिता वर्मा, सुरूचि वर्मा, अकरम बैग, अनवर बैग, वैशाली, पायल, ऐश्वर्या एवं अंजली सहित अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा मुख्य वक्ताओं एवं प्राध्यापको को पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया गया.

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए रेडक्रास प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने बताया कि हर साल एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता के तहत लोगों को एड्स के लक्षण, इससे बचाव, उपचार, कारण इत्यादि के बारे में जानकारी दी जाती है और कई अभियान चलाए जाते हैं जिससे इस महामारी को जड़ से खत्म करने के प्रयास किए जा सकें.

नेहरू कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई का सात दिवसीय शिविर प्रारंभ

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष इकाई के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे एवं महिला इकाई से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा चौधरी के मार्गदर्शन में 7 दिवसीय शिविर खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम करेला भंडारपुर में 23 से 29 दिसंबर तक आयोजित किया गया है जिसका थीम ग्रामीण विकास के लिए युवा शिविर रखा गया है। 23 दिसम्बर को शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य विप्लव साहू, अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य अनुसुइया नगपुरे, ब्लाक कांग्रेस कमेटी मुढ़ीपार कोमल दास साहू, भंडारपुर प्राचार्य ललित मोहन दास, ग्राम पंचायत ग्राम भंडापुर सरपंच लक्ष्मीकांत वर्मा, ग्राम पंचायत दैहान सरपंच दिनेश्वरी दुलेश वर्मा, सरपंच ग्राम पंचायत करेला कौशल्या, देव लाल कवर, पससाही सरपंच पलटू राम साहू, शाला विकास एवं प्रबंध समिति भंडारपुर अध्यक्ष जगन सेन, सदस्य अभिषेक जैन, ग्राम पटेल हेमंत सिन्हा, ग्राम प्रमुख घनश्याम ठाकुर, समाजसेवी संतोष जैन, तेजेश्वर बंदे, अशोक शर्मा की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ किया गया।

पीजीडीसीए परिषद का गठन

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन में पीजीडीसीए विभाग की विभागाध्यक्ष तूलिका चक्रवर्ती ने परिषद का गठन किया। परिषद में काजल देवांगन को अध्यक्ष, ज्योति करसे उपाध्यक्ष, दिपेश डे सचिव, कृति देवदास सहसचिव, देववासु यादव एवं तामेश्वर वर्मा को कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में ओमनलाल मेश्राम, राजेश्वर, अनिकेत, आरती, तेजेश्वनी को नियुक्त किया गया।

विद्यार्थियों को कराया टेक्नॉलाजी सेंटर दुर्ग का शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में डोंगरगढ़ के प्राचार्य प्रदीप कुमार जांबुलकर के दिशा-निर्देशन में महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग और वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल को विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं तूलिका चक्रवर्ती के मागदर्शन में छात्र-छात्राओ को एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग एवं अक्षय पात्र भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के पीजीडीसीए, बीकॉम, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एवं डीसीए के कुल 90 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग रसमड़ा जाकर कम्प्युटर के बेसिक पार्ट्स और लैंग्वेजेज की प्रैक्टिकल जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा वहां सीएनसी मशीन एवं मशीन वर्टीकल तथा मशीन मिलिंग मशीन को प्रैक्टिकल देखा और ये भी जाना कि इन मशीन को कंप्यूटर के द्वारा कैसे चलाया जाता है और कैसे उनकी प्रोग्रामिंग की जाती है। इस अवसर पर एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग में छात्र-छात्राओं के लिए एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों को एमएसएमई द्वारा छात्र-छात्राओं को सहभगिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अक्षय पात्र भिलाई ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वहाँ की कार्यप्रणाली जानी, वहां विद्यार्थियों ने कीचन में मशीनो से भोजन बनाने की तकनीक की जानकारी प्राप्त की। अक्षय पात्र में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यस्था भी की गई थी। उक्त शैक्षणिक भ्रमण से 90 विद्यार्थी लाभावित हुए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. जांबुलकर ने सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए आयोजक विभाग को शुभकामनाएं दी।

पीजीडीसीए विभाग में काजल को बनाया परिषद की अध्यक्ष

डोंगरगढ़.पीजीडीसीए परिषद का गठन कर बताई उनकी कार्यप्रणाली।

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू कॉलेज पीजीडीसीए विभाग में परिषद का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष काजल देवांगन को, उपाध्यक्ष ज्योति करसे, सचिव दिपेश डे, सह सचिव कृति देवदास, कोषाध्यक्ष देववासु यादव व तामेश्वर वर्मा को बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्य में ओमनलाल मेश्राम, राजेश्वर, अनिकेत, आरती, तेजेस्वनी को नियुक्त किया गया। डॉ. ईवी रेवती ने छात्र-छात्राओं को परिषद व उसकी कार्यप्रणाली को समझाया कि परिषद का गठन क्यों किया जाता है व उसके क्या-क्या कार्य होते हैं। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने मनोनीत सदस्यों का स्वागत किया। विभाग के छात्र-छात्राओं कों विषय की गंभीरता व परिषद के गठन का उद्देश्य बताया।

पीजीडीसीए विभाग में परिषद का गठन

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मार्गदर्शन में पीजीडीसीए विभाग की विभागाध्यक्ष तुलिका चक्रवर्ती के द्वारा विभाग में परिषद का गठन किया गया। जिसमें काजल देवांगन को अध्यक्ष, ज्योति करसे उपाध्यक्ष, दिपेश डे सचिव, कृति देवदास सहसचिव, देववासु यादव एवं तामेष्वर वर्मा को कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में ओमनलाल मेश्राम, राजेष्वर, अनिकेत, आरती, तेजेश्वनी को नियुक्त किया गया। डॉ. ईव्ही रेवती ने छात्र-छात्राओं को परिषद व उसकी कार्यप्रणाली समझायी कि परिषद का गठन क्यों किया जाता है व उसके क्या-क्या कार्य होते है। उसके बाद प्राचार्य द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया व विभाग के छात्र-छात्राओं कों विषय की गंभीरता व परिषद के गठन का उद्देश्य समझाया गया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

कम्प्यूटर साइंस विभाग में भूतपूर्व विद्यार्थियों की बैठक आयोजित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 26 मार्च शनिवार को प्राचार्य प्रदीप जांबुलकर के नेतृत्व में कम्प्यूटर विभाग में तूलिका चक्रवर्ती द्वारा एलुमिनि सदस्यो की मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईवी रेवती एवं इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी उपस्थित रही। बैठक में भूतपूर्व छात्र छात्राओं के साथ वर्तमान सत्र के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। बैठक में नैक पीयर टीम के आगमन के विषय में चर्चा की गई। विभाग को किस तरह सुसज्जित किया जाऐ इस पर भूतपूर्व छात्र-छात्राओं से सुझाव भी लिए गए। भूतपूर्व छात्र अविनाश टेम्भुरकर द्वारा सुझाव दिया गया कि ई-फ्रॉड से कैसे बचना चाहिए। इसकी जानकारी फ्लेक्स बैनर के माध्यम से कक्षा में लगी होनी चाहिए। यशवंत देवांगन द्वारा सुझाव दिया गया कि कंप्यूटर विभाग के सभी विषय का आउटकम विद्यार्थियों को इसकी भी जानकारी लगी होनी चाहिए। अन्य छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। अंत में विभाग द्वारा सभी को स्वल्पाहार देकर धन्यवाद प्रकट किया गया।

नेहरू महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

● नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष बीआर सिवारे के मागदर्शन में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाएं विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया.

मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नतकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की भौतिकशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रितिबाला टांक उपस्थित थी. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया.

मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाला टांक ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में भौतिकशास्त्र की विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने भौतिकी के विद्यार्थियों को दी गई. भौतिकी के क्षेत्र में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता डॉ. प्रितिबाल टांक को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन लीलाराम देवांगन ने किया.

भौतिकशास्त्र विभाग में सी.एस.आइ.आर. तथा यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी हेतु अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान संपन्न

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 30 अक्टूबर को प्राचार्य के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन में भौतिक शास्त्र विभाग में सी.एस.आइ.आर. तथा यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी कैसे करें विषय पर अंतर विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में अंग्रेजी विभाग के अ.व्या. सुनील कुमार उपस्थित थे। व्याख्यान का शुभारंभ सुनील सर के स्वागत के साथ हुआ , तत्पश्चात मुख्य वक्ता द्वारा सी.एस.आइ.आर. यूजीसी नेट तथा यूजीसी नेट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । सुनील सर द्वारा सर्वप्रथम छात्र-छात्राओं को सी.एस.आइ.आर. नेट तथा यूजीसी नेट में अंतर बताकर छात्र-छात्राओं की मन में जो भ्रम था उसे दूर किया गया तत्पश्चात सुनील सर द्वारा परीक्षा की तैयारी कैसे करें , कहां से करें , पढ़ने का क्या तरीका क्या होना चाहिए , पाठ्यक्रम को कैसे पूर्ण करें एवं पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करने से हम कैसे तैयारी को मजबूत कर सकते हैं इत्यादि विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम कें अंत में भौतिक शास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार साहू द्वारा मुख्य वक्ता सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया गया। इस अतिथि व्याख्यान से भौतिकी विभाग के 40 छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए।

भौतिकी शास्त्र विभाग में परिषद गठन

लक्ष्मीनारायण साहू बने अध्यक्ष

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 29 नवंबर को प्राचार्य डॉक्टर के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन में भौतिक शास्त्र विभाग में परिषद गठन किया गया। परिषद गठन के इस अवसर पर भौतिक शास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार साहू ने परिषद गठन के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी विभाग में परिषद गठन इसलिए किया जाता है कि उस विभाग से संबंधित गतिविधियों को सही तरीके से संचालित किया जा सके और साथ ही साथ विभाग में हो रहे समस्त कार्यक्रमों में परिषद के पदाधिकारियों को कार्यक्रम का संचालन करना है। भौतिक शास्त्र विभाग के परिषद के पदाधिकारियों में अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साहू , उपाध्यक्ष पुष्कर साहू ,सचिव साई प्रसाद तथा सह सचिव वेद प्रकाश तथा कोषाध्यक्ष खेमचंद साहू को चुना गया। अंत में अतिथि व्याख्याता रोशन कुमार ने सभी विद्यार्थियों बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजनीति विज्ञान विभाग में व्याख्यान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देश और राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मागदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग एमए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों में प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतिकरण का विषय प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं नीति निदेशक तत्व एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए शस्त्र नियंत्रण एवं निशस्त्रीकरण था। जिस पर विद्यार्थियों ने पॉवर पाइंट प्रजेंटेषन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग अन्य छात्र राकेश, किशोर, नीरज, लीलाधर, नम्रता, निखिल, दिनेश, सरस्वती, दुराग्नि, पूजा सहित सभी 35 छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रस्तुति दी जिसमें अनेक छात्राओं के इन विषयों पर दृष्टिकोण के बारे में पता चला।

नेहरू महाविद्यालय में राजनीतिक संस्कृति पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मार्गदर्शन में 17 फरवरी को महाविद्यालय राजनीतिक संस्कृति विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा की राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ अलका आर देव उपस्थित थी। शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ.अलका आर देव का स्वागत राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्षा नीशी द्वारा पुष्पगुच्छ से किया गया। इसी प्रकार महाविद्यालय के प्राचार्य का स्वागत विभाग के उपाध्यक्ष प्रवीण सोनी एवं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष का स्वागत विभाग के सचिव सिमरन पटेल द्वारा पुष्पगुच्छ से किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ.अलका आर देव ने राजनीतिक संस्कृति विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि राजनीति संस्कृति विभिन्न विषयों से संबंधित है एवं संस्कृति से ही व्यवस्था बनाई जा सकती है अर्थात संस्कृति ही व्यवस्था का प्रारूप है। अगर हम अपनी संस्कृति में नहीं रहेंगे तो हम समाज के किसी भी व्यवस्था में रहने के लायक नहीं रहेंगे। राजनीतिक संस्कृति एक विकासशील व गत्यात्मक अवधारणा है। इसकी प्रकृति परिवर्तनशील तथा विकासोन्मुखी होती है। इसका निर्माण ऐतिहासिक विकास की पृष्ठभूमि में होता है। राजनीतिक व्यवहार और राजनीतिक संस्कृति का आपस में गहरा सम्बन्ध है। इससे व्यक्ति और समूह के राजनीतिक आचरण का बोध होता है। यह प्रगतिशील और समन्वयकारी होने के कारण रूढ़िवादी समाज को सांस्कृतिक विरासत होती है। यह राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले दबाव समूह व राजनीतिक दलों की गतिविधियों से भी काफी प्रभावित होती रहती है। इसके ऊपर कुछ आन्तरिक तथा बाह्य शक्तियों का भी प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक संस्कृति में समयानुसार परिवर्तन, संशोधन, सुधार एवं विकास होता रहता है। राजनीतिक संस्कृति का विशेष स्वभाव इसकी गतिशीलता है, जड़ता नहीं।

एक राजनीतिक संस्कृति कई उप-संस्कृतियों को भी समेटे रखती है। इसे राजनीतिक एकता के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। इसके अनेक रूप होते है और यह राजनीतिक व्यवहार को अंगीकार करने में सक्षम होती है। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के उपाध्यक्ष प्रवीण सोनी के एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर द्वारा किया गया। व्याख्यान में राजनीति विज्ञान एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के साथ अन्य बीए भाग एक दो एवं तीन के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग में छात्र-छात्राओं ने विषय से संबंधित बिन्दुओं पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से रखे अपने विचार

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों में प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतिकरण का विषय प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं नीति निर्देशक तत्व एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए शस्त्र नियंत्रण एवं निशस्त्रीकरण था, जिस पर विद्यार्थियों ने पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ममता ने भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार क्यों आवश्यक है इसके बारे में बताया एवं प्रथम सेमेस्टर की छात्रा मीणा ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना दी एवं मौलिक अधिकार का उल्लेख किया। इसी के साथ प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ने नीति निर्देशक तत्व को प्रस्तुत किया। प्रथम द्वितीय सेमेस्टर सीन राजनीति विज्ञान विभाग की सचिव सिमरन चंदेल ने प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध से होने वाले परिणामों का उल्लेख किया और इन हालातों से बचने के लिए निशस्त्रीकरण की उपयोगिता के बारे में बताया एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र मोहित कुमार ने बताया कि अस्त्र-शस्त्र के द्वारा लड़ा गया युद्ध कितना खतरनाक होता है और उन्होंने बताया कि वर्तमान में हमें ऐसे भयानक परिणाम वाले युद्ध से बचना चाहिए और इसीलिए निशस्त्रीकरण आवश्यक है। इसी के साथ ही राजनीति विज्ञान विभाग की छात्र परिषद के अध्यक्ष नौशी ने शस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण के मूल अंतर को समझाया और बताया कि यह क्यों आवश्यक है। राजनीति विज्ञान विभाग अन्य छात्र-राकेश, किशोर, नीरज लीलाधर, नम्रता, निखिल, दिनेश, सरस्वती, दुर्गानि, पूजा सहित सभी 35 छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रस्तुति दी जिसमें अनेक छात्राओं के इन विषयों पर दृष्टिकोण के बारे में पता चला।

राजनीति विज्ञान परिषद का गठन

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान विभागध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मागदर्शन में राजनीति विज्ञान परिषद का गठन किया गया। अध्यक्ष तृतीय सेमेस्टर की नौशी कुरैशी, उपाध्यक्ष एमए प्रथम की नम्रता वर्मा, सचिव तृतीय सेमेस्टर की सिमरन चंदेल, सह सचिव रागनी सिन्हा, कोषाध्यक्ष अंकिता जैन विभागीय ग्रंथालय अध्यक्ष दामिनी साहू एवं सहायक निखिल वैष्णव हैं। कक्षा प्रतिनिधि हेतु प्रथम सेमेस्टर में ममता एवं तृतीय सेमेस्टर में सीमा साहू का चयन किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग में हुई समूह चर्चा

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के निर्देशन एवं

राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर के मागदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में समूह चर्चा का आयोजन किया गया। समूह चर्चा का शीर्षक भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं नीति निदेशक तत्व का महत्व था, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने-अपने मत रखें। इस तृतीय सेमेस्टर की छात्रा दामिनी साहू ने बताया कि नीति निर्देशक तत्व में जो संशोधन किए गए है वह क्यों किए गए और इसकी क्या आवश्यकता थी। उसी प्रकार प्रथम सेमेस्टर के छात्र निखिल वैष्णव ने बताया कि मौलिक अधिकार से ज्यादा जरूरी मौलिक कर्तव्य होना चाहिए क्योंकि अगर हम अपने कर्तव्य का पालन ठीक से करें तो अधिकार हमें अपने आप ही मिल जाएंगे। समूह चर्चा में सभी विद्यार्थियों एम.ए प्रथम सेमेस्टर से प्रवीण सोनी राकेश बलविंदर नीरज लीलाधर नम्रता वीणा ममता पवन एवम तृतीय सेमेस्टर से सिमरन चंदेल मोहित किशोर संगीता सरस्वती दुरागनी नौशीन दिनेश मोनिका सीमा विनालिशा रवि पूजा सहित 35 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राजनीति विभाग में परिषद गठित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मागदर्शन में 30 जनवरी को राजनीति विज्ञान विभाग में परिषद गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर की छात्रा नौशी कुरैशी, उपाध्यक्ष एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा नम्रता वर्मा, सचिव पद तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सिमरन चंदेल सह सचिव एमएम छात्रा रागनी सिन्हा कोषाध्यक्ष एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अंकिता जैन विभागीय ग्रंथालय अध्यक्ष तृतीय सेमेस्टर की छात्रा दामिनी साहू एवं सहायक पद के लिए एमए प्रथम सेमेस्टर से निखिल वैष्णव का चयन किया गया।

साथ ही कक्षा प्रतिनिधि के लिए प्रथम सेमेस्टर से ममता एवं तृतीय सेमेस्टर से सीमा साहू का चयन किया गया। सभी चयनित पदाधिकारी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डॉ. टांडेकर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने बधाई देते हुए विभागीय गतिविधियों के साथ शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया। प्राचार्य ने राजनीति विषय का महत्व बताते हुए कहा कि इस विषय के छात्र छात्राओं में नेतृत्व की अच्छी क्षमता होती हैं, इस विषय के छात्र हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अंत में प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों को कोरोना महामारी से बचने के लिए मास्क, सेनेटाइजर एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते रहने की निर्देशित किया।

पोस्टर, निबंध के माध्यम से एड्स के प्रति किया जागरूक

डोंगरगढ़(दावा)। शा.नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के एल टाण्डेकर के निर्देशन एवं रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जांबूलकर एवं एन.एस.एस के कार्यक्रम अधिकारी बी.आर.सिवारे के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस के अवसर में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर महाविद्यालय के विद्यार्थियो एवं शहर के लोगो को एचआईव्ही के बारे में जागरूक कर इससे बचने सावधानियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर एन.एस.एस. एवं रेडक्रॉस के स्वयं सेवकों में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर,स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरेसी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेश्वरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 12 जनवरी मंगलवार को प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर के निर्देशन, रेडक्रास के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी बीआर सिवारे, डॉ. आशा चौधरी एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ केएल टाण्डेकर ने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर हर वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के लिये भारतीय सरकार ने घोषित किया था. स्वामी विवेकानंद का दर्शन और उनके आदर्श की ओर देश के सभी युवाओं को प्रेरित करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा ये फैसला किया गया था.

इस अवसर पर एनएसएस एवं रेड क्रॉस के स्वयं सेवको में एनएसएस के दलनायक विक्की रामटेके, उपदल नायक मोहनिश तुरकर, स्वयंसेवक तामेश, विकास, नौशि कुरैशी, मनीष साहू, राजाराम, भारती, सिमरन, इतेशवरी आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

भूगोल विभाग
REDMI NOTE 9 PRO MAX
AI QUAD CAMERA

भूगोल विभाग
REDMI NOTE 9 PRO MAX
AI QUAD CAMERA

ROOM
NO-02

जीवन आनंद वृद्धाश्रम

नेहरू कॉलेज में बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण, मेधावी छात्रों का सम्मान

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 15 जुलाई को स्थानीय विधायक एवं अनुसूचित जाति प्राधिकरण के अध्यक्ष भुनेश्वर बघेल के मुख्य आतिथ्य, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान के विशिष्ट आतिथ्य एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, कांग्रेस नेता शिशुपाल भारती एवं गणेश मुदलियार सहित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के आतिथ्य में महाविद्यालय के नवीन भवन में निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए परिस्थिति की पाठशाला एवं विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर द्वारा मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल सहित समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात एनएसयूआई टीम के डाकेश्वर वर्मा ने मांगपत्र का वाचन कर छात्र-छात्राओं की मांगो से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अध्ययन-अध्यापन के लिए यहां समस्त सुविधाएं उपलब्ध है एवं छात्र संगठन द्वारा समय-समय पर जो भी मांगे की जा रही है, उसे छात्रहित को ध्यान में रखते हुए पूर्ण किया जायेगा। श्री बघेल ने कोविड-19 काल में विश्वविद्यालयीन परीक्षा में छात्रसंघ द्वारा दूरवर्ती एवं ग्रामीण अंचल में रहने वाले विद्यार्थियों तक उत्तर पुस्तिका पहुंचाने से लेकर उनसे उत्तर पुस्तिका लेकर महाविद्यालय में जमा करने के प्रयास को सराहनीय बताते हुए एक दूसरे की निरंतर मदद करते रहने की बात कही। विधायक श्री बघेल ने छात्रसंघ की मांग पर महाविद्यालय में एक नग बोर खनन सहित अपनी ओर से महाविद्यालय परिवार को छात्र-छात्राओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए एक नग वॉटर कूलर प्रदान करने की भी घोषणा की। साथ ही कोविड-19 के नियमो का पालन करने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की बात कही। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय में छात्र-छात्राओ की सुविधा विस्तार हेतु निरंतर कार्य किये जा रहे है, महाविद्यालीन छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे इसके लिए महाविद्यालय में और भी कई सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम ने भी छात्र-छात्राओं की मांग पर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं हेतु सायकल स्टेण्ड निर्माण जल्द-जल्द पूर्ण कराने की बात कही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने सत्र 2015-16, 2018-19 एवं 2019-20 के विश्वविद्यालयीन प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया को 2-2 हजार रूपये के चेक देकर सम्मानित किया गया।

पाठशाला का उद्घाटन

महाविद्यालय में निर्धन तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में असुविधा न हो इसके लिए महाविद्यालय द्वारा परिस्थिति की पाठशाला योजना का शुभारंभ किया गया। जिसका कार्यक्रम में उपस्थित विधायक भुनेश्वर बघेल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नवाज खान एवं नगर पालिका अधिकारी सुदेश मेश्राम ने फीता काटकर परिस्थिति की पाठशाला कक्ष का शुभारंभ किया, जहां से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राएं निःशुल्क पाठ्य सामग्री सहित स्टेशनरी प्राप्त कर सकेंगे। अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को खेलकूद सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट का फीता काटकर लोकार्पण किया। महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समस्त अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

योग कर अनेक बीमारियों से बच सकते हैं

डोंगरगढ़. कॉलेज प्रांगण में योगा दिवस पर किया गया योग।

शासकीय नेहरू कॉलेज डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा- निर्देशन व शारीरिक शिक्षण विभाग के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर के नेतृत्व में कॉलेज में सुबह सात बजे से योगाभ्यास कराया गया। इसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर योगाचार्य सिद्धार्थ नागदेवे, गोपाल महोबिया, श्याम तिवारी उपस्थित थे। योगाचार्यों ने शासन द्वारा निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते सूर्यप्राणायाम, मंडूक आसन, गोमुख आसन, मर्कट आसन, पवन मुक्त आसन, अर्ध चंद्रावसन, सर्वांग आसन, क्षवाआसन, प्राणायाम, , मस्तिका, कपालभारती, महाप्रणायाम, अग्निसार, , अनुलोम-विलोम जैसे विभिन्न योग अभ्यास कराए गए। प्रतिदिन योग अभ्यास करते रहने से हम अपने शरीर एवं स्वास्थ्य को मजबूत बना सकते हैं। जिसके फलस्वरूप हम अनेक बीमारियों से बचे हर सकते हैं।

योग कर अनेक बीमारियों से बच सकते हैं

डोंगरगढ़. कॉलेज प्रांगण में योगा दिवस पर किया गया योग।

शासकीय नेहरू कॉलेज डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा- निर्देशन व शारीरिक शिक्षण विभाग के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर के नेतृत्व में कॉलेज में सुबह सात बजे से योगाभ्यास कराया गया। इसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर योगाचार्य सिद्धार्थ नागदेवे, गोपाल महोबिया, श्याम तिवारी उपस्थित थे। योगाचार्यों ने शासन द्वारा निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते सूर्यप्राणायाम, मंडूक आसन, गोमुख आसन, मर्कट आसन, पवन मुक्त आसन, अर्ध चंद्रावसन, सर्वांग आसन, क्षवाआसन, प्राणायाम, , मस्तिका, कपालभारती, महाप्रणायाम, अग्निसार, , अनुलोम-विलोम जैसे विभिन्न योग अभ्यास कराए गए। प्रतिदिन योग अभ्यास करते रहने से हम अपने शरीर एवं स्वास्थ्य को मजबूत बना सकते हैं। जिसके फलस्वरूप हम अनेक बीमारियों से बचे हर सकते हैं।

खेल दिवस डोंगरगढ़ कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय व वरिष्ठ खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 161वीं जयंती मनी

पत्रिका स्पोर्ट्स कॉर्नर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

[illegible]

कार्यक्रम में शामिल हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल

[illegible]

मृणाल ने जाहिर की उत्सुकता

[illegible]

नेहरू महाविद्यालय में दस दिवसीय योग शिविर संचालित

■ योगाचार्यों से महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सीख रहे योग के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा 10 दिवसीय योग शिविर का आयोजन 03 अगस्त से 12 अगस्त तक आयोजित है। महाविद्यालय प्रांगण में प्रतिदिन प्रातः 07 बजे योग शिविर प्रारंभ होता है। कोरोना को ध्यान में रखते हुए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है। इस 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर में डोंगरगढ़ पतांजली योग समिति के प्रशिक्षित योगाचार्यों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन नये आसान को अभ्यास के रूप में कराया जाता है एवं उसके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव एवं लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। योग शिविर के प्रथम दिवस सिद्धार्थ मनादेवे, गोपाल महोबिया, महाविद्यालया के प्राध्यापक प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डॉ. आर.आर कोचे, कर्मचारीकरण बीआर कोसले, केजी सोनकर, विवेक श्रीवास, शैलेन्द्र यादव, झंगलूराम साहू, रूपाली फुले, प्रियंका सहारे, विरेन्द्र सिन्हा, शैलेन्द्र साहू, द्रोपति सेन, श्वेता खांगोडे, सिमरन, सहारे, मोहनीश तुरकर, प्रज्जवल गेडाम, आकश साहू, प्रियंका सहारे तोरण वर्मा, राजाराम सिन्हा, टुमेश्वर साहू, आदि उपस्थित रहे।

हॉकी खिलाड़ी चौबे ने बताए सफलता के गुर

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में शारीरिक शिक्षण विभाग ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य अतिथि हॉकी खिलाडी मृणाल चौबे थे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी एवं प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने की। कार्यक्रम के आरंभ में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। स्वागत के पश्चात प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। मुख्य अतिथि ने अपने संघर्षमय जीवन के बारे में छात्र-छात्राओ को बताया। इस व्याख्यान में हॉकी के बारे में जानकारी दी गई। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ईव्ही रेवती ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर, दीपेश डे, उज्जवल गेडाम, वंदना आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम

नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

खेल दिवस पर हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया याद

नेहरू कालेज में फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शा.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एंड हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता दिनेश नामदेव एवं प्राचार्य ने सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है, क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्रोत है. हम सभी को फिटनेस का महत्व समझते हुए एक स्वस्थ एवं समृद्ध, वैश्विक समाज के निर्माण के लिए अपनी फिटनेस एवं हेल्थ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी देते बताया कि आज के यांत्रिक युग में प्रत्येक मनुष्य अपनी शारीरिक पुष्टि बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है.

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में खेल दिवस के अवसर पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन में शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद जी की 161 वी जयंती के अवसर पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद जी के तैलचित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत के पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने अपने इस अतिथि व्याख्यान के गरीमामय कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर संदेश दिया कि वर्तमान में पूरा देश जिस महामारी से जूझ रहा है इन सबको देखते हुए सभी को कुछ न कुछ खेलो में भाग लेकर अपने आप को स्वस्थ्य रखना अति आवश्यक है। यदि हम स्वस्थ्य रहेंगे तो हमारा मानसिक एंव शारीरिक विकास होगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष ने भी अपने उद्बोधन में समस्त खेलो के बारे में जानकारियां दी एवं सभी को संदेश दिया कि प्रतिदिन खेलना अतिआवश्यक है और इसके साथ ही एक लक्ष्य निर्धारित करना अति आवश्यक है ताकि हम उस लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सके। अंत में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने भी अपने इस संघर्षमय जीवन के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया कि कड़ी मेहनत, लगन, अनुशासन, समय का यदि हम ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही हम अपने मुकाम पर अवश्य ही पहुंच पायेंगे। इस अतिथि व्याख्यान में हॉकी से संबंधित सभी खेल कौशल और उनके नियमों और चयन के संबंध में बहुत ही विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डाकेश्वर वर्मा की ओर से भी अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार सहा.प्राध्या. डॉ. ई.व्ही. रेवती ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश गुरुकर, दीपेश दे, उज्ज्वल गेडाम, वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बदलाव के कारण सर्दी-खांसी के ... की सलाह दी जा रही है. ... के विक्रय के तरीकों का कड़ा विरोध किया है.

नेहरू महाविद्यालय में बेडमिंटन कोर्ट व पाठशाला का हुआ लोकार्पण

- मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित
- महाविद्यालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण

नवभारत प्रतिनिधि • डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 15 जुलाई को महाविद्यालय के नवीन भवन में निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण सहित आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए परिस्थिति की पाठशाला एवं विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर द्वारा मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल सहित समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंटकर सम्मानित किया गया. तत्पश्चात एनएसयूआई टीम के डाकेश्वर वर्मा ने मांगपत्र का वाचन कर छात्र-छात्राओं की मांगो से अवगत कराया गया. विधायक श्री बघेल ने छात्रसंघ की मांग पर महाविद्यालय में एक नग बोर खनन सहित अपनी ओर से महाविद्यालय परिवार को छात्र-छात्राओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए एक नग वॉटर कूलर प्रदान करने की भी घोषणा की. कार्यक्रम को जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया.

कार्यक्रम में महाविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने सत्र 2015-16, 2018-9 एवं 2019-20 के विश्वविद्यालयीन प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया को 2-2 हजार रूपये के चेक देकर सम्मानित किया गया. जिसमें ट्विंकल अग्रवाल पिता गिरधारी अग्रवाल सहित अन्य छात्र छात्राएं शामिल है. महाविद्यालय में निर्धन एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को पठन.पाठन में असुविधा न हो इसके लिए महाविद्यालय द्वारा परिस्थिति की पाठशाला योजना का शुभारंभ किया गया, जहां से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राएं निःशुल्क पाठ्य सामाग्री सहित स्टेशनरी प्राप्त कर सकेंगे इसके पश्चात अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को खेलकूद सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से नवनिर्मित बेडमिंटन कोर्ट का फीता काटकर लोकार्पण किया. तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समस्त अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापकगण डॉ. ई.व्ही. रेवती डॉ. आर.आर.कोचे, बीआर सिन्हारे, ग्रंथपाल नितेश तिरपुडे सहित अतिथि व्याख्यातगण डॉ. नीता ठाकुर डॉ. वेसुक्रिती हजारे डॉ. नौशिन अंजुम डॉ. मेधाविनी तुरे डॉ. विजय लाल तिवारी, श्रीमती ज्योति ठाकुर, श्रीमती तुलिका चक्रवर्ती, कु. ऋचा अग्रवाल श्रीमती उमा महोबिया कु. प्रतिभा सिंह, कु. पदमा खुटे कु. अनिमा मिंज कु. वर्षा मेश्राम सुनील कुमार हेमंत कुमार रोशन कुमार वासुदेव साहू सहित महाविद्यालय के कर्मचारी संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीआर कोसले, बीएस मंडावी, मोहदा उइके, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागड़े सहित छात्रसंघ के डाकेश्वर वर्मा रमन साहू आदि उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया.

हेल्थ पर हुआ एक दिवसीय व्याख्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीडा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता डॉ. नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेश सर्वोपरी है, क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्रोत है। शरीर को स्वस्थ, सबल, निरोग, चुस्त एवं दुरुस्त रखना प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसीलिए मां भी जन्म से ही अपने शिशु के शारीरिक पोषण पर अधिक ध्यान देती है। जीवन की सार्थकता एवं सफलता की प्राप्ति तभी संभव है, जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ, सबल एवं सक्षम रहें। इसी के अनुरूप हमारी मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक एवं नैतिक योग्यता संचालित होती है। अतः प्रत्येक मनुष्य, विशेषकर विद्यार्थी को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्हें अपने व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के लिए जीवन में अनुशासन का पालन करना चाहिए। अपनी दिनचर्या सुनिश्चित कर उसका अनुपालन करना चाहिए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता नामदेव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया।

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजन

शारीरिक शिक्षा का महत्व विषय पर हुआ अतिथि व्याख्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में क्रीड़ा विभाग में शारीरिक शिक्षा का महत्व विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन 2 फरवरी को किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के क्रीड़ा अधिकारी अरूण कुमार चौधरी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ने शारीरिक शिक्षा का जीवन में महत्व बताते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षा सुनते ही मनुष्य समझ जाता है कि मानव शरीर के विषय में बात होगी। हमारा शरीर ईश्वर का दिया हुआ सब से हसीन तोहफा है। इसकी हिफाजत करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। तीरांदाजी, तलवार बाजी, घुड़सवारी, देशी व्यायाम, कुश्ती आदि शारीरिक शिक्षा में शामिल था। जैसे-जैसे लोग विकास करते गए शारीरिक शिक्षा का उद्देश्य भी विकसित होने लगा। सभ्यता के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा के तरीकों में भी विकास हुआ। प्राचीन काल में साधारण परिवार के बच्चों के साथ ही राजा-महाराजा के बच्चे भी गुरूकुल में शारीरिक शिक्षा प्राप्त करते थे।

नेहरू कालेज में फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शा.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत फिजिकल फिटनेस एंड हेल्थ विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाटन के क्रीडा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार नामदेव उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता दिनेश नामदेव एवं प्राचार्य ने सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश नामदेव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को फिजिकट फिटनेश एवं हेल्थ में अंतर बताया कि शारीरिक फिटनेस सर्वोपरि है, क्योंकि यह अन्य सभी मानवीय शक्तियों, गुणों अथवा भावों का स्रोत है. हम सभी को फिटनेस का महत्व समझते हुए एक स्वस्थ एवं समृद्ध, वैश्विक समाज के निर्माण के लिए अपनी फिटनेस एवं हेल्थ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को फिजिकल फिटनेस एवं हेल्थ पर जानकारी देते बताया कि आज के यांत्रिक युग में प्रत्येक मनुष्य अपनी शारीरिक पुष्टि बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है.

नेहरू महाविद्यालय में 10 दिवसीय योग शिविर संचालित

योगाचार्यों से महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सीख रहे योग के गुर

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा 10 दिवसीय योग शिविर का आयोजन 03 अगस्त से 12 अगस्त तक आयोजित है। महाविद्यालय प्रांगण में प्रतिदिन प्रातः 07 बजे योग शिविर प्रारंभ होता है। कोरोना को ध्यान में रखते हुए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है। इस 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर में डोंगरगढ़ पतांजली योग समिति के प्रशिक्षित योगाचार्यों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन नये आसान को अभ्यास के रूप में कराया जाता है एवं उसके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव एवं लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। योग शिविर के प्रथम दिवस सिद्धार्थ मनहरे, गोपाल महोबिया, महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रदीप कुमार जामुलकर, डॉ. आर.आर. कोचे, कर्मचारीकरण कौशल कोसले, केजी सोनकर, विवेक श्रीवास, शैलेन्द्र यादव, झनेलूराम साहू, रूपाली फुले, प्रियंका महारे, विरेन्द्र सिन्हा, शैलेन्द्र साहू, द्रौपति सेन, श्वेता सोगोरे, चित्रलेखा महारे, मोहनीश तुरकर, प्रज्जवल गेडाम, आकाश साहू, प्रियंका सहारे तोरण वर्मा, राजाराम सिन्हा, टुमेश्वर साहू, आदि उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने दिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के टिप्स

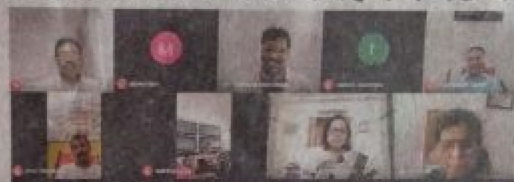

सेमिनार में शामिल विभिन्न कालेजों के प्राध्यापक। • इंटरनेट मीडिया

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में कोविड-19 एंड मेंटल हेल्थ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डा.अरुणा पल्टा थी। विशिष्टअतिथि के रूप में शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय नागपुर महाराष्ट्र के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर डा.सुखदेव विश्वास एवं विषयक विशेषज्ञ के रूप में शारीरिक शिक्षण विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के डीन एवं प्रोफेसर डा.सीडी आगासे उपस्थित रहे। राष्ट्रीय वेबिनार में विषय विशेषज्ञों ने कोविड-19 एवं मेंटल हेल्थ विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि हम पिछले दो वर्षों से यह महसूस कर रहे हैं कि जिस प्रकार कोरोना पूरे विश्व में कहर बनकर तबाह करने में लगा हुआ था उस समय लोगों के मस्तिष्क में यह चिंता सता रही थी कि अब हमारा क्या होगा। इसी सोच के चलते मनुष्य ने अपने मन में डर को बिठा लिया। इसी डर से लोग मानसिक एवं शारीरिक रूप से कमजोर होने लगे। जब दूसरी लहर आई तब लोगों में काफी दहशत होने लगी। अपने को खोने का डर लोगों को सता रहा था। जिसके कारण वे मानसिक रूप से काफी कमजोर होने लगे। मानसिक स्वास्थ्य का ठीक होना अति आवश्यक है।

विशेषज्ञों ने कहा कि कोरोना से डरना नहीं है। बल्कि उसका मजबूती से सामना करना है। मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हो जाते तब तक इस भयंकर कहर से बचना मुश्किल है। कोरोना की जंग को जीतने या उसको हराने के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्वास्थ होना अति आवश्यक है। राष्ट्रीय वेबिनार में छग, मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों से लगभग 175 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दी।

फिजिकल फिटनेस पर व्याख्यान • भोजन के अनुरूप शक्तियों, भावों, गुणों, आचार, चिंतन, कर्म का होना स्वाभाविक प्रक्रिया बताया

शरीर चुस्त व दुरुस्त रखना प्राथमिकता होनी चाहिएः नामदेव

उत्तम स्वास्थ्य ही प्रत्येक व्यक्ति का सबसे बड़ा धन है

शारीरिक शिक्षा का महत्व पर नेहरू कालेज में अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में क्रीड़ा विभाग में शारीरिक शिक्षा का महत्व विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन 2 फरवरी को किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के क्रीड़ा अधिकारी अरूण कुमार चौधरी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता अरूण कुमार चौधरी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए शारीरिक शिक्षा का जीवन में महत्व बताते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षा सुनते ही मनुष्य समझ जाता है कि मानव शरीर के विषय में बात होगी। हमारा शरीर ईश्वर का दिया हुआ सब से हसीन तोहफ है। इसकी हिफाजत करना हमारी सब से बड़ी जिम्मेदारी है। हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जिस क्रिया का पालन करते हैं,

उसे शारीरिक शिक्षा कहते है। हम लोगों ने स्कूलों में सुना और लिखा हुआ देखा है कि स्वास्थ्य ही धन है। यह बिलकुल सही है।

यदि हमारा शरीर स्वस्थ न हो तो हम किसी भी क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई तक नहीं पहुंच सकते। शारीरिक शिक्षा से मानसिक शक्ति का विकास होता है, सौंदर्य में निखार तथा रोगों का निवारण होता है। पुराने जमाने में भी शारीरिक शिक्षा को बहुत महत्व दिया जाता था। उस समय लोग देशी कसरत किया करते थे। प्राचीन काल में शारीरिक शिक्षा का उद्देश्य केवल शरीर को मजबूत करना होता था। उस समय लोग बोझ ढोने, शिकार करने, लकड़ी काटने, युद्ध करने आदि के लिए अपने शरीरों को मजबूत बनाते थे। तीर अंदाजी, तलवार बाजी, घुड़सवारी, देशी व्यायाम,कुश्ती आदि शारीरिक शिक्षा में शामिल था। जैसे-जैसे लोग विकास करते गए शारीरिक शिक्षा का उद्देश्य भी विकसित होने लगा। सभ्यता के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा के तरीकों में भी विकास हुआ। प्राचीन काल में साधारण परिवार के बच्चों के साथ ही राजा-महाराजा के बच्चे भी गुरूकुल में शारीरिक शिक्षा प्राप्त करते थे। सरकार स्कूलों में खाने का प्रबंध कर रही है उन्हें शिक्षा का अधिकार दे चुकी है लेकिन क्या ये ही तत्व किसी बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है? छात्रों को शरीर के अंगों का ज्ञान, उनकी रचना और कार्यों का बोध कराने के लिए शारीरिक शिक्षा महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने भी छात्र-छात्राओं को शारीरिक शिक्षा की महत्ता बताते हुए इस विषय में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता अरूण कुमार चौधरी को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया।

नेहरू महाविद्यालय में कार्यक्रम

खेल दिवस पर अंतरर्ष्ट्रीय एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में खेल दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय एवं वरिष्ठ खिलाड़ियो का सम्मान किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। स्वागत के बाद प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का महासंगम हुआ है। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी मृणाल चौबे को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, शतरंज खिलाड़ी मोहम्मद हारून, फुटबाल के विल्सन सतुर, एथलेटिक्स एस. हनुमंतराव, वॉलीबाल के चिंतामण यादव, टेलब टेनिस के रामलखन साहू, बेडमिंटन के राजेन्द्र उववने, हॉकी के ललित किशोर नारंग आदि उपस्थित थे। मोहम्मद हारूण बेग ने कहा कि महाविद्यालय में आकर विद्यार्थी जीवन याद आ गया। एस.हनुमंतराव ने अपने खेल जीवन पर प्रकाश डाला। श्री नारंग ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला। फिरोज अंसारी ने भी महाविद्यालय में उपस्थित होते हुए कहा कि समारोह में शामिल होना अविस्मरणीय पल है। हॉकी खिलाडी मृणाल चौबे ने भी प्रथम बार महाविद्यालय आगमन पर प्रसन्नता जताई। प्राचार्य ने अतिथियों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर, डाकेश्वर वर्मा, दीपेश डे, उज्वल गेडाम, वंदना आदि उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षा के महत्व पर व्याख्यान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में क्रीड़ा विभाग में शारीरिक शिक्षा के महत्व पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता दिग्विजय महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अरूण कुमार चौधरी थे। श्री चौधरी ने छात्र-छात्राओं को शारीरिक शिक्षा का जीवन में महत्व बताया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने शारीरिक शिक्षा की महत्ता बताते हुए भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अंत में प्राचार्य ने श्री चौधरी को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नंदेश्वर ने किया।

सम्मानित किए गए जिले के वरिष्ठ खिलाड़ी

नेहरू कॉलेज में खेल दिवस पर आयोजन, एस हुनमंत राव ने खेल के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में खेल दिवस पर जिले के विभिन्न खेलों के अंतरराष्ट्रीय व वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि यह पहला अवसर होगा जब कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर जिले के विभिन्न खेल विधाओं के वरिष्ठ खिलाड़ियों का महासंगम हुआ। कार्यक्रम के रोल मॉडल अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राएं उत्साहित दिखे।

छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी व डोंगरगढ़ के वरिष्ठ शतरंज खिलाड़ी मोहम्मद हारून, फुटबॉल के किल्सन सगुर, एथलेटिक्स के एस हनुमंतराव, वॉलीबाल के चिंतामणि यादव, टेबल टेनिस के रामलखन साहू, बैडमिंटन के राजेंद्र उजवने, हॉकी के ललित किशोर नारंग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मोहम्मद हारून बेग ने कहा कि कॉलेज में आकर अपने छात्र जीवन की याद आ गई। महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को सम्मान देकर हमारा मान बढ़ाया है। एस हनुमंतराव ने अपने खेल जीवन पर प्रकाश डाला व उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को खेल के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। नारंग ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला।

डोंगरगढ़. खेल दिवस पर जिलेभर के वरिष्ठ खिलाड़ियों का किया सम्मान।

मन में ठान लें तो कोई भी काम असंभव नहीं : चौबे

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे ने छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि किसी भी कार्य को करने के लिए यदि मन में ठान लें तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। उन्होंने अपने खेल जीवन के विभिन्न पलों को साझा किया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने अतिथियों को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान बढ़ाया। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर व आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार जांबुलकर ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनिश तुरकर, डाकेश्वर वर्मा, दीपेश डे, उज्जवल गेडाम, वंदना सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नेहरू महाविद्यालय में 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ.के एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं शारीरिक शिक्षण विभाग के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मार्गदर्शन में पतंजलि योग प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षक योगाचार्य सिद्धार्थ नागदौने एवं गोपाल महोबिया की उपस्थिति में 3 अगस्त से 12 अगस्त तक 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। योग प्रशिक्षण शिविर में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने एवं स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए प्रतिदिन प्रातः 7 बजें से योगा का अभ्यास कराया गया। इस 10 दिवसीय योग शिविर में योगाचार्य द्वारा आसन एवं योग का अभ्यास कराय गया जिसमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इसका लाभ उठाया। इस शिविर के माध्यम से उनकी जीवन शैली में परिवर्तन देखने को मिला। इस प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापगण डॉ. ई.व्ही. रेवती, डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुकर, डॉ.आशा चौधरी, डॉ.आर.आर.कोचे, सहित कु. ऋचा अग्रवाल, कु. प्रतिभा सिंह, जेके देवांगन, संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीएस मंडावी, बीआर कोसले, सुशील सोनवानी, झंगलूराम साहू, विक्की रामटेके, मोहनीश तुरकर, रमन साहू, पूजा डोंगरे, श्वेता सांगोडे, सिमरन सहारे, प्रज्जवल मेश्राम, अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रही। उक्ताशय की जानकारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने दी।

चयनित टीम 4 को विश्वविद्यालयीन क्रिकेट स्पर्धा में करेगी शिरकत

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित क्रिकेट पुरूष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शासकीय नेहरू स्टेडियम मे 23 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रारंभ हो चुका है। इस प्रशिक्षण शिविर में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के चयनित खिलाडियों का शिविर आयोजित है। 4 मई को किट भुनेश्वर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में दुर्ग विश्वविद्यालय अपना पहला मैच खेलेगी। इस मैच में विजेता होने के बाद वह अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयनित हो जायेगी। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने पहली बार डोंगरगढ़ महाविद्यालय का चयन किया जिसमें शहर के खिलाड़ियों में उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ है। शिविर में कुल 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया है जो कि बहुत ही अनुभवी प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर, मुरली तिवारी, मोरध्वज साहू अपनी सेवाएं देंगे। दुर्ग विश्विद्यालय 2 मई को ही भुनेश्वर के लिए रवाना होगी।

शारीरिक शिक्षण विभाग में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में 17 अगस्त को शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के मागदर्शन में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अतिथि व्याख्यान में अंचल ओझा विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं एवं अधिकारी कर्मचारियों को प्रतिदिन व्यायाम करने का संदेश दिया। व्यायाम के महत्व एवं इससे जीवन में होने वाले बदलावों के बारे तथा खेलों की विस्तृत जानकारी दी। विषय विशेषज्ञ अंचल ओझा ने भी खेल के कौशल्य एवं उससे होने वाले लाभ, तकनीक, एवं प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

नेहरू कॉलेज में कबड्डी प्रशिक्षण

डोंगरगढ़ . 4 सितंबर को ब्लॉक कबड्डी संघ व गोंडवाना यूथ क्लब डोंगरगढ़ के संयुक्त प्रयोजन से आवासीय कबड्डी प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया . जिसके मुख्य अतिथि डॉ . के, एल, टांडेकर प्राचार्य, अध्यक्षता डी डी साहू प्रदेश उपाध्यक्ष कबड्डी संघ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुन्नालाल नंदेश्वर क्रीडा अधिकारी नेहरू महाविद्यालय व रामाधार ओझा द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया . शिविर में क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों को रहकर सीखने का मौका मिलेगा . प्रशिक्षण सुबह 2 घंटे व शाम 2 घंटे निशुल्क दिया जाएगा .बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए रुकने की संपूर्ण व्यवस्था ब्लॉक कबड्डी संघ एवं गोड़वाना यूथ क्लब द्वारा व्यवस्था किया गया है .

नेहरु महा. में निःशुल्क आवासीय कबड्डी प्रशिक्षण प्रारंभ

डोंगरगढ़ (दावा)। 4 सितंबर को ब्लॉक कबड्डी संघ व गोंडवाना यूथ क्लब डोंगरगढ़ के संयुक्त प्रयोजन से आवासीय कबड्डी प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया. जिसके मुख्य अतिथि डॉ. के, एल, टांडेकर प्राचार्य ,अध्यक्षता डी डी साहू प्रदेश उपाध्यक्ष कबड्डी संघ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुन्नालाल नंदेश्वर क्रीडा अधिकारी नेहरू महाविद्यालय व रामाधार ओझा द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया.

शिविर में क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों को रहकर सीखने का मौका मिलेगा. प्रशिक्षण सुबह 2 घंटे व शाम 2 घंटे निशुल्क दिया जाएगा.बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए रुकने की संपूर्ण व्यवस्था ब्लॉक कबड्डी संघ एवं गोड़वाना यूथ क्लब द्वारा व्यवस्था किया गया है.

पब्लिक हेल्थ एवं न्यूट्रिशन विषय पर सात दिवसीय फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर एवं गृह विज्ञान, विभागाध्यक्ष डॉ तरन्नुम तथा आई.क्यू.एसी. सेल प्रभारी डॉ. ई.व्ही. रेवती के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 अगस्त से 29 अगस्त तक ऑनलाइन माध्यम से 7 दिवसीय फैकल्टी डवलेपमेन्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसका थीम पब्लिक हेल्थ एवं न्यूट्रिशन पर आधारित था. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार फैकल्टि विकास हेतु प्रत्येक महाविद्यालय में फैकल्टि डेवलपमेंट का आयोजन कराना अनिवार्य है। इस अनिवार्यता को देखते हुये, महाविद्यालय का यह प्रथम फैकल्टी डवलेपमेन्ट कार्यक्रम आयोजन था। जिसमें 07 दिवस तक भारत के अलग-अलग राज्यों से विषय विषेषज्ञो के द्वारा पी.पी.टी., प्रश्नावली के माध्यम से अपने विचार, प्रशिक्षण एवं व्याख्यान प्रस्तुत कर, महाविद्यालय परिवार के साथ ही, कार्यक्रम में जुड़े श्रोतागण लाभान्वित हुवे.उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 23 अगस्त को डॉ. अरूणा पल्टा, कुलपती हेमचंद विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया. गृह विज्ञान, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ तरन्नुम के द्वारा फैकल्टी डवलेपमेन्ट कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य का उल्लेख किया गया. प्रथम दिवस में यूनिसेफ के स्वास्थय अधिकारी डॉ. गजेन्द्र सिंह के द्वारा रोल ऑफ यूनिसेफ इन पब्लिक हेल्थ एवं न्यूट्रिशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया. द्वितीय दिवस 24 अगस्त को बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी की प्राध्यापक, डॉ. इंदिरा बिष्नोई, द्वारा इम्पार्टेस ऑफ कम्यूनिकेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया. तृतीय दिवस 25 अगस्त को शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब से प्राध्यापक, डॉ. भवनीत कौर द्वारा रोल ऑफ डाईट ऑफ क्रोनिक डिसिज विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया.

www.navabharat.news
Follow as on @navabharatcg

नेहरू कॉलेज में छात्राओं को आत्मरक्षा के बताये गये उपाय

● नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मागदर्शन में 4 सितम्बर शनिवार को शारीरिक शिक्षण विभाग एवं खेल युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में महाविद्यालय के दोपहर 12 बजे महिलाओं के आत्मरक्षा के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें महिलाओं पर किये जा रहे अत्याचार के बारे में चर्चा के साथ महिलाओं को संविधान में दिये गये अधिकार एवं कानून के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई.

क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने भी महिलाओ के सुरक्षा हेतु अपने पास उपलबध सुविधाओं से ही अपनी रक्षा करने की बात कही. उन्होंने छात्राओं को बताया कि आपने जो भी आभूषण पहने हुए है. उसका आप हथियार के रूप में उपयोग कर सकते है. मोहनीश तुरकर ने भी इस विषय पर प्रायोगिक प्रदर्शन कर महिलाओं के सुरक्षा के बारे में बताया. कौशल महोबिया ने भी महिलाओं को दूसरे से सुरक्षा के लिए प्रायोगिक उपयोग करके बताया. इस अवसर पर काफी छात्राएं उपस्थित थी. सभी ने संकल्प लिया किय अब हम कभी भी किसी भी स्थिति में सामना जरूर करेंगे. इस अवसर पर दीपिका सिन्हा, अगंगीता डंडसेना, नम्रता खरे, रेशमा मंडावी, मीना पटेल, प्रिया महोबिया, विद्या साहू, मोनिका, दीपशिखा, प्रियंका, चित्राणी, स्वाती, लक्ष्मी, स्वलेहा खान शिवानी, सुरूचि रूपा, यशोदा,यामिनी आदि छात्राएं उपस्थित थी.

अभाविप की नवीन कार्यकारिणी घोषित

राजनांदगांव . अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजनांदगांव इकाई द्वारा सत्र 2021 .22 हेतु नगर की नवीन कायर्कारिणी की घोषणा की गई साथ ही अभविप द्वारा सत्र 2020-21 में किये गए कार्यों का नगर मंत्री द्वारा वित प्रस्तुत किया गया . नवीन कार्यकारिणी घोषणा मे मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप मेहता छत्तीसगढ़ प्रांत सहसंगठन मंत्री महेश प्रसाद छत्तीसगढ़ प्रदेश सहमंत्री चिंटू सोनकर विभाग संयोजक दिग्विजय मिश्रा उपस्थित रहे .

नवभारत रायपुर, सोमवार 6 सितम्बर 2021 राजनांदगांव

डोंगरगढ़ में खिलाड़ियों का किया सम्मान

● नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के मार्गदर्शन में 28 अगस्त को खेल दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे सहित जिले के विभिन्न खेलों के अंतर्राष्ट्रीय एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया. अतिथियों द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 161 वीं जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

स्वागत पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह पहला अवसर पर जिसमें महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले के विभिन्न खेलविधाओं के वरिष्ठ खिलाड़ियों का महासंगम महाविद्यालय में होना निश्चित ही गौरव की बात है.इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी एवं डोंगरगढ़ के वरिष्ठतम खिलाड़ी मोहम्मद हारून, फुटबाल के बिपनान साहू, एथलेटिक्स के एस. हनुमंतराव, वॉलीबाल के निशामणि यादव, टेबल टेनिस के रामलखन साहू, बैडमिंटन के राजेन्द्र उपवंशी, हॉकी के ललित किशोर नागे, आदि खिलाड़ी उपस्थित थे. इस कार्यक्रम के रोल मॉडल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे ने भी प्रथम बार इस महाविद्यालय में अपने आगमन पर काफी उत्सुकता जाहिर की एवं महाविद्यालय में पहुंचने के पश्चात काफी गौरवान्वित महसूस किया. 10 से अधिक बार भारत का प्रतिनिधित्व कर हर प्रतियोगिता में मैडल जीतना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है एवं सभा में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि यदि किसी भी कार्य को करने के लिए यदि मन में ठान ले तो कोई भी कार्य असंभव नही है और अपने खेल जीवन के विभिन्न पलों को साझा किया.महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य द्वारा समस्त अतिथियों को शाल , श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका मान सम्मान बढ़ाया.

कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने किया.इस अवसर पर विक्की रामटेके, रतन साहू, मोहनीश तुरकर, डालेश्वर वर्मा, दीपिका डे, उज्जवल मेश्राम, वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

खेल पोषण के महत्व पर वेबिनार आयोजित

नवभारत प्रतिनिधि ❖ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के शारिरीक शिक्षण विभाग गृह विज्ञान एवं आई.क्यू.ए.सी. विभाग द्वारा देव संस्कृति कालेज आफ एजुकेशन एण्ड टेक्नालॉजी दुर्ग के आपसी सहयोग एवं समन्वयक के तहत दोनों महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की 116 वीं जन्म जयंती के अवसर पर इम्पोटेन्स आफ स्पोर्टस न्यूट्रिशियन विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया. इस वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में शारीरिक शिक्षण विभाग डिबलुगढ़ आसाम के संचालक डॉ. मान्तु बारे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शारिरीक शिक्षण विभाग के प्रोफेसर डॉ.चंद्रकांत अगासे उपस्थित थे.विषय विशेषज्ञ के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शारिरीक शिक्षण विभाग के संचालक डॉ.बी.सी.कापरी एवं नागपुर महाराष्ट्र से कन्सस्टिंग एवं डाइटेशियन विनिता मेहता उपस्थित थी. तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर ने इस महान दिवस पर आयोजित इस वेबिनार की प्रशंसा करते हुए संबोधित किया कि इसके पश्चात महाविद्यालय के सहयोगी संस्था देव संस्कृति महाविद्यालय की डायरेक्टर ज्योति शर्मा, देव संस्कृति महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कुबेर सिंह मुख्य अतिथि डॉ. मान्तु बारो विशिष्ट अतिथि प्रो. डी.सी. अगासे विषय विशेषज्ञ डॉ. कापरी डॉ. तरन्नुम ने भी संबोधित किया. अंत में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. ई.व्ही. रेवती ने समस्त अतिथियों , विषय विशेषज्ञो एवं प्रतिभागियों का आभार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया. उक्त वेबिनार को सफल बनाने में नेहरू महाविद्यालय के टेक्निकल एक्सपर्ट संदीप गजभिये का उत्कृष्ट तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ. कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रतिभागियों को महाविद्यालय की ओर से ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया गया.

एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान, शिक्षा नीति में शारीरिक शिक्षा का योगदान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. नेहरू कॉलेज में 6 अक्टूबर को नई शिक्षा नीति में शारीरिक शिक्षण का योगदान विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्य उपस्थित थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति में शारीरिक शिक्षा के योगदान विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति में बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के चलते खेलकूद व कला को महत्व दिया गया है। हमारे देश के छात्रों को प्रभावी तरीके से सीखने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जिसके लिए पाठ्यक्रम, आकर्षक शिक्षा शास्त्र निरंतर रचनात्मक मूल्यांकन और पर्याप्त छात्र सहायता शामिल है।

पाठ्यचर्या दिलचस्प और प्रासंगिक होनी चाहिए जिसे ज्ञान और सीखने के परिणामों की नई जरूरतों को पूरा करने के लिए समय-समय पर अद्यतन किया जाना चाहिए। छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री को सफलतापूर्वक ले जाने के लिए एक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण पद्धति आवश्यक है।

अंत में कुछ क्षमताओं का विकास जो छात्रों की बेहतरी के लिए आवश्यक हैं, जैसे फिटनेस अच्छा स्वास्थ्य मनो. सामाजिक कल्याण बेहतर नैतिक मूल्यों की नींव आदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भी यह जरूरी है। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एमएल नंदेश्वर ने छात्र-छात्राओं को अपने उद्बोधन में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को शुरू करने का एक मुख्य उद्देश्य बताया।

खेल दिवस पर सम्मानित हुए खिलाड़ी

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में खेल दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न खेलों के अंतर्राष्ट्रीय एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम समस्त अतिथियों द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 161 वीं जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

विद्यार्थियों से साझा किये अनुभव

अतिथियों के स्वागत पश्चात प्राचार्य ने कहा कि यह पहला अवसर है, जिसमें महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले के विभिन्न खेल विधाओं के वरिष्ठ खिलाड़ियों का महासंगम महाविद्यालय में होना निश्चित ही गौरव की बात है। महाविद्यालय इन विभूतियों को अपने बीच पाकर काफी गौरवांवित है। कार्यक्रम के रोल मॉडल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे को अपने बीच पाकर महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी एवं डोंगरगढ़ के वरिष्ठ शतरंज खिलाड़ी मोहम्मद हारून, फुटबाल के विल्सन सतुर, एथलेटिक्स के एस. हनुमंतराव, वॉलीबाल के चिंतामण यादव, टेबल टेनिस के रामलखन साहू, बेडमिंटन के राजेन्द्र उयवने, हॉकी के ललित किशोर नारंग, आदि खिलाड़ी उपस्थित थे। मोहम्मद हारून बेग ने कहा कि महाविद्यालय में आकर अपने विद्यार्थी जीवन की याद आ गई एवं महाविद्यालय परिवार ने हम जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को सम्मान देकर हमारा मान बढ़ाया है और मुझे ऐसा लगा कि मैंने ओलम्पिक का गोल्ड मैडल हासिल कर लिया। एस. हनुमंतराव ने सभी छात्र-छात्राओं को खेल के प्रति जागरूक होने हेतु संदेश दिया। ललित किशोर नारंग ने भी मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उनके पुत्र अशोक ध्यानचंद के खेल कौशल को छात्र-छात्राओं के बीच रखा। कार्यक्रम के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने भी महाविद्यालय के इस सम्मान समारोह को जीवन का अविस्मरणीय पल बताया। कार्यक्रम के रोल मॉडल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे ने भी प्रथम बार इस महाविद्यालय में अपने आगमन पर काफी उत्सुकता जाहिर की। 10 से अधिक बार भारत का प्रतिनिधित्व कर हर प्रतियोगिता में मैडल जीतना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है एवं सभा में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि यदि किसी भी कार्य को करने के लिए यदि मन में ठान लें तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है और अपने खेल जीवन के विभिन्न पलों को साझा किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य द्वारा समस्त अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका मान सम्मान बढ़ाया। सभी अतिथियों ने शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर, डाकेश्वर वर्मा, दीपेश डे, उज्जवल गेडाम, वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खेल दिवस के अवसर पर मृणाल चौबे सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन में 28 अगस्त को खेल दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे सहित जिले के विभिन्न खेलो के अंतर्राष्ट्रीय एवं वरिष्ठ खिलाड़ियो का सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया. अतिथियों द्वारा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 161 वीं जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

स्वागत पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह पहला अवसर पर जिसमें महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले के विभिन्न खेल विधाओं के वरिष्ठ खिलाड़ियों का महासंगम महाविद्यालय में होना निश्चित ही गौरव की बात है. इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी एवं डोंगरगढ़ के वरिष्ठ शतरंज खिलाड़ी मोहम्मद हारून, फुटबाल के विल्सन सतुर, एथलेटिक्स के एस. हनुमंतराव, वॉलीबाल के चिंतामण यादव, टेलब टेनिस के रामलखन साहू, बेडमिंटन के राजेन्द्र उयवने, हॉकी के ललित किशोर नारंग, आदि खिलाड़ी उपस्थित थे. 10 से अधिक बार भारत का प्रतिनिधित्व कर हर प्रतियोगिता में मैडल जीतना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है एवं सभा में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि यदि किसी भी कार्य को करने के लिए यदि मन में ठान ले तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है और अपने खेल जीवन के विभिन्न पलों को साझा किया.

महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य द्वारा समस्त अतिथियों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका मान सम्मान बढ़ाया. कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने किया. इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर, डाकेश्वर वर्मा, दीपेश डे, उज्जवल गेडाम, वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

खेल स्वस्थ जीवन की जरूरत

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद की 161 वीं जयंती के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, अध्यक्षता छत्तीसगढ़ हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, प्राचार्य एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया। शुभारंभ सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद के तैलचित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान में पूरा देश जिस महामारी से जूझ रहा है, इन सबको देखते हुए सभी को कुछ न कुछ खेलों में भाग लेकर अपने आप को स्वस्थ्य रखना अति आवश्यक है। अध्यक्ष ने भी समस्त खेलों के बारे में जानकारियां दीं। अंत में मुख्य अतिथि ने भी अपने इस संघर्षमय जीवन के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया कि कड़ी मेहनत, लगन, अनुशासन, समय का यदि हम ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही हम अपने मुकाम पर पहुंच पायेंगे।

अतिथि व्याख्यान में हॉकी से संबंधित सभी खेल कौशल और उनके नियमों और चयन के संबंध में बहुत ही विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डाकेश्वर वर्मा की ओर से भी अपने विचार व्यक्त किये गये। संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार सहा. प्राध्या. डॉ. ई.व्ही. रेवती ने किया। इस अवसर पर विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर, दीपेश डे, उज्जवल गेडाम, वंदना सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खेल पोषण के महत्व पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

वर्चुअल योग मैराथन में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया योग

नवभारत प्रतिनिधि, डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन में कार्यालय कलेक्टर (समाज कल्याण) राजनांदगांव के निर्देशानुसार सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2021 को आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ वर्चुअल योग मैराथन के आयोजन में अपनी सहभागिता देने के लिए महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने योग कर यौगिक अभ्यासो विभिन्न आसनो, प्राणायाम बंध एवं मुद्रा का प्रदर्शन करते हुए उक्त योग मुद्राओं को विभिन्न सोशल मिडिया में प्रसारित कर वर्चुअल मैराथन में हिस्सा लेने के लिए कार्यक्रम में पंजीयन कराया.

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. ईन्द्री रेवती, डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डॉ. आशा चौधरी, डॉ. आरआर कोचे, क्रीड़ा अधिकारी मुन्नालाल नंदेश्वर, ग्रंथपाल नितेश तिरपुडे, सहा. प्रा. बीआर सिवारे सहित अतिथि व्याख्याता डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. येशकृती हजारे, डॉ. मेधाविनी तुरे, डॉ. नौशिन अंजुम, डॉ. विजयलाल तिवारी, एवलाल मेश्राम, कु. चा अग्रवाल, कु. पदमा खुटे, श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती, हेमंत कुमार, सिमरन साहू, वर्षा मेश्राम, योगेश निषाद, वासुदेव साहू, सुनील कुमार, कु. प्रतिभा सिंह, लीलाराम देवांगन, रोशन कुमार साहू, श्रीमती गीति साहू, छाया राजपूत सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण जेके देवांगन सुश्री सोहद्रा उइके, संजय तिवारी, बीआर कोसले, बीएस मंडावी, केजी सोनकर, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी खेमनलाल धनेन्द्र, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागडे, जेआर साहू उपस्थित थे.

योगाचार्यो एवं योग शिविर के प्रशिक्षणार्थी को किया गया सम्मानित

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर

महाविद्यालय डोंगरगढ़ के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के दिशा निर्देशन में महाविद्यालय में दस दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर अधिकारी-कर्मचारियो एवं छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए पतांजलि योग प्रशिक्षण केन्द्र डोंगरगढ़ के प्रशिक्षित योगाचार्य के दिशा-निर्देश में महाविद्यालय के प्रांगण में प्रातः 7 बजे से आयोजित किया गया। इस योग प्रशिक्षण शिविर में योगाचार्य श्री सिद्धार्थ नामदेवे एवं श्री गोपाल महोबिया ने लगातार दस दिनों तक अपनी उपस्थिति देकर प्रतिदिन महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को योग का महत्व एवं अभ्यास कराया गया । प्रारंभ से अंतिम दस दिनों तक लगातार अभ्यास करा कर रोगो से मुक्ति के उपाय बताये। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस में महाविद्यालय के प्राचार्य की ओर से दोनो योगाचार्य का शाल, श्रीफल एवं स्मृतिचिन्ह भेटकर स्वागत किया गया। इस योग प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित समस्त अधिकारी-कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को भी महाविद्यालय की ओर से स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा दोनो योगाचार्य एवं समस्त प्रतिभागी का आभार व्यक्त किया गया। उक्ताशय की जनकारी क्रीड़ा अधिकारी मुन्नालाल नंदेश्वर ने दी।

नांदगांव टाइम्स

योगा एण्ड मेडिटेशन विषय पर 30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स का हुआ शुभारंभ

[illegible]

जीवन को आनंदमय बनाने प्रेरित करता है योग

शासकीय नेहरू कॉलेज के शारीरिक शिक्षण विभाग में शुरू हुआ 30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में शारीरिक शिक्षण विभाग के तत्वावधान में योगा एंड मेडिटेशन विषय पर 30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स का शुभारंभ कॉलेज के पुराने भवन में किया गया। योग शिक्षक संतराम वर्मा ने बताया कि योग हर व्यक्ति को बेहतर करने, बेहतर बनने और जीवन को आनंदमय बनाने के लिए प्रेरित करता है। यह आपके शरीर को स्वस्थ बनाता है और दिमाग में स्वस्थ विचार विकसित करने में कारगर है। अगर आप अनहेल्दी आदतों के शिकार हैं तो योग और मेडिटेशन इन्हें छुड़ाकर आपको हेल्दी लाइफ जीने के लिए प्रेरित करते हैं। जब हम योग और मेडिटेशन का अभ्यास करते हैं तो यह हमें दुनिया के मूल्यों से अवगत कराता है और उन रिश्तों की अहमियत समझाता है जिन्हें हम निभा रहे होते हैं। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि योगा एंड मेडिटेशन से जहां छात्रों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। वहीं इस तरह के कोर्स से निश्चित तौर पर छात्रों का कौशल निखरेगा। किसी भी विषय में यदि छात्र कुशल होते हैं, तो वह भविष्य के रोजगार के लिए तैयार होंगे। भविष्य में ये सर्टिफिकेट है तो उन्हें दूसरों पर तवज्जो भी मिलनी स्वाभाविक है। 80 फीसदी उपस्थिति पर ही छात्रों को सर्टिफिकेट तभी मिलेगा, जब 30 घंटे के इस कोर्स में 80 फीसदी उपस्थिति होगी। यह हाजिरी मुख्यालय जाएगी। कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से ही ये कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।

डोंगरगढ़. छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य टांडेकर।

योग आपको खुद से जोड़ने में सहयोग करता है: रेवती

प्राध्यापक डॉ. ईवी रेवती ने कहा कि योग आपको खुद से जोड़ने में मदद करता है। यह शरीर को मन से, मन को आत्मा से और आत्मा का ब्रह्मांड से जोड़ने में मदद करता है। जिंदगी में खुशी, सकारात्मकता और आनंद लाने का सबसे कारगर तरीका है योग और मेडिटेशन। डॉ. प्रदीप कुमार जांगड़े ने बताया कि आप अपनी सकारात्मक भावनाओं को कैसे आगे बढ़ाते हैं और नकारात्मक भावनाओं को कैसे कंट्रोल करते हैं, यह आपके जीवन पर बड़ा असर डालता है। डॉ. आशा चौधरी ने कहा कि योग और मेडिटेशन आपको सकारात्मक और नकारात्मक तत्वों को कंट्रोल करने की क्षमता देते हैं।

5 जनवरी से सेक्टर लेवल क्रिकेट स्पर्धा

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के द्वारा 5 जनवरी से सेक्टर लेवल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महाविद्यालय अपनी एंट्री 29 दिसंबर तक भेज सकते हैं ताकि समय पर सभी महाविद्यालय को जुड़नार फिक्सर भेजा जा सके समय के बाद सूचना देने वालों को प्रवेश नही दिया जाएगा। प्रतियोगिता पुराने महाविद्यालय स्टेडियम में होगी।

सेक्टर लेबल शतरंज में नेहरू कालेज प्रथम

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सेक्टर लेवल शतरंज पुरुष महिला प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नवाज खान एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त क्रीड़ा अधिकारी पीके हरि की उपस्थिति में किया गया।

इस प्रतियोगिता में राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले की कुल 12 टीमों ने भाग लिया. यह प्रतियोगिता कुल 2 दिनों तक पुरुष वर्ग में 5 चक्रों में एवं महिला वर्ग में 4 चक्रों में खेला गया. लगातार दो दिन तक चली इस प्रतियोगिता में व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर महिला वर्ग में शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने प्रथम एवं शासकीय कमला देवी महाविद्यालय द्वितीय एवं शासकीय महाविद्यालय कवर्धा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. पुरुष वर्ग में दिग्विजय महाविद्यालय ने प्रथम, नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने द्वितीय एवं शासकीय महाविद्यालय डोंगरगांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर कुमारी उपा पटौती रॉयल कॉलेज महाविद्यालय राजनांदगांव प्रथम एवं कु. रोशनी साहू शा. महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने द्वितीय एवं कु. श्वेता पवार नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर निकिता बोस शासकीय महाविद्यालय डोंगरगढ़ का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया.

इसी प्रकार पुरुष वर्ग में देवेंद्र साव. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव ने प्रथम, उज्जवल शास.महा. राजनांदगांव द्वितीय दुर्गेश शास.महा. डोंगरगढ़ तृतीय एवं सुरेश शासकीय महाविद्यालय छुईखदान एवं पांचवें स्थान पर राहुल शासकीय महाविद्यालय डोंगरगांव एवं छठवें स्थान पर आशुतोष शासकीय महाविद्यालय छुईखदान का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया. इस प्रतियोगिता में आर्बिटर के रूप में व्ही. गौतम राव एवं पीके हरि, श्रीमती अनिता पोषार्य, पीके वर्मा ,अरुण चौधरी आदि लोगों ने इस प्रतियोगिता में अपना सहयोग दिया.उक्ताशय की जानकारी क्रीड़ा अधिकारी डॉक्टर मुन्नालाल नंदेश्वर ने दी.

योगा एन्ड मेडिटेशन का वैल्यू एडेड कोर्स संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा योगा एण्ड मेडिटेशन विषय पर महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एम.एल.नंदेश्वर एवं योग शिक्षक संतराम वर्मा के मागदर्शन में दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स संपन्न हुआ.यह वैल्यू एडेड कोर्स 1 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक महाविद्यालय के पुराने भवन के योगा एण्ड मेडिटेशन हाल में संचालित किया गया था, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों ने भाग लेकर योग एण्ड मेडिटेशन के गुर सीखे.

30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स में योग शिक्षक संतराम वर्मा ने स्वास्थ्य के लिए योग एवं मेडिटेशन के विभिन्न प्राणयाम, आसन, एवं ध्यान साधना के संबंध में प्रशिक्षण दिया.प्रभारी प्राचार्य ने डॉ.ई.व्ही. रेवती ने भी शारीरिक शिक्षण विभाग को इस 30 दिवसीय वैल्यू एडेस कोर्स के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर सहित योग शिक्षक संतराम वर्मा, एवं महाविद्यालय के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ.मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया.

करोगे योग तो रहोगे निरोग

नेहरू कॉलेज में हुआ योगा एंड मेडिटेशन कोर्स

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा योगा एण्ड मेडिटेशन विषय पर क्रीड़ा अधिकारी डॉ. एम.एल.नंदेश्वर व योग शिक्षक संतराम वर्मा के मागदर्शन में दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स संपन्न हुआ।

यह कोर्स महाविद्यालय के पुराने भवन के योगा एण्ड मेडिटेशन हाल में संचालित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं सहित अधिकारियों - कर्मचारियों ने योग एण्ड मेडिटेशन के गुर सीखे। उक्त 30 दिवसीय कोर्स में योग शिक्षक संतराम वर्मा ने स्वास्थ्य के लिए योग एवं मेडिटेशन के विभिन्न प्राणायाम, आसन एवं ध्यान साधना के संबंध में प्रशिक्षण दिया। समापन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. रेवती ने की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि करोगे योग तो रहोगे निरोग, यह बात बिल्कुल सत्य है।

वर्तमान में मनुष्य अपने दैनिक जीवन में इतना व्यस्त हो गया है कि उसे अपने शरीर एवं स्वास्थ्य को समय देने का समय नहीं है, जिस कारण मानव की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो रही है। साथ ही मनुष्य विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो रहा है। योगा एवं मेडिटेशन हमारे शरीर को स्वस्थ्य रखने में काफी मददगार है। उन्होंने इस आयोजन के लिए महाविद्यालय को बधाई दी। प्रभारी प्राचार्य ने भी शारीरिक शिक्षण विभाग को इस 30 दिवसीय वैल्यू एडेस कोर्स के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर सहित योग शिक्षक संतराम वर्मा एवं अन्य अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायपुर, गुरुवार 24 फरवरी 2022

नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर होगा मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य

बैठक

- जनप्रतिनिधियों की मांग पर एसडीएम ने दिया आश्वासन
- अधिकारियों ने किया एलबी नगर मिनी स्टेडियम का निरीक्षण

नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़
www.navbharat.org

देखरेख के अभाव में डोंगरगढ़ विकासखंड के मिनी स्टेडियम खंडहर हो रहे हैं. ऐसे में स्थानीय मिनी स्टेडियम का निर्माण नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर करने की मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने की है. एसडीएम ने इसका आश्वासन देते हुए कहा कि प्राक्कलन तैयार कर जल्द ही इसका निर्माण शुरू किया जाएगा.

शासकीय नेहरू महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान, विधायक भुनेश्वर बघेल व एसडीएम गिरीश रामटेके के संयुक्त प्रयास से जिस प्रकार शहर स्थित नेहरू महाविद्यालय के स्टेडियम को सर्व सुविधा युक्त बनाकर आम जनों के लिए उपयोगी बनाया गया है उससे प्रभावित होकर विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में स्थित मिनी स्टेडियम को भी सर्व सुविधा युक्त बनाने की मांग ग्रामीण जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही है. इसे देखते हुए एसडीएम के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के दल द्वारा एलबी नगर स्थित मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया गया.

सरपंच प्रतिनिधि हीरा सोनी ने बताया कि लाल बहादुर नगर हाई स्कूल स्थित मिनी स्टेडियम में खिलाड़ियों व युवाओं ने खेलकूद के प्रति अपनी रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से स्टेडियम का रखरखाव एवं रंग रोगन तथा स्वामी विवेकानंद प्रोत्साहन योजना अंतर्गत राजीव गांधी मितान क्लब के लिए मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया. इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, गिरीश रामटेके, मुख्यकार्यपालन अधिकारी एल के कचलाम, सचिव नारायण देवांगन, उप सरपंच हीरा सोनी, राकेश सिन्हा, रमेश यादव, रोजगार सहायक नैसलाल देवांगन, व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे.

सुविधा युक्त बनाया जाएगा मिनी स्टेडियम- एसडीएम

एसडीएम गिरीश रामटेके कहा है कि नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मिनी स्टेडियम को भी प्राक्कलन बनाकर सुविधा युक्त बनाया जाएगा. ताकि स्कूली छात्र छात्राएं, ग्रामीण युवा तथा आम ग्रामीण इसका लाभ ले सके.

रेलवे ग्राउंड में सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास - स्वामी

ऐतिहासिक रेलवे फुटबॉल ग्राउंड के नाम से प्रसिद्ध विशाल खेल मैदान में खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों व रेलवे के अधिकारियों से निरंतर संपर्क किया जा रहा है. जिला फुटबॉल संघ के सचिव तथा छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के एग्जीक्यूटिव सदस्य एम सत्यम स्वामी ने बताया कि खेल मैदान में आने वाले खिलाड़ियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए फ्लड लाइट की सुविधा के साथ मैदान में ग्रीन घास, ओपन जिम तथा अन्य सुविधा हेतु सुलभ शौचालय की व्यवस्था होने से खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों को अधिक सुविधा उपलब्ध हो पाएगी.

हाई स्कूल का विशाल मैदान बन सकता है इंडोर स्टेडियम

शहर के हृदय स्थल पर स्थित ऐतिहासिक हायर सेकेंडरी विद्यालय के विशाल मैदान को इन्डोर स्टेडियम की तर्ज पर विकसित करने की मांग युवा खिलाड़ियों द्वारा लगातार की जाती रही है. इस मैदान को अतिक्रमण से बचाने के लिए तथा युवा खेल प्रेमियों को सुविधा प्रदान करने के लिए इनडोर स्टेडियम का निर्माण आवश्यक प्रतीत होता है. इसी प्रकार खेल प्रेमियों के लिए सर्व सुविधा युक्त रेलवे स्थित विशाल मैदान को भी मिनी स्टेडियम के तर्ज पर विकसित किया जा सकता है.

रेलवे मैदान उपेक्षित

रेलवे के विशाल मैदान में नियमित रूप से फुटबॉल व क्रिकेट के टूर्नामेंट होते आ रहे हैं. टूर्नामेंट के दौरान खेल प्रेमी दर्शकों का हुजूम हमेशा बना रहता. इस मैदान में सुबह व शाम के समय बड़ी संख्या में आम लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पैदल मार्च करते हुए देखे जा सकते हैं. रेलवे की ओर से रात्रि के समय लाइट की व्यवस्था भी की गई है.

सेक्टर लेवल क्रिकेट प्रतियोगिता 25 से

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के निर्देश पर शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्टेडियम में सेक्टर लेवल क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन 25 फरवरी से 03 मार्च तक आयोजित किया गया है। उक्त क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 25 फरवरी को महाविद्यालय जनभागीदारी समिति और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष नवाज खान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा।

रायपुर, गुरुवार 24 फरवरी 2022 **राजनांदगांव**

नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर होगा मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य

बैठक

- जनप्रतिनिधियों की मांग पर एसडीएम ने दिया आश्वासन
- अधिकारियों ने किया एलबी नगर मिनी स्टेडियम का निरीक्षण

नवभारत प्रतिनिधि ◆ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

देखरेख के अभाव में डोंगरगढ़ विकासखंड के मिनी स्टेडियम खंडहर हो रहे हैं. ऐसे में स्थानीय मिनी स्टेडियम का निर्माण नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर करने की मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने की है. एसडीएम ने इसका आश्वासन देते हुए कहा कि प्राक्कलन तैयार कर जल्द ही इसका निर्माण शुरू किया जाएगा.

शासकीय नेहरू महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान, विधायक भुनेश्वर बघेल व एसडीएम गिरीश रामटेके के संयुक्त प्रयास से जिस प्रकार शहर स्थित नेहरू महाविद्यालय के स्टेडियम को सर्व सुविधा युक्त बनाकर आम जनों के लिए उपयोगी बनाया गया है उससे प्रभावित होकर विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में स्थित मिनी स्टेडियम को भी सर्व सुविधा युक्त बनाने की मांग ग्रामीण जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही है. इसे देखते हुए एसडीएम के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के दल द्वारा एलबी नगर स्थित मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया गया.

सरपंच प्रतिनिधि हीरा सोनी ने बताया कि लाल बहादुर नगर हाई स्कूल स्थित मिनी स्टेडियम में खिलाड़ियों व युवाओं में खेलकूद के प्रति अपनी रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से स्टेडियम का रखरखाव एवं रंग रोगन तथा स्वामी विवेकानंद प्रोत्साहन योजना अंतर्गत राजीव गांधी मितान क्लब के लिए मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया. इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, गिरीश रामटेके, मुख्यकार्यपालन अधिकारी एल के कचलाम, सचिव नारायण देवांगन, उप सरपंच हीरा सोनी, राकेश सिन्हा, रमेश यादव, रोजगार सहायक नैनेलाल देवांगन, व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे.

सुविधा युक्त बनाया जाएगा मिनी स्टेडियम- एसडीएम

एसडीएम गिरीश रामटेके कहा है कि, नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मिनी स्टेडियम को भी प्राक्कलन बनाकर सुविधा युक्त बनाया जाएगा. ताकि स्कूली छात्र छात्राएं, ग्रामीण युवा तथा आम ग्रामीण इसका लाभ ले सकें.

रेलवे ग्राउंड में सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास - स्वामी

ऐतिहासिक रेलवे फुटबॉल ग्राउंड के नाम से प्रसिद्ध विशाल खेल मैदान में खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों व रेलवे के अधिकारियों से निरंतर संपर्क किया जा रहा है. जिला फुटबॉल संघ के सचिव तथा छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के एग्जीक्यूटिव सदस्य एम सत्यम स्वामी ने बताया कि खेल मैदान में आने वाले खिलाड़ियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए फ्लड लाइट की सुविधा के साथ मैदान में ग्रीन घास, ओपन जिम तथा जन सुविधा हेतु सुलभ शौचालय की व्यवस्था होने से खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों को अधिक सुविधा उपलब्ध हो पाएगी.

हाई स्कूल का विशाल मैदान बन सकता है इंडोर स्टेडियम

शहर के हृदय स्थल पर स्थित ऐतिहासिक हायर सेकेंडरी विद्यालय के विशाल मैदान को इनडोर स्टेडियम की तर्ज पर विकसित करने की मांग युवा खिलाड़ियों द्वारा लगातार की जाती रही है. इस मैदान को अतिक्रमण से बचाने के लिए तथा युवा खेल प्रेमियों को सुविधा प्रदान करने के लिए इनडोर स्टेडियम का निर्माण आवश्यक प्रतीत होता है. इसी प्रकार खेल प्रेमियों के लिए सर्व सुविधा युक्त रेलवे स्थित विशाल मैदान को भी मिनी स्टेडियम के तर्ज पर विकसित किया जा सकता है.

रेलवे मैदान उपेक्षित

रेलवे के विशाल मैदान में नियमित रूप से फुटबॉल व क्रिकेट के टूर्नामेंट होते आ रहे हैं. टूर्नामेंट के दौरान खेल प्रेमी दर्शकों का हुजूम हमेशा बना रहता. इस मैदान में सुबह व शाम के समय बड़ी संख्या में आम लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पैदल मार्च करते हुए देखे जा सकते हैं. रेलवे की ओर से रात्रि के समय लाइट की व्यवस्था भी की गई है.

हरिभूमि रायपुर - संस्कारधानी भूमि
Date 10 Mar 2022

अंतर महाविद्यालय क्रास कंट्री प्रतियोगिता रखी

डोंगरगढ़। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग आदेशानुसार शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय क्रास कंट्री पुरूष-महिला प्रतियोगिता का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मागदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के दिशा निर्देशन आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में दुर्ग विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के 15 टीमो ने भाग लिया जिसमें 80 छात्र एवं 40 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 फरवरी को मुख्य अतिथि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नवाज खान ने हरि झंडी दिखाकर प्रतियोगिता की शुरूआत की।

हरिभूमि रायपुर - संस्कारधानी भूमि
Date 13 Mar 2022

जिला स्तरीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा जिला स्तरीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के दिशा निर्देशन में प्रारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर दो मैच खेले गये जिसमें पहला मैच डोंगरगांव एवं बोड़ला महाविद्यालय के मध्य खेला गया। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान, अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा की उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक परेश वर्मा ने मैदान एवं आयोजन तारीफ की। प्रतियोगिता में क्रीड़ा अधिकारी अनिता पोषार्य , मोरध्वज सोनवानी, खेलन माहुले ने एम्पायर के रूप में एवं प्रकाश महानदी, निट्टुज परमार, निखिल एजाज, अहमद आलम, ऋषि शर्मा ने मैदान व्यवस्थापन में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की। प्रतियोगिता का पहला मैच शासकीय महाविद्यालय बोड़ला एवं दूसरा मैच शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव ने जीता। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ई.व्ही.रेवती ने किया।

हरिभूमि रायपुर - संस्कारधानी भूमि
7 Apr 2022

क्रिकेट टीम चयन के लिए प्रशिक्षण

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय को दुर्ग विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम के चयन का जिम्मा मिला है। दुर्ग विश्वविद्यालय अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों को दो सेक्टरों में विभाजित किया गया है। दुर्ग सेक्टर एवं राजनांदगांव सेक्टर के मध्य चयन प्रतियोगिता का आयोजन 7 एवं 8 अप्रैल को महाविद्यालय स्टेडियम में किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर दुर्ग विश्वविद्यालय टीम का चयन किया जाएगा, जो कलकता में होने वाली अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

दुर्ग ने राजनांदगांव को 5 विकेट से हराया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के तत्वधान में विश्व विद्यालय क्रिकेट (पुरुष) चयन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के द्वारा आयोजित की गई। जिसमें दुर्ग सेक्टर और राजनांदगांव सेक्टर के मध्य मैच खेला गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष सुदेश मेश्राम एवं विशेष अतिथि के रूप में राकेश बघेल सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी और महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार जाम्बुलकर मौजूद थे। मुख्य अतिथि सुदेश मेश्राम ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए मैदान में वाटर कूलर और युरिनल अति शीघ्र बनाने की घोषणा की।

इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के द्वारा नियुक्त चयनकर्ता क्रीड़ा अधिकारी प्रेरेश वर्मा, क्रीड़ा अधिकारी मुरली तिवारी, एवं मोरध्वज सोनवानी क्रीड़ा अधिकारी के उपस्थिति में प्रतियोगिता का प्रारंभ किया गया। यह प्रथम अवसर था कि दुर्ग विश्वविद्यालय के क्रिकेट टीम का चयन प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय स्टेडियम में किया गया। इससे डोंगरगढ़ खेल प्रेमी जनता में काफी उत्साह का माहौल था। इस प्रतियोगिता में खेल के आधार पर दुर्ग विश्वविद्यालय का चयन किया जाएगा जो भुवनेश्वर (उड़ीसा) में आयोजित ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अतिथियों के द्वारा दोनों कप्तान को टॉस कराया गया दुर्ग सेक्टर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। इसके जवाब में राजनांदगांव सेक्टर ने निर्धारित 35 ओवर में 186 रनों का लक्ष्य दिया। दुर्ग सेक्टर इस लक्ष्य का पीछा करते हुए करते हुए 5 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर ली। इस मैच के अंपायर प्रकाश महानदी एवं चंदन थे। स्कोरर की भूमिका एजाज अहमद सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी अपनी सेवाएं दी। यह प्रतियोगिता लगातार दो दिनों तक चलेगी। आज राजनंदगांव सेक्टर और दुर्ग सेक्टर के मध्य सुबह 9 मैच खेला जाएगा।

हरिभूमि

रायपुर - संस्कारधानी भूमि
10 Apr 2022

क्रिकेट में दुर्ग सेक्टर ने राजनांदगांव को हराया

डोंगरगढ़। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के तत्वावधान में क्रिकेट चयन प्रतियोगिता का आयोजन नेहरू महाविद्यालय द्वारा किया गया। दुर्ग सेक्टर और राजनांदगांव सेक्टर के मध्य खेले गए मैच के मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, विशेष अतिथि राकेश बघेल, प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रदीप जाम्बुलकर थे। मुख्य अतिथि श्री मेश्राम ने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए मैदान में वाटर कूलर और युरिनल बनाने की घोषणा की। क्रीड़ा अधिकारी प्रेरेश वर्मा, मुरली तिवारी एवं मोरध्वज सोनवानी की उपस्थिति में प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। इस प्रतियोगिता में खेल के आधार पर दुर्ग विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया जाएगा जो भुवनेश्वर में आयोजित ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। अतिथियों ने दोनों कप्तान को टॉस कराया गया। दुर्ग सेक्टर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। राजनांदगांव सेक्टर ने निर्धारित 35 ओवर में 186 रनों का लक्ष्य दिया। दुर्ग सेक्टर ने इस लक्ष्य का पीछा करते हुए करते हुए 5 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। मैच के अंपायर प्रकाश महानदी एवं चंदन थे। स्कोरर एजाज अहमद थे। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ मुन्नालाल नंदेश्वर ने दी।

...संपन्न हुआ।

योगाचार्यो एवं योग शिविर के प्रशिक्षणार्थी को किया गया सम्मानित

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर

महाविद्यालय डोंगरगढ़ के मागदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के दिशा निर्देशन में महाविद्यालय में दस दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर अधिकारी-कर्मचारियो एवं छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए पतांजलि योग प्रशिक्षण केन्द्र डोंगरगढ़ के प्रशिक्षित योगाचार्य के दिशा-निर्देश में महाविद्यालय के प्रांगण में प्रातः 7 बजें से आयोजित किया गया। इस योग प्रशिक्षण शिविर में योगाचार्य श्री सिद्धार्थ नामदेवे एवं श्री गोपाल महोबिया ने लगातार दस दिनों तक अपनी उपस्थिति देकर प्रतिदिन महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को योग का महत्व एवं अभ्यास कराया गया । प्रारंभ से अंतिम दस दिनों तक लगातार अभ्यास करा कर रोगो से मुक्ति के उपाय बताये। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस में महाविद्यालय के प्राचार्य की ओर से दोनो योगाचार्य का शाल, श्रीफल एवं स्मृतिचिन्ह भेटकर स्वागत किया गया। इस योग प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित समस्त अधिकारी-कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को भी महाविद्यालय की ओर से स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा दोनो योगाचार्य एवं समस्त प्रतिभागी का आभार व्यक्त किया गया। उक्ताशय की जनकारी क्रीड़ा अधिकारी मुन्नालाल नंदेश्वर ने दी।

महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पदमश्री फुलबासन यादव ने छात्र-छात्राओं को बतायी नारी शक्ति की महत्ता

मौत की गोद मे जाकर जीवन देने की शक्ति ही नारी है- हाजरा

शासकीय नेहरू स्नातकर महाविद्यालय में विश्व महिला दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ।

डौंडीलोहारा। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सभा गृह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिला प्रकोष्ठ के द्वारा किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. ईश्वर आर्मीपाला डिप्टी डायरेक्टर जनरल जीओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (कर्नाटका एंड गोवा), विशेष अतिथी वक्ता पूर्व लोकपाल श्री अमलेन्दु हाजरा समाज सेवी डॉ. ई. मिल्टन लाल चाईस चयरमेन, आई.सी.टी. जिला महिला संरक्षण अधिकारी सुश्री विद्या मिश्रा, पर्यटन अधिकारी श्रीमती आरती साहो की गरिमामय उपस्थिति मे माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा अपने स्वागत उद्बोधन में महिला दिवस पर आयोजित उक्त कार्यक्रम के लिए डॉ. श्रीमती आभा चौधरी संयोजिका महिला प्रकोष्ठ एवं डॉ. ई. व्ही. रेवती प्राध्यापक महाविद्यालय एवं सभा में उपस्थित महिलाओं को शुभकामनायें देते हुए बताया की, महाविद्यालय में सरस्वती पुत्र के रूप में अतिथियों को अपने बीच पाकर प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि छात्र-छात्रायें ही देश व समाज की धरोहर है। और महिला समाज में दोहरी भूमिका निभाती है जिसके लिए उन्हें शिक्षा के साथ शक्तिशाली होकर समाज मे अग्रणिय होना आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. ईश्वर आमिपाला द्वारा अच्छे आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार एवं श्री हाजरा को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए, अपने सम्बोधन मे नारी शक्ति द्वारा शासकिय कार्यक्रमो में बढ़-चढ़ कर हो रही भागीदारी को सामाजिक क्रांति बताया और यह भी कहा की महिलायें किसी भी क्षेत्र मे कम नही है। और शिक्षा को लेकर काफी जागरूक है। रक्षा क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है महिलाएं सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। इस अवसर पर विशेष अतिथी वक्ता अमलेन्दु हाजरा ने कहा की मातृत्व शक्ति परमात्मा के बाद पूजनीय है, जो मौत की गोद मे जाकर जीवन देने की अद्‌भुत क्षमता रखती है। नारी शक्ति ने मानव समाज को सदैव गौरवान्वित किया है नारी और पुरूष प्रकृति के अनमोल उपहार हैं, परिवार के स्वरूप की संरचना नारी ही करती है इस देश की नारी शक्ति ने भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरुनानक, विवेकानंद, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मी बाई, डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर सावित्री बाई फुले, जैसे महान प्रतिभाओं को जन्म दिया है जो सदैव पूजनीय है। इस अवसर पर श्री हाजरा द्वारा स्वतंत्रा संग्राम सेनानी सरोजनी नायडु के 135 वे जन्म दिवस पर 13 फरवरी 2014 से राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होने संबंधित जानकारी भी दी गई और भारतीय दण्ड संहिता की धारा 375,(ए) 376, एवं लैंगिक उत्पीड़न, तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कन्या भ्रूणहत्या आदि विषयो पर धारा प्रवाह उदाहरणो के साथ अपने विचार व्यक्त किये। जिला महिला संरक्षण अधिकारी सुश्री विद्या मिश्रा ने महिला उत्पीड़न से संबंधित घरेलु हिंसा और कार्य स्थल पर महिलाओ का उत्पीड़न तथा सखी सेंटर के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया और शासन द्वारा प्रकाशित साहित्य एवं नियमो की संग्रह पत्रिका सभा में उपस्थित लोगो को वितरण किया गया ; इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित समाज सेवी डॉ. ई. मिल्टन लाल चर्च आफ इंडिया द्वारा सभा में उपस्थित लोगो को आर्शीश देते हुए उनके जीवन की मंगल कामना की और कहा की दुनियावन मानव समाज में महिला व पुरुषो के मध्य भेदभाव सम्भव है। लेकिन अध्यात्मीक क्षेत्र मे ईश्वर की आशिश सभी के लिये समान है, ईश्वर कभी भी किसी का पक्षपात नही करता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. आभा चौधरी ने महिला दिवस के इतिहास व वर्तमान समय मे महिलाओ की स्थिती एवं समस्याओ के संबंध मे अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम भी रखा गया और जिसमें महिलाओ के द्वारा उत्साहित होकर प्रश्नउत्तर में भाग लिये गये और कानून से संबंधित साहित्य का वितरण किया गया। इस अवसर पर सोन कुमार सिन्हा अध्यक्ष प्रेस क्लब के ,सचिव प्रो. महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत मे डॉ. ई. व्ही. रेवती द्वारा आभार व्यक्त करते हुये सभी को शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने के बताए गुर

कार्यक्रम में काफी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। ● नईदुनिया

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रों के लिए मोटिवेशनल स्पीच का आयोजन किया गया, जिसमें जुलाजी के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने के गुर बताए गए।

वहीं छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी व पाठ्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके पहले प्राचार्य डा. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एवं प्राणीशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष बीआर सिवारे के मार्गदर्शन में प्राणीशास्त्र में परिषद गठन किया गया। इसमें एमएससी तृतीय सेमेस्टर की निकिता गुप्ता को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा एमएससी प्रथम सेमेस्टर को बनाया गया है। सचिव सूरज वर्मा तृतीय सेमेस्टर, सह सचिव पूजा प्रथम सेमेस्टर, कोषाध्यक्ष नम्रता साहू तृतीय सेमेस्टर बनाया गया है। प्राचार्य ने परिषद के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विभागीय गतिविधियों के साथ-साथ शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया।

जैव विविधता एवं पर्यावरण पर कोविड-19 के प्रभाव पर प्राणीशास्त्र विभाग में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार

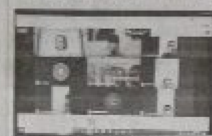

प्राणीशास्त्र परिषद गठन

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ केएल टांडेकर के निर्देशन एवं प्राणीशास्त्र विभाग के विभागध्यक्ष बीआर सिवारे के मार्गदर्शन में प्राणीशास्त्र परिषद गठन किया गया। परिषद में निकिता गुप्ता को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पिंटु वर्मा, सचिव सूरज वर्मा, सह सचिव पूजा एवं कोषाध्यक्ष नम्रता साहू को नियुक्त किया गया।

इस मौके पर श्री टांडेकर ने मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से जूलाजी के संबंध में जानकारी दी। उन्होने जीव विज्ञान के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए तैयारी के संबंध में भी बताया।